जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBIT

'Cess' for Stray Dog Menace? Instead of demonising strays, some communities have found success in caring for them. This can include designated feeding spots, volunteer-led monitoring

A Forgotten River Tradition

HIGH Heels For Men Why Heels were originally worn by Men: A Historical Perspective

चीन खुले दिल और मुक्त हाथों से डॉक्टर, इंजीनियर व साइंटिस्टों का स्वागत कर रहा है

इससे भारत को दोहरा खतरा है, पहले तो जल्दी ही चीन अमेरिका को पछाड़कर विश्व की नम्बर वन ताकत बन सकता है, दूसरे एशिया के सामरिक संतुलन में चीन अब भारत से बेहिसाब भारी पड़ जायेगा

- इस दौड़ में चीन को दो बातों से मदद मिल रही है, पहली शीर्ष नेतृत्व (राष्ट्रपति शी जिनपिंग) स्वयं आगे बढ़कर स्वागत कर रहे हैं। दूसरी चीन के पास अथाह धन है, इसे फलीभूत करने के लिए। टॉप साइंटिस्ट को लुभाने के लिए चीन 5-5 लाख डॉलर का वार्षिक पैकेज ऑफर कर रहा है।
- चीन के इस प्रयास को सफलता इसलिए भी मिल रही है, क्योंकि वहाँ अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कई संस्थान (इन्स्टीट्यूट) पहले से ही विद्यमान हैं, इन साइंटिस्टों को एब्ज़ॉर्ब करने के लिए।
- इसकी तुलना में भारत में कुछ संस्थाएँ हैं और धन भी है, किन्तु विदेश में स्थित इस टेलैंट को लुभाने के लिए संख्या में बहुत कम हैं।
- इस प्रकरण में एक और समस्या है कि इन भारतीय संस्थाओं में पहले से आधिपत्य जमाये लोग नये आने वालों के पैर आसानी से जमने नहीं देना चाहते।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 सितंबर। डॉनल्ड ट्रम्प द्वारा एच-1बी वीज़ा के लिए लगाई गई बहुत ऊंची फीस भारत के लिए गंभीर सिरदर्द है। इसका असर केवल भारत के आईटी सेक्टर और अमेरिका को होने वाले सेवा निर्यात पर ही नहीं पड़ेगा, बल्कि यह भारत के लिए समग्र सुरक्षा परिवेश और रणनीतिक-कूटनीतिक परिदृश्य के लिए भी बड़ी चिंता है।

अन्य बातों के अलावा, अगर चीन अमेरिका से निकल रही बेहतरीन और शीर्ष प्रतिभाओं का अच्छा हिस्सा अपने देश में लाने में कामयाब हो जाता है, तो वह कम समय में अमेरिका पर अपनी तकनीकी रक्षा बढ़त को अधिक प्रभावी ढंग से हासिल कर पाएगा। यह केवल अमेरिका के लिए ही नहीं, बल्कि भारत के लिए भी तात्कालिक चुनौती बन सकती है।

ट्रम्प द्वारा प्रवासी वैज्ञानिकों और तकनीकी कर्मियों पर की जा रही सख्ती का जिक्र करते हुए सीएनएन ने एक प्रमुख चीनी वैज्ञानिक को उद्धृत किया, जो अब अपने देश लौट चुके हैं। उन्होंने कहा, चीनी विश्वविद्यालय, एक "कथित" विरोधी से मिले इस अवसर का सक्रिय रूप से लाभ उठाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। विदेशों में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्र.मंत्री मोदी ने लिखी मैलोनी की आत्मकथा की प्रस्तावना

नयी दिल्ली, 29 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि "आई एम जॉर्जिया माई रूट्स माई प्रिंसिपल्स" इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की केवल आत्मकथा नहीं है, यह उनके "मन की बात" है।

प्रधानमंत्री ने मेलोनी की आत्मकथा "आई एम जॉर्जिया माई रूट्स माई प्रिंसिपल्स" की प्रस्तावना लिखते हुए कहा है, "भारत और इटली

- प्र.मंत्री मोदी ने लिखा, यह इटली की प्र.मंत्री मैलोनी की आत्मकथा मात्र नहीं, बल्कि उनके "मन की बात है।"

संधियों या व्यापार से कहीं ज़्यादा विरासत की रक्षा, समुदाय की मज़बूती और नारीत्व को एक मार्गदर्शक शक्ति के रूप में मानने जैसे साझे मूल्यों से बंधे हैं।" उन्होंने कहा कि दोनों देशों में परंपराओं के प्रति सम्मान और आधुनिकता को अपनाने की एक जैसी भावनाएं मौजूद हैं। मोदी ने इन साझे मूल्यों को अपनी और मेलोनी की व्यक्तिगत मित्रता का आधार बताया है।

उल्लेखनीय है कि इस आत्मकथा की भूमिका में मोदी के अलावा, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एक बार फिर भूपेन्द्र सिंह हुड्डा कांग्रेस विधायक दल के नेता बनाए गए

कांग्रेस प्रभारी व महासचिव हरि प्रसाद ने हुड्डा खेमे के पुराने वफादार राव नरेन्द्र सिंह को प्रदेशाध्यक्ष घोषित किया

- हुड्डा के विरोधी खेमे अब तक यह प्रचार करते रहे हैं कि गत चुनावों में हार का कारण हुड्डा का त्रुटिपूर्ण टिकट वितरण रहा है।
- हुड्डा को विधायक दल का नेता बनाने के पीछे यह कारण है कि अधिकांश विधायक हुड्डा समर्थक हैं।
- काफी समय से कांग्रेस प्रयास करती रही है कि हरियाणा में दलित नेता हो, पर, वो अब भी यह नहीं कर पाई है।
- बहुत समय से रणदीप सिंह सुरजेवाला पद प्राप्त करने का प्रयास कर रहे थे, किन्तु वो हुड्डा खेमे के नहीं हैं, इसलिए उन्हें पद नहीं मिला। एक बार फिर सुरजेवाला, हरियाणा की राजनीति केन्द्रीय स्तर पर करने को मजबूर हैं।

- रेणु मित्तल -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 29 सितम्बर। भूपेन्द्र सिंह हूडा हरियाणा में कांग्रेस के निर्विवाद नेता बने हुए हैं, भले ही पार्टी के भीतर उनके विरोधियों ने पिछले विधानसभा चुनाव की हार के लिए उन्हें पूरी तरह जिम्मेदार ठहराते हुए उनके खिलाफ जोरदार मुहिम छेड़ रखी हो।

भूपेन्द्र सिंह हूडा को एक बार फिर हरियाणा में कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) का नेता नियुक्त किया गया है, जबकि उनके समर्थक राव नरेन्द्र सिंह को नया प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष (पीसीसी) बनाया गया है।

असल में पार्टी की जिम्मेदारी एक बार फिर हूडा को सौंप दी गयी है, क्योंकि हरियाणा में पूरा विधायक दल उन्हीं के साथ खड़ा है।

काफी समय बाद, कांग्रेस ने प्रदेश अध्यक्ष के रूप में किसी दलित को नहीं, बल्कि पिछड़े वर्ग के नेता चुना है। इसके साथ ही भूपेन्द्र सिंह हूडा राज्य में जाट नेताओं में सबसे कद्दावर नेता माने जाते हैं।

पार्टी संगठन का पुनर्गठन पिछली विधानसभा चुनावों से ही लंबित था और अब आखिरकार एआईसीसी के हरियाणा प्रभारी बी. के. हरिप्रसाद ने सारी अटकलों को खत्म करते हुए, अहम पदों की मंजूरी दे दी है।

रणदीप सिंह सुरजेवाला हरियाणा में कोई पद पाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन चूंकि वे हूडा के विरोधी हैं, इसलिए उन्हें हरियाणा में कोई जगह नहीं मिल सकी।

सुरजेवाला को हरियाणा से बाहर ही अपनी राजनीति करने पर संतोष करना होगा।

अडानी को प्रॉपर्टीज़ बेचने के लिए सुप्रीम कोर्ट से अनुमति मांगी, सहारा ग्रुप ने

सहारा समूह का कहना है कि देनदारियां निपटाने व अवमानना कार्यवाही को खत्म करने के लिए संपत्ति बेचने की मंजूरी जरूरी है

- सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर 14 अक्टूबर को सुनवाई करेगा।
- सहारा समूह ने कहा कि सहकारी समितियों के जमाकर्ताओं का बकाया चुकाने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने 24,030 करोड़ रूपए सेबी के रिफंड खाते में जमा करने का आदेश दिया था, इसमें से 1600 करोड़ रूपए जमा कराए जा चुके हैं, बाकी कराने हैं।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 सितंबर। सहारा इंडिया कमर्शियल कॉरपोरेशन लिमिटेड (एसआईसीसीएल) ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है, ताकि उसे महाराष्ट्र के ऐम्बी वैली और लखनऊ के सहारा शहर सहित, विभिन्न संपत्तियाँ अदाणी प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड को बेचने की अनुमति मिल सके।

यह याचिका हाल ही में सुनवाई के लिए उल्लेखित की गई थी और संभवतः 14 अक्टूबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध हो सकती है।

वकील गौतम अवस्थी के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है, "सहारा समूह अपनी विभिन्न संपत्तियों को अदाणी प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड को उस मूल्य और शर्तों पर पूर्ण रूप से बेचने के लिए तैयार है, जैसा कि 6 सितंबर 2025 को हस्ताक्षित टर्म शीट में उल्लेखित है।"

अंतरिम आवेदन में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न आदेशों और अनुमति प्राप्त करने के बाद, (एसआईसीसीएल) और सहारा समूह ने बड़ी कठिनाई से कुछ चल और अचल संपत्तियों को नकदी में बदला, जिसकी आय सेबी-सहारा रिफंड अकाउंट में जमा की गई।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चीन में विश्व का सबसे ऊंचा पुल बनकर तैयार

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 29 सितम्ब। बीपन नदी के ऊपर 625 मीटर की ऊँचाई पर बना चीनी पुल जो अब दुनिया का सबसे ऊँचा पुल है, बन कर तैयार है, जो घाटी के पार यात्रा के समय को दो घंटे से घटाकर सिर्फ दो मिनट कर देता है।

चीन ने आधिकारिक रूप से

- 625 मीटर ऊंचे पुल से यात्रा का समय 2 घंटे से घट कर 2 मिनट रह गया है।

"हुआजियांग ग्रैंड कैन्यन ब्रिज" को जनता के लिए खोल दिया है। गुइझोउ प्रांत में स्थित यह अद्भुत वास्तुशिल्प संरचना, 625 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है और चीन के सबसे कठिन भू-भागों में कनेक्टिविटी की परिभाषा ही बदल देती है।

28 सितंबर को, लाइव ड्रोन फुटेज में देखा गया कि कैसे वाहन इस विशाल पुल को पार कर रहे थे, जिसके नीले सपोर्ट टावर्स नीली सहायक बादलों में आंशिक रूप से छिपे हुए थे।

क्रिकेट मैच के बाद भारत-पाक नेताओं में छिड़ी ज़ुबानी जंग

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म "एक्स" पर दोनों देशों के नेता एक दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं

- प्रधानमंत्री मोदी ने एशिया कप फाइनल में भारत की जीत को ऑपरेशन सिंदूर से जोड़ा और लिखा, "नतीजा वही रहा, भारत की जीत।"
- इस पर पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी, जो एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष भी हैं, ने जवाब में लिखा, अगर युद्ध आपके गर्व का मानदंड था तो इतिहास पाकिस्तान के हाथों हुई आपकी अपमानजनक हार को दर्ज करता है।
- सोशल मीडिया भी भारत-पाक क्रिकेट मैच के दौरान दोनों टीमों के व्यवहार पर टीका टिप्पणियों से अटा पड़ा है।

- श्रीनन्द झा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 29 सितंबर। यह एक दुर्लभ घटना है कि क्रिकेट के खेल के बाद, दो पड़ोसी देशों के राजनीतिक नेताओं के बीच ज़ुबानी जंग छिड़ जाए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर एक पोस्ट में एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान पर भारत की जीत को 'बैटल सिंदूर' से जोड़ते हुए लिखा कि नतीजा वही रहा, भारत की जीत। इसके बाद, पाकिस्तान के गृहमंत्री और एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष मोहसिन नक़्वी ने मोदी की इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, अगर युद्ध आपके गर्व का मानदंड था, तो इतिहास हमेशा पाकिस्तान के हाथों आपकी अपमानजनक हार दर्ज करता है। कोई क्रिकेट मैच इस सच्चाई को बदल नहीं सकता। खेल में युद्ध को घसीटना सिर्फ हताशा दिखाता है और खेल की मूल भावना का अपमान करता है।

सोशल मीडिया पर भारतीय और पाकिस्तानी टीमों के व्यवहार को लेकर ढेरों टिप्पणियां हो रही हैं। मैदान पर खिलाड़ी हैरिस रऊफ का इशारा, जिससे उसने यह जताने की कोशिश की कि पाकिस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के छह विमान मार गिराए थे। इसी प्रकार, भारतीय खिलाड़ियों का रवैया, जिन्होंने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ मिलाने, उनके साथ फोटो खिंचवाने और यहां तक कि मोहसिन नक़्वी से ट्रॉफी लेने तक से इनकार कर दिया। नक़्वी मेडल और ट्रॉफी लेकर अपने होटल के कमरे में चले गए। कल वह अनोखा क्षण था, जब भारतीय टीम को बिना ट्रॉफी के ही जीत का जश्न मनाते देखा गया। सवाल यह उठता है कि अगर रिश्ते इतने कड़वे और तनावपूर्ण हैं, तो भारत ने पाकिस्तान के साथ खेलने का निर्णय किया ही क्यों था? इतिहासकार और खेल लेखक रामचंद्र गुहा के मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी ने खेल में राजनीति घुसाकर अपने पद की गरिमा कम कर दी और पाकिस्तानी नेताओं की संस्कृति के स्तर तक उतर गए। गुहा ने कहा कि भारत ने खेलने का फैसला इसलिए किया, क्योंकि बीसीसीआई वित्तीय लाभ कमाना चाहता था।

गुहा की दलीलें पूरी तरह गलत भी नहीं हैं। खेल और राजनीति परंपरागत रूप से अलग-अलग क्षेत्र रहे हैं और खेल भावना और आपसी सौहार्द की पवित्रता हमेशा बनाए रखी गई है। कुछ उदाहरण: सन् 1974 में भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ क्रिकेट नहीं खेला था और यहां तक कि रंगभेद के खिलाफ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल गांधी कोलंबिया पहुंचे

नयी दिल्ली, 29 सितंबर। दक्षिण अमेरिका के चार देशों की यात्रा पर गये लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सोमवार को कोलंबिया की राजधानी बोगोटा पहुंचे।

कांग्रेस पार्टी ने एक्स पर एक पोस्ट में हवाई अड्डे पर गांधी के स्वागत का एक वीडियो साझा करते हुए यह जानकारी दी।

- दक्षिण अमेरिकी देश कोलंबिया की राजधानी बोगोटा में राहुल छात्रों व व्यापारिक समुदाय से मिलेंगे।

पार्टी ने आगे कहा "गांधी कोलंबिया के बोगोटा पहुंचे। वे दक्षिण अमेरिका के दौरे पर हैं, जहां उनका चार देशों के राजनीतिक नेताओं, विश्वविद्यालय के छात्रों और व्यापारिक समुदाय के सदस्यों से मिलने का कार्यक्रम है।

पाक अधिकृत कश्मीर में न्याय की मांग अब पूर्ण बगावत का रूप ले चुकी है

हज़ारों की संख्या में उत्तेजित जनता सड़कों पर उतर आई है, कर्फ्यू व दबाने की कोशिशों के बावजूद

- पाक का यह प्रचार, कि पीओके एक खुशनुमा और संतुष्ट प्रदेश है, अब खोखला साबित हो गया है।
- इस समस्या से पाकिस्तान सरकार पुराने जाने-पहचाने तरीकों से निपटना चाहती है, दमन एवं अर्द्ध सैनिक बलों व सेना के इस्तेमाल से, यहाँ तक कि इंटरनैट व सोशल मीडिया पर पूर्ण नियंत्रण करके एरिया को अलग-थलग कर आवाज़ों को अपनी मौत मार देना चाहती है।
- यह बगावत सिर्फ युवाओं तक सीमित नहीं है, आम जनता सिविल सोसायटी और वकील आदि भी इसका मुखर समर्थन कर रहे हैं। मुज़फ्फराबाद के एक नामी वकील ने कहा है कि आंदोलन मतभेद ज़ाहिर करने का यह प्रजातंत्रीय तरीका है और इसे सुना जाना चाहिए।

- सुकुमार साह -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली 29 सितम्बर। पाक ऑक्युपाइड कश्मीर (पीओके) में तूफान उठ रहा है। वर्षों बाद पहली बार, हजारों नाराज़ नागरिक सड़कों पर उतर आए हैं वो भी कर्फ्यू और दमन को नज़रअंदाज़ करते हुए। अवामी एक्शन कमेटी (एएसी) द्वारा शुरू की गई न्याय की अपील अब एक पूर्ण जनविद्रोह बन चुकी है - इस्लामाबाद द्वारा दशकों से की गई उपेक्षा और शोषण के खिलाफ एक निर्णायक आंदोलन शुरू हो गया है। पाकिस्तानी सरकार ने क्षेत्र में भारी संख्या में सुरक्षा बलों की तैनाती कर दी है और आधी रात से इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी हैं। पीओके एक गहरे राजनीतिक संकट के कगार पर खड़ा है।

भारत, जो जम्मू-कश्मीर सहित पूरे क्षेत्र को अपना अभिन्न अंग मानता है, के लिए ये विरोध एक रणनीतिक मोड़ है। यह असंतोष पाकिस्तान के उस पुराने दावे को झुठलाता है कि पीओके एक "संतुष्ट" इलाका है, यह आंदोलन इस्लामाबाद के नियंत्रण की आंतरिक कमजोरियों को भी उजागर करता है। नई दिल्ली इसे अपने रूख की पुष्टि के रूप में देखती है कि पाकिस्तान को इस क्षेत्र पर दावा करने का नैतिक अधिकार नहीं है। कि जब उसके खुद के कब्जे वाले इलाके ही असंतोष से उबल रहे हों, तो उसे कश्मीर मुद्दे पर बोलने का कोई हक नहीं है। साथ ही, पीओके में अस्थिरता नियंत्रण रेखा पर सुरक्षा जोखिम भी बढ़ा सकती है। पाक सरकार की सख्त कार्रवाई शरणार्थी संकट, सीमा पर तनाव या आंतरिक विद्रोह को बाहरी मोर्चे पर मोड़ने के लिए आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा दे सकती है।

इस विद्रोह के केन्द्र में है पाकिस्तान द्वारा क्षेत्र के लोगों को बुनियादी अधिकारों से वंचित रखना। यह ऐसी भावना है, जो न केवल इस्लामाबाद की आंतरिक स्थिरता पर बल्कि क्षेत्र में शक्ति संतुलन और भारत की सुरक्षा रणनीति पर भी दूरगामी प्रभाव डाल सकती है।

यह आंदोलन तब शुरू हुआ जब नीलम घाटी सार्वजनिक एक्शन कमेटी के नेता शौकत नवाज़ मीर ने पाक अधिकृत कश्मीर में अनिश्चितकालीन "शटर डाउन और चक्का जाम" हड़ताल की घोषणा की। उनका संदेश स्पष्ट था - वर्षों की उपेक्षा, भ्रष्टाचार और शोषण ने जनता को उबाल पर ला दिया है।

मुज़फ्फराबाद से मीरपुर तक, लोग अपने मूलभूत मानव अधिकारों की मांग कर रहे हैं - साफ पानी, बिजली, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा और स्थानीय प्राकृतिक संसाधनों पर स्वामित्व। जनता का गुस्सा पाकिस्तान की राजनीतिक व्यवस्था पर भी है, जिसने कथित रूप से विकास के लिए मिले फंड हड़प लिए और असहमति को दमन के ज़रिए दबा दिया।

पाक अधिकृत कश्मीर की सरकार का आंदोलन को बलपूर्वक कुचलने का बयान आग में घी डालने जैसा रहा है। वकीलों और नागरिक समाज के संगठनों ने भी आंदोलन को समर्थन दिया है और इसे एक वैध लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति बताया है। मुज़फ्फराबाद के एक वरिष्ठ वकील ने कहा, जनता की मांगों को कुचला नहीं जाना चाहिए, बल्कि सुना जाना चाहिए। संवाद की बजाय इस्लामाबाद ने वही पुराना रास्ता चुना है - अर्धसैनिक रेंजरों की तैनाती, इंटरनेट बंद करना, और बड़े पैमाने पर गिरफ्तारियाँ करना।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

घाटी में अस्थाई रूप से बंद पर्यटन स्थल फिर से खुले

जम्मू, 29 सितंबर। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने सोमवार को कश्मीर घाटी के उन सात प्रमुख पर्यटन स्थलों को दोबारा खोल दिया है, जिन्हें 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद एहतियातन बंद कर दिया गया था।

यह निर्णय शुक्रवार को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की

- इसमें कश्मीर संभाग के सात व जम्मू के 5 क्षेत्र शामिल हैं। इन्हें पहलगाम के अटैक के बाद बंद कर दिया गया था।

अध्यक्षता में हुई यूनिफाइड हेडक्वार्टर की बैठक के बाद लिया गया। आज यूएचक्यू की बैठक में सुरक्षा की विस्तृत समीक्षा और चर्चा के बाद, जम्मू और कश्मीर डिविजनों में अस्थायी रूप से बंद किए गए कई पर्यटन स्थलों को फिर से खोलने का आदेश दिया गया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

सुन्दर चेहरा सबसे अच्छा प्रशंसापात्र है। –रानी एलिज़ाबेथ

सोनम वांगचुक होने के मायने

26 सितंबर 2025 को लद्दाख में सोनम वांगचुक को देशद्रोह के आरोप में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के अंतर्गत गिरफ्तार कर लिया गया। इसके एक दिन पूर्व लेह में लद्दाख के युवाओं द्वारा भाजपा के राज्य कार्यालय पर पथराव किया गया एवं आगजनी की गई। उपद्रवी भीड़ पर पुलिस द्वारा गोली चलाई गई, जिसमें चार युवाओं की मृत्यु हो गई और 50 अन्य घायल हो गए।

यह उल्लेखनीय है कि सोनम वांगचुक तब से यह आंदोलन चला रहे थे जब से लद्दाख को जम्मू कश्मीर से अलग एक संघ शासित प्रदेश घोषित किया गया था। उनकी मांग थी कि लद्दाख की सांस्कृतिक विशेषताओं और भौगोलिक स्थिति को देखते हुए उसे पूर्ण राज्य का दर्जा दिया जाए एवं साथ ही इसे भारतीय संविधान की अनुसूची 6 में शामिल किया जाए। इस अनुसूची में सम्मिलित होने का तात्पर्य है कि भूमि के प्रबंधन और निष्पादन का अधिकार स्थानीय स्तर की स्वायत्त शासी संस्था को मिल जाता है और वहां की सांस्कृतिक विरासत और विशिष्ट पहचान को बनाए रखने के विशेष प्रयास सरकार द्वारा किए जाते हैं। वर्तमान में असम, त्रिपुरा, मिजोरम और मेघालय छठी अनुसूची में सम्मिलित हैं।

लद्दाख एक सीमावर्ती क्षेत्र है और चीन एवं पाकिस्तान से इसकी सीमा लगती है। यहां के नागरिक देश के सर्वाधिक शांतिप्रिय नागरिकों में गिने जाते हैं। जो भी पर्यटक इस क्षेत्र में जाते हैं वे वहां की सादगी और आवभगत से अभिभूत होकर लौटते हैं। मुझे भी 2018 में लद्दाख जाने का अवसर मिला था और मैंने इस धारणा को पूरी तरह सही पाया।

ऐसे शांतिप्रिय क्षेत्र में पुलिस की गोली द्वारा लोगों का मारे जाना एक अप्रत्याशित घटना थी। इस घटना के लिए सोनम वांगचुक को दोषी मानते हुए उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और जोधपुर के सेंट्रल जेल में बंद कर दिया गया। लद्दाख में कर्फ्यू लगा दिया गया और इंटरनेट सेवाएं भी बंद कर दी गई हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने लोगों को हिंसा के लिए उकसाया।

जितने भी वीडियो सोशल मीडिया पर उपलब्ध हैं, उनमें सोनम वांगचुक स्वयं, लगातार यह अपील करते दिखाई दे रहे हैं कि उनका आंदोलन अहिंसक है और वह किसी भी प्रकार की हिंसा का समर्थन नहीं करते हैं। उन्होंने इस हिंसा की निंदा की और अपना आमरण अनशन भी समाप्त कर दिया।

गत 5 वर्ष में उनके द्वारा अनेक बार अपनी मांगों के समर्थन में शांतिपूर्वक अनशन किए गए। उन्होंने 125 लोगों के साथ दिल्ली तक की पदयात्रा की (यह अलग बात है कि उन्हें दिल्ली में प्रवेश नहीं करने दिया गया), किंतु कभी भी उन्होंने हिंसा का सहारा नहीं लिया। यह एक विडंबना ही है कि केंद्र सरकार ने उनसे इस बारे में कोई बात नहीं की एवं उनकी मांगों का कोई सकारात्मक समाधान निकालने का प्रयास नहीं किया।

इससे पहले कि पाठक सोनम वांगचुक के बारे में कोई राय बनाएं, उनके लिए कुछ तथ्य प्रस्तुत करने उपयुक्त होंगे।

सोनम वांगचुक का जन्म लद्दाख के अलेची गांव में 1966 में हुआ एवं उन्होंने श्रीनगर के राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान से 1988 में मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डिग्री प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने आर्किटेक्चर में फ्रांस से विशेष डिप्लोमा भी किया। उन्होंने पहले सेकमोल (स्टूडेंट्स एजुकेशनल एंड कल्चरल मूवमेंट ऑफ लद्दाख) और बाद में "इंस्टिट्यूट ऑफ़ हिमालयन अल्टरनेटिव्स" के नाम से संस्था स्थापित की। उनका उद्देश्य लद्दाख क्षेत्र की भौगोलिक और सांस्कृतिक विरासत के अनुसार शिक्षा के लिए काम करना था, ताकि पढ़ाई के साथ-साथ अपने पर्यावरण की रक्षा भी विद्यार्थी कर सकें।

पाठकों को याद होगा कि 3 ईडियट्स फिल्म जो कि अत्यधिक सफल फिल्म मानी जाती है, सोनम वांगचुक की शिक्षा सम्बंधित सोच पर ही आधारित थी। फिल्म के अंत में उन्हें शायद दिखाया भी गया। वे पर्यावरण के संरक्षण और अपनी सांस्कृतिक पहचान को बचाए रखने के आंदोलन में लगातार लगे रहे। वे 1996 से लगातार लद्दाख को अलग राज्य बनाने की मांग कर रहे थे। लद्दाख में अधिकांश व्यक्ति बौद्ध धर्म को मानते हैं। वांगचुक ने लेह में एक ऐसा स्कूल बनाया जिसका निर्माण स्थानीय जलवायु को ध्यान में रखकर स्थानीय सामग्री से किया।

उन्हें उनके नवाचारों के लिए दुनिया के विभिन्न देशों से न केवल सम्मान मिला अपितु उन्हें अपनाया भी गया। उनकी एक शैक्षिक संस्था है जिसके माध्यम से वह निरंतर इस क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं।

यह उल्लेख करना उचित होगा कि कुछ वर्षों पूर्व सोनम वांगचुक ने एक विशेष प्रकार के मोबाइल टेंट का निर्माण किया जो शून्य से 15-20 डिग्री नीचे तक के तापमान में भी अन्दर से गरम रहता है। यह नवाचार उन्होंने विशेष रूप से लद्दाख में तैनात भारतीय सैनिकों के उपयोग के लिए किया था।

अगस्त 2019 में जब लद्दाख को अलग संघ शासित क्षेत्र घोषित कर दिया गया, तो सोनम वांगचुक ने भारत सरकार की सराहना की थी एवं इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद भी दिया था। उसके बाद उन्होंने लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और इसे संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने का आंदोलन प्रारंभ किया। लंबे संघर्ष के बाद भी जब वहां के लोगों को इस बारे में कोई विशेष सफलता मिलती हुई नहीं दिखाई दी तो उनका उद्वेलित होना स्वाभाविक था। इसके बावजूद भी वांगचुक ने लगातार अपने आंदोलन को अहिंसक ही बनाए रखा।

सोनम वांगचुक नवाचारों के प्रति एवं अपने देश के प्रति कितने समर्पित है और कितने शांतिपूर्ण तरीके से अपने कार्य को कर रहे थे उसका मूल्यांकन उन्हें मिले कई प्रकार के सम्मानों से किया जा सकता है। उन्हें कई प्रकार के सम्मान प्राप्त हुए, जिनमें प्रमुख निम्न प्रकार हैं:–

1. रेमन मैग्सेसे अवार्ड, 2018
शिक्षा एवं समुदाय के साथ उत्कृष्ट कार्य करने के लिए
2. संतोक बा मानवतावादी पुरस्कार 2023
यह पुरस्कार उन्हें शिक्षा और स्थाई शैक्षणिक सुधारों के लिए दिया गया
3. रोलेक्स इंटरनेशनल अवार्ड फॉर एंटरप्राइज, 2016
यह पुरस्कार उन्हें उनके प्रोजेक्ट– 'बर्फ का स्तूप' के लिए दिया गया जो लद्दाख में पानी की कमी दूर करने के लिए बनाए गए।
4. अंतरराष्ट्रीय टेरा पुरस्कार, 2016
यह पुरस्कार उन्हें SECMOL में मिट्टी की वास्तुकला के लिए दिया गया
5. उपेन्द्र नाथ ब्रह्मा सोल्जर ऑफ ह्यूमैनिटी अवार्ड 2023
मानवता के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए
6. ग्लोबल अवार्ड फॉर सस्टेनेबल आर्किटेक्चर, 2017
7. जी क्यू (GQ) मैन ऑफ दी ईयर, 2017
सामाजिक उद्यमिता के क्षेत्र में उनके कार्य के लिए
8. यूनेस्को चेयर अर्थेन आर्किटेक्चर अवॉर्ड, 2014
यूनेस्को द्वारा पृथ्वी आधारित वास्तुकला के लिए
9. अशोका फेलोशिप
10. आई आई टी मंडी द्वारा "एमिनेंट टेक्नोलॉजिस्ट" अवार्ड

उनकी गिरफ्तारी का क्या प्रभाव उस क्षेत्र के युवाओं पर होगा, यह तो आने वाला समय बताएगा। संभव है, इसके बाद लद्दाख क्षेत्र को राज्य घोषित करने और उसे संविधान की छठी अनुसूची में सम्मिलित करने की मांग धीरे-धीरे समाप्त हो जाए। किंतु ऐसा करके, क्या सरकार उस क्षेत्र के निवासियों का और स्वयं देश का भला करेगी? इसका उत्तर तो लोगों को स्वयं खोजना है।

उन्हें कई विश्व विद्यालयों ने मानद डॉक्टरेट की उपाधि भी प्रदान की

सोनम वांगचुक ने 1988 में लद्दाख के छात्रों के शैक्षिक और सांस्कृतिक आंदोलन की स्थापना की और तब से वे लगातार इसका नेतृत्व कर रहे हैं।

उन्हें शैक्षिक नवाचार के लिए कई संस्थाओं एवं सरकारों द्वारा विजन डॉक्यूमेंट बनाने के लिए कहा गया। इनका यह मानना है कि स्थानीय परिवेश और पर्यावरण के अनुसार शिक्षा को पुनः परिभाषित किया जाना चाहिए। वे अंग्रेजी पद्धति की शिक्षा को लद्दाख क्षेत्र में थोपने के विरोध में थे।

इंडियंस फॉर कलेक्टिव एक्शन सम्मान सेन फ्रांसिस्को, विद्यालयों द्वारा मानद डॉक्टरेट की डिग्री भी प्रदान की गई।

उन्होंने 1994 में सरकार और समुदाय के सहयोग से शिक्षा में सुधार के लिए "ऑपरेशन न्यू होप" नाम से एक कार्यक्रम प्रारंभ किया, जिसका उद्देश्य नई प्रकार की नवाचारी शिक्षा पद्धति को स्थापित करना था।

ऊपर दिए गए विवरण से यह तो स्पष्ट होगा कि सोनम वांगचुक शिक्षा और सांस्कृतिक क्षेत्र में नवाचार के माध्यम से कई प्रयोग कर रहे थे जिन्हें स्थानीय समुदाय का भी बहुत समर्थन मिल रहा था। अपने क्षेत्र की पहचान बनाए रखने के लिए ही लद्दाख शिक्षा और सांस्कृतिक आंदोलन के माध्यम से लगातार कार्य कर रहे थे।

जब 24 सितंबर को हिंसक वारदात हुई तो सोनम वांगचुक ने न केवल इस पर बहुत दुख प्रकट किया अपितु इसकी निंदा भी की। उन्होंने यहां तक कहा कि 5 वर्ष के उनके अहिंसक आंदोलन को इन हिंसक घटनाओं ने बहुत क्षति पहुंचाई है। उन्होंने अपना आमरण अनशन भी इसीलिए समाप्त किया। जब 26 सितंबर को वे एक प्रेस वार्ता को संबंधित करने वाले थे, उसके पहले ही उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा कानून में गिरफ्तार कर जोधपुर जेल में बंद कर दिया गया है।

सोनम वांगचुक की संस्था का एफ सी आर ए का लाइसेंस रद्द कर दिया गया है। उन पर यह आरोप लगाया गया है कि उन्होंने विदेशों से पांच लाख रुपए कमाए। वांगचुक ने कहा कि वे लद्दाख में गिने-चुने व्यक्तियों में है जो आयकर देते हैं। उल्लेखनीय है कि लद्दाख में आयकर देय नहीं है। उनकी कमाई का माध्यम उनके द्वारा किए गए नवाचार एवं उनके पेटेंट विदेशियों द्वारा खरीदना रहा है।

उनकी गिरफ्तारी का क्या प्रभाव उस क्षेत्र के युवाओं पर होगा, यह तो आने वाला समय बताएगा। संभव है, इसके बाद लद्दाख क्षेत्र को राज्य घोषित करने और उसे संविधान की छठी अनुसूची में सम्मिलित करने की मांग धीरे-धीरे समाप्त हो जाए। किंतु ऐसा करके, क्या सरकार उस क्षेत्र के निवासियों का और स्वयं देश का भला करेगी? इसका उत्तर तो लोगों को स्वयं खोजना है।

सोनम वांगचुक के बारे में उपरोक्त विवरण इसी उद्देश्य से दिया गया है कि पाठक उनके बारे में स्वयं निर्णय कर सकें कि क्या वे वास्तव में देशद्रोही हैं? क्या सरकार के विरुद्ध आवाज उठाना या सरकार से अहिंसक आंदोलन के माध्यम से मांग करना देशद्रोह है? देश में कई ऐसे व्यक्ति हैं जो तथाकथित देशद्रोह के आरोप में अनिश्चित काल से जेलों में बंद हैं।

अब देखना यह है कि लद्दाख की समस्या का हल, भारत सरकार किस प्रकार निकालती है? लोकतंत्र में समस्या का हल, नागरिकों के मौलिक अधिकारों के हनन और दमन के बजाय संवाद के माध्यम से हो, तो अधिक अच्छा होगा। जब सरकार अपने ही नागरिकों से बात नहीं करेगी, तो फिर समस्या का हल कैसे निकलेगा? प्रधानमंत्री मोदी ने तो स्वयं कहा है कि आलोचना लोकतंत्र की आत्मा है। देश की सुरक्षा की दृष्टि से भी यह आवश्यक है कि सीमा वर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों का विश्वास सरकार जीते। सबको लद्दाख की वासियों की समस्या का हल शांतिपूर्वक संवाद से निकलने की आशा है, जिसकी पहल तो सरकार को ही करनी होगी।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

शक्ति और भक्ति आराधना का त्रिवेणी संगम– पोकरण का प्रसिद्ध मां आशापूरा मंदिर

जुगल किशोर बिस्सा

पोकरण परमाणु नगरी पोकरण से करीब तीन किलोमीटर पश्चिम दिशा में स्थित मां आशापूरा मंदिर भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करने वाला सिद्ध शक्तिपीठ है। यह मंदिर नौ दुर्गा मंदिरों में प्रमुख माना जाता है और शक्ति व भक्ति का अनूठा संगम प्रस्तुत करता है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि :- भाट बही के अनुसार संवत 1315 माघ सुदी तीज को बिस्सा कुलदीपक लुणभाण जी बिस्सा प्रतिदिन कच्छ-भुज जाकर मां आशापूरा की पूजा-अर्चना करते थे। वृद्धावस्था में कठिनाई होने पर उन्होंने मां से निवेदन किया कि उनका परिवार जैसलमेर जिले के रूदवा गांव में निवास करता है और वहां से दर्शन करना कठिन है। भक्त की भक्ति से प्रसन्न होकर मां ने वचन दिया- आगे-आगे लुणभाण जी चलेंगे और पीछे-पीछे मैं चलूंगी, किंतु यदि पीछे मुड़कर देखा तो मैं वहीं ठहर जाऊंगी।

घनगौर जंगलों के बीच चलते हुए मां के अनन्य भक्त शिरोमणि लुणभाणजी बिस्सा को संदेह हुआ कि मां वास्तव में साथ चल रही हैं या नहीं। संदेहवश पीछे देखने पर मां आशापूरा वहीं पृथ्वी में समा गईं। उस स्थान पर आज भी दुपट्टा चिन्ह मौजूद है और मां का भव्य दरबार सजा हुआ है। मंदिर में अखंड घी की ज्योति प्रज्वलित रहती है।

जोधपुर, जैसलमेर, बीकानेर, फलोदी, मुंबई, कोलकाता और गुजरात सहित देशभर से श्रद्धालु यहां दर्शन करने पहुंचते हैं। साल में दो बार भव्य मेले का आयोजन होता है, जिसमें हजारों भक्त शामिल होते हैं। करीब 700 वर्षों से बिस्सा परिवार मंदिर की सेवा व देखरेख करता आ रहा है। पूजनीय डुगरदास जी बिस्सा और मोहनलाल जी बिस्सा ने लगभग 100 वर्षों तक मां की पूजा-अर्चना व व्यवस्था संभाली। वर्तमान में मां आशापूरा नीज मंदिर ट्रस्ट पोकरण प्रबंधन करता है।

मंदिर परिसर की सुविधाएं : विशाल हॉल, 30 कमरे, स्नान-शौचालय, बिजली-पानी व प्याऊ की व्यवस्था। यात्रियों के ठहरने के लिए धर्मशाला भी बनाई गई है। नेशनल हाईवे से सीधा सड़क मार्ग व रोशनी की सुविधा उपलब्ध। सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार मां आशापूरा दरबार की करीब 35 बीघा जमीन दर्ज है। परिसर में बने सुंदर तालाब व हरियाली भक्तों को आकर्षित करते हैं। भक्तों की आशाएं पूर्ण करने वाला यह पावन स्थल आज पोकरण की शक्ति और भक्ति आराधना का त्रिवेणी संगम है। जगत जननी मां आशापूर्णा का यह मंदिर पूरे देश में श्रद्धा और आस्था का प्रतीक बन चुका है।

–जुगल किशोर बिस्सा,
प्रेस रिपोर्टर पोकरण

अनावश्यक स्पीड ब्रेकर बनाना अनुचित

प्रो. कैलाश सोडाणी

स्पीड ब्रेकर देश भारत में आपका स्वागत है। स्पीड ब्रेकर का अविष्कार प्रसिद्ध भौतिक वैज्ञानिक नोबेल पुरस्कार विजेता आर्थर होली कॉम्पटन ने 1950 में किया। सड़क पर स्पीड ब्रेकर वाहनों की गति को कम करने के लिए बनाये जाते है, विशेष रूप से उन जगहों पर जहाँ दुर्घटनाओं का खतरा अधिक होता है, जैसे-स्कूल, अस्पताल या आवासीय क्षेत्रों के पास सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए। ब्रिटेन में, इन्हें मजाकिया अन्दाज में 'स्लीपिंग पुलिस आफिसर्स' कहा जाता है। दुर्घटनाओं को रोकने के लिए बने स्पीड ब्रेकर आज दुर्घटना का कारण बनते जा रहे हैं। स्पीड ब्रेकर अपने लक्ष्य से विचलित ही नहीं विपरीत हो चुके हैं। दुनिया में भारत के विशाल एवं खुबसूरत सड़क नेटवर्क पर स्पीड ब्रेकर एक कील ठोकने का काम कर रहे हैं। लोगों के भय एवं हादसों का कारण बन गये हैं। चिन्ता का विषय यह है कि शानदार सड़कों एवं गाड़ियों के बावजूद चाल धीमी होती जा रही है। देश का लगभग 87 प्रतिशत यात्री यातायात और 60 प्रतिशत माल यातायात सड़क परिवहन से होता है।

स्पीड ब्रेकर के मानक तय है। स्पीड ब्रेकर कहाँ बनने चाहिये यह लिखा हुआ है। स्पीड ब्रेकर की सड़क से ऊँचाई निश्चित कर रखी है। स्पीड ब्रेकर दूर से दिखाई देंवे, इसलिए कलर तथा डिजाइन निर्धारित है। भारतीय सड़क कांग्रेस ने 1996 में स्पीड ब्रेकर बनाने के सम्बन्ध में दिशा निर्देश बनाए। इन निर्देशों के मुताबिक एक आदर्श स्पीड ब्रेकर की ऊँचाई 10 सेंटीमीटर, लम्बाई 3.5 मीटर और कर्वेचर रेडियस 17 मीटर होनी चाहिये। इन मापदण्डों का पालन मात्र राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा निर्मित सड़को पर ही हो रहा है। जो कुल सड़कों का केवल 2 प्रतिशत ही है।

98 प्रतिशत सड़कों पर स्पीड ब्रेकर बनाने के मामले में मापदंडों का खुला उल्लंघन हो रहा है। विदेशों में सैंकडों-हजारों किलोमीटर सड़क यात्रा में भी स्पीड ब्रेकर के दर्शन दुर्लभ है। हमारे देश में पहली समस्या तो यह है कि स्पीड ब्रेकर किसी की भी इच्छा से, कहीं पर भी बनाये जा सकते है। दूसरा इनकी ऊँचाई तथा डिजाइन निर्धारित मापदंडों के अनुसार नहीं हैं। बिना मापदंड के बने हुए स्पीड ब्रेकर स्वयं ही दुर्घटना का कारण बनते जा रहे है। लाखों किलोमीटर सड़कों का नेटवर्क, जिस पर हमें गर्व है, अभिमान है, को स्पीड ब्रेकर्स ने बोना बना दिया। हमारे देश में वी.आई.पी. एवं पुलिस अधिकारियों के घरों के बाहर, थानों एवं विद्यालयों के सामने स्पीड ब्रेकर के दर्शन अवश्य होंगे। स्वच्छता मामले में देश में पहला स्थान सुशोभित करने वाला शहर इन्दौर की चाल को वहाँ अनावश्यक बने हुए स्पीड ब्रेकर्स ने बहुत धीमा कर दिया। परिणामस्वरूप जिला प्रशासन ने निर्णय लिया कि बिना सक्षम अनुमति के स्पीड ब्रेकर बनाये जाने पर एक लाख रु. का जुर्माना लगेगा। यहाँ मैं एक उदाहरण देना चाहूँगा। उदयपुर में मेरे आवास के पास ही सेंट मैरी स्कूल है। उसके मुख्य द्वार के बाहर तीन दिशाओं में सड़के बनी हुई है। तीनो सड़कों पर स्पीड ब्रेकर बने हुए है। 24 घण्टे में यहाँ से गुजरने वाले मेरे जैसे मुसाफिरों को कष्ट तो होता है। इस कष्ट को कम करने के लिए मेरा सुझाव है– विद्यालय खुलने एवं बंद होने के समय एक-एक घंटा मोबाइल अवरोधक लगा देना चाहिए। जिससे विद्यार्थी भी सुरक्षित रहेंगे और मुसाफिर भी 22 घण्टे आराम से यात्रा करेंगे। सड़कों की आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका को पहली बार रेखांकित किया माननीय अटल बिहारी वाजपेयी ने। उन्हीं की सोच एवं दूरदृष्टि से देश आज फोर लेन, सिक्स लेन, एट लेन तथा एक्सप्रेस हाइवे पर तेजी से दौड़ रहा है। हमारी अर्थव्यवस्था को जबरदस्त गति प्रदान की है। अनावश्यक स्पीड ब्रेकर बना-बना के इस गति को कम करने की धृष्टता नहीं करना चाहिये। नागरिकों को भी ट्राफिक नियमों का सख्ती से पालन करना चाहिये। देश को गतिमान बनाए रखने के लिये अनावश्यक एवं बिना मापदंड के स्पीड ब्रेकर बनाने की रफ़्तार को रोकना ही, समय की मांग है।

–प्रो. कैलाश सोडाणी,
पूर्व कुलगुरु, वर्धमान
महावीर खुला विवि, कोटा

वित्तीय समावेशन में राजस्थान अग्रणी

आमजन की अब बैंकिंग सेवाओं से लेकर सामाजिक सुरक्षा तक सार्वभौमिक पहुंच

चेतन प्रकाश मण्डावरिया

भारत जैसे विविध और विशाल प्रजातात्रिंक देश में, सशक्त राष्ट्र निर्माण की पहली शर्त है कि हर नागरिक को आर्थिक सशक्तिकरण हेतु समान अवसर देना। आर्थिक समावेशन और सामाजिक सुरक्षा इसी उद्देश्य को साकार करने के दो सबसे महत्वपूर्ण माध्यम हैं। वित्तीय समावेशन और सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा 1 जुलाई 2025 से 30 सितंबर 2025 तक चलाए जा रहे त्रैमासिक देशव्यापी संतृप्ति अभियान में राजस्थान ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है, जिनका प्रभाव केवल आँकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि करोड़ों ज़िंदगियों में स्थायी बदलाव लाने की क्षमता रखता है। अभियान की प्रगति के अनुसार, 26 सितंबर 2025 तक राजस्थान में 85,82,997 लोगों को लाभान्वित किया जा चुका है, जो देश में सर्वाधिक है। वर्तमान संतृप्ति अभियान के दौरान राजस्थान दिनांक 25.09.2025 तक कुल 84,89,142 लाभार्थी के साथ उत्तर प्रदेश (76,54,213 लाभार्थी), बिहार (68,11,351 लाभार्थी) ओडिशा (53,15,454 लाभार्थी) और मध्य प्रदेश (51,26,863 लाभार्थी), जैसे राज्यों को पीछे छोड़ते हुए प्रथम स्थान पर है।

राज्य स्तर पर शिविरों के आयोजन की बात करें तो, वर्तमान संतृप्ति अभियान के तहत दिनांक 25.09.2025 तक राजस्थान की 11,200 ग्राम पंचायतों में से 10,903 ग्राम पंचायतों में अभियान के अंतर्गत शिविर आयोजित किए जा चुके हैं। वहीं, उत्तर प्रदेश की 57,000 ग्राम पंचायतों में से 53,848 में शिविर लगाए जा चुके हैं। यह प्रदर्शन न केवल राजस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, बल्कि यह भी सिद्ध करता है कि सरकार, सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की दिशा में ठोस कदम उठा रही है। सरकार की यह रणनीति उन नागरिकों, विशेष रूप से ग्रामीण, गरीब और असंगठित क्षेत्र के लोगों तक पहुँचने पर केंद्रित रही है, जो अब तक वित्तीय समावेशन एवं सामाजिक सुरक्षा की दृष्टि से वंचित थे। राज्य सरकार के सभी हितधारकों के साथ समन्वयपूर्ण तरिके से किये गये गंभीर प्रयासों के परिणामस्वरूप राज्य में जो बदलाव आया है, उसकी झलक स्पष्ट रूप से नजर आ रही है। इस अभियान के अंतर्गत राजस्थान ने सरकार की प्रमुख बैंकिग सेवाओं/योजनाओं की पहुँच को लगभग सार्वभौमिक स्तर तक पहुँचाया है। किसी भी जन कल्याणकारी योजना की पहली आवश्यकता है कि प्रत्येक व्यक्ति का एक बैंक खाता हों। बिना बैंकिंग पहुँच के, लाभार्थी न केवल सरकारी योजनाओं से वंचित रह जाते हैं, बल्कि वे आर्थिक रूप से असुरक्षित भी रहते हैं। दिनांक 30.06.2025 तक राज्य में 3.71 करोड़ प्रधानमंत्री जन-धन खाते है। वर्तमान संतृप्ति अभियान में दिनांक 26.09.2025 तक 7,47,737 से अधिक जनधन खाते ऐसे नागरिकों के लिए खोले गए, जो पहले कभी बैंकिंग सेवाओं से नहीं जुड़े थे। यह संख्या केवल एक आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह संकेत है उस नए विशवास का, जो एक असहाय ग्रामीण महिला को, एक वृद्ध किसान को, या एक असंगठित मजदूर को पहली बार आर्थिक पहचान और सुरक्षा प्रदान करता है। राजस्थान ने इस पहलू को विशेष प्राथमिकता दी और राज्य भर में लाखों नागरिकों को जीवन और दुर्घटना बीमा के दायरे में लाया है। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना अन्तर्गत दिनांक 30.06.2025 तक राज्य में क्रमशः 1.20 करोड़ एवं 2.70 करोड़ व्यक्ति नामांकित है। यही नहीं, दिनांक 26.09.2025 तक 1,40,784 नागरिकों को अटल पेंशन योजना से जोड़ना इस बात का प्रमाण है कि अब असंगठित क्षेत्र के श्रमिक भी वृद्धावस्था के लिए सुरक्षित भविष्य का निर्माण कर रहा है।

जन आधार प्लेटफॉर्म आज राजस्थान में सुशासन की एक सशक्त नींव बन चुका है, जो सामाजिक सुरक्षा और समावेशी विकास को मजबूती से आगे बढ़ा रहा है। अब पेंशन, छात्रवृत्ति, बीमा राशि, खाद्य सुरक्षा या कृषि सब्सिडी – सभी लाभ सीधे लाभार्थी के आधार-लिंक्ड बैंक खाते में ट्रांसफर किए जाते हैं। इससे भ्रष्टाचार, देरी, और फर्जी लाभार्थियों की समस्या लगभग समाप्त हो गई है। इस प्रक्रिया ने न केवल राज्य के वित्तीय संसाधनों को बचाया, बल्कि जनता में सरकार के प्रति विश्वास भी मजबूत किया है। डिजिटल युग में वित्तीय समावेशन के साथ ही डिजिटल सुरक्षा भी अनिवार्य हो गई है। राजस्थान ने यह महसूस किया कि जितनी तेजी से डिजिटल लेन-देन बढ़ रहे हैं, उतनी ही तेजी से साइबर धोखाधड़ी के खतरे भी बढ़ रहे हैं। इसलिए राज्य ने एक व्यापक साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया, जिसमें नागरिकों को साइबर सुरक्षा के प्रति सजग किया गया।

यह पहल अनूठी इसलिए भी है क्योंकि यह केवल तकनीकी समाधान नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना की नींव पर खड़ी है। इसके कारण राजस्थान में साइबर अपराध की दर देश के अन्य राज्यों की तुलना में काफी कम है – यह राज्य के सतर्क नागरिकों और जागरूक प्रशासन दोनों की संयुक्त उपलब्धि है।

राज्य सरकार ने योजनाओं के क्रियान्वयन को केवल शासकीय स्तर पर सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे ग्राम पंचायतों, स्वयं सहायता समूहों (एप्डे), स्थानीय बैंक प्रतिनिधियों, बैंक मित्रों और फ्रंटलाइन अधिकारियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के सहयोग से ज़मीनी स्तर तक पहुँचाया। हर गाँव में वित्तीय साक्षरता शिविर, नामांकन अभियान, और तत्काल शिकायत समाधान व्यवस्था शुरू की गई, जिससे लोगों को न केवल जानकारी मिली बल्कि विश्वास और जन भागीदारी की भावना भी उत्पन्न हुई। महिला सशक्तिकरण को भी इस अभियान का केन्द्रीय स्तंभ बनाया गया, जिससे नारी वर्ग को आर्थिक निर्णयों में अधिक सक्रिय भूमिका मिली। आज राजस्थान वित्तीय-समावेशन एवं सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में न केवल देश में अग्रणी राज्य बन चुका है, बल्कि उसने यह साबित कर दिया है कि यदि सही नीति, तकनीकी नवाचार, प्रशासनिक समन्वय और जन-भागीदारी को एक साथ जोड़ा जाए, तो स्थायी और सर्वसमावेशी परिवर्तन संभव है। अब यह आवश्यक है कि यह संतृप्ति अभियान हर गाँव, हर नगर, और हर परिवार तक पहुँचे। राज्य सरकार सभी नागरिकों से आह्वान करती है कि वे पात्र व्यक्तियों तक सभी सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में सहयोग प्रदान करें, अपने परिवार और समुदाय को जागरूक करें, और इस अभियान को जनांदोलन बनाएं। ग्राम स्तर के नेता, शिक्षक, स्वंयसेवी संस्थाएं और प्रशासनिक अधिकारी – सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना है कि राजस्थान का कोई भी नागरिक वित्तीय सुरक्षा और गरिमापूर्ण जीवन से वंचित न रह जाए।

–चेतन प्रकाश मण्डावरिया,
संयुक्त शासन सचिव,
(संस्थागत वित्त एवं पीपीजी),
आयोजना विभाग, राजस्थान सरकार, शासन सचिवालय, जयपुर

राशिफल मंगलवार 30 सितम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

आश्विन मास, शुक्ल पक्ष, अष्टमी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2082, पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र बुधवार प्रातः 8:06 तक, शोभन योग रात्रि 1:03 तक, बव करण सायं 6:07 तक, चन्द्रमा धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-धनु, मंगल-तुला, बुध-कन्या, गुरू-मिथुन, शुक्र-सिंह, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज दुर्गाष्टमी महाष्टमी, भौमाष्टमी, सरस्वती पूजन, अन्नपूर्णा परिक्रमा सायं 6:07 पर पूर्ण होगी।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 9:20 से 10:48 तक, लाभ-अमृत 10:48 से 1:46 तक, शुभ 3:14 से 4:43 तक।

राहूकालः 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:23, सूर्यास्त 6:11

मेष

परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। शुभ कार्यों से संबंधित यात्रा हो सकती है। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी।

वृष

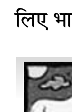

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

मिथुन

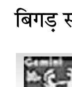

परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

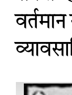

व्यक्तिगत परेशानियों से राहत मिलेगी। दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

कन्या

घर-परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

तुला

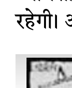

व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

वृश्चिक

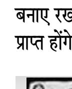

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। व्यक्तिगत कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है।

धनु

घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मकर

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है।

कुंभ

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मीन

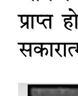

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक मामलों में उचित परामर्श मिल सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में आज धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

'राज्य सरकार की घोषणाओं को ज़मीन पर उतारना हमारी कार्य संस्कृति है'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 171 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि राजस्थान सरकार की कार्य संस्कृति का मूल आधार घोषणाओं को समयबद्ध रूप से धरातल पर उतारना है। उन्होंने बताया कि गत दो बजटों की 90 प्रतिशत घोषणाओं का सफल क्रियान्वयन राज्य सरकार ने सुनिश्चित किया है, जिससे प्रदेश में तेज़ी से विकास हो रहा है।

मुख्यमंत्री सोमवार को सांगानेर स्टेडियम में आयोजित लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह में बोल रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने लगभग 171 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार अंत्योदय के संकल्प के साथ प्रदेश को समग्र रूप से विकसित करने में जुटी हुई है।

■ मुख्यमंत्री ने परियोजना स्थल पर मॉडल का अवलोकन कर अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किया जाए

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने त्रिवेणी नगर आरओबी से गुर्जर की थड़ी तक बनने वाले एलिवेटेड रोड का शिलान्यास किया।

मुख्यमंत्री ने बताया कि 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक राज्यभर में चल रहे 'सेवा पखवाड़ा' के अंतर्गत ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सेवा शिविर लगाए जा रहे हैं, जिससे जनोपयोगी योजनाओं को त्वरित गति से आमजन तक पहुँचाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस अवसर पर सांगानेर क्षेत्र के लिए कई बड़ी सौगातों की घोषणा की। उन्होंने बताया कि सांगानेर फ्लाईओवर से चौरड़िया पेट्रोल पंप तक एलीवेटेड रोड, मानसरोवर में शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मिनी सचिवालय तथा खुली जेल के पास एक नए चिकित्सालय का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए यूनिटी मॉल का निर्माण किया जा रहा है, जिसके लिए 15,187 वर्ग मीटर भूमि आवंटित की गई है। यह मॉल स्थानीय कारीगरों और उद्यिमयों को एक व्यापक मंच उपलब्ध कराएगा।

मुख्यमंत्री ने मेट्रो परियोजना के दूसरे चरण की भी जानकारी दी, जिसके तहत 12,000 करोड़ रुपये की लागत से सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र से विद्याधर नगर तक मेट्रो का विस्तार किया जाएगा। यह चरण दो प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों को जोड़ने में मदद करेगा। साथ ही, उन्होंने प्रतापनगर के कोचिंग हब में आईआईटी जोधपुर के कैंपस की स्थापना की भी घोषणा की।

कार्यक्रम में नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा, राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, सांसद मंजू शर्मा, जयपुर ग्रेटर महापौर सौम्या गुर्जर, उपमहापौर पुनीत कर्णावट सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने 'सांगानेर – एक सम्पूर्ण परिक्रमा' पुस्तिका का विमोचन भी किया।

इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने त्रिवेणी नगर आरओबी से गुर्जर की थड़ी तक बनने वाले एलिवेटेड रोड का शिलान्यास भी किया। यह परियोजना जयपुर के यातायात व्यवस्था को नया आयाम देगी।

गोपालपुरा बाईपास, 10बी, न्यू सांगानेर रोड, रिद्धि-सिद्धि और गुर्जर की थड़ी जैसे भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों को राहत मिलेगी। साथ ही मानसरोवर, अजमेर रोड और मालवीय नगर के लिए कनेक्टिविटी में भी सुधार होगा।

इस एलिवेटेड रोड की कुल लंबाई 2160 मीटर और चौड़ाई 17.20 मीटर होगी। 218 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली इस सड़क में 88 पिलर्स होंगे। महेश नगर जंक्शन पर 20 मीटर लंबा अंडरपास प्रस्तावित है। सड़क के दोनों ओर सर्विस रोड, फुटपाथ, यूटिलिटी कॉरिडोर और ड्रेनेज सिस्टम भी बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने परियोजना स्थल पर मॉडल का अवलोकन कर अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किया जाए।

इन घोषणाओं और शिलान्यास कार्यक्रमों से स्पष्ट है कि राज्य सरकार प्रदेश के समग्र और संतुलित विकास के लिए प्रतिबद्ध है तथा जनता से किए गए वादों को धरातल पर उतारने के लिए तीव्र गति से कार्य कर रही है।

उपमुख्यमंत्री ने मुरलीपुरा में शहरी सेवा शिविर का निरीक्षण किया

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सोमवार को जयपुर के मुरलीपुरा जोन कार्यालय में आयोजित शहरी सेवा शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने शिविर स्थल पर विभिन्न विभागों की ओर से संचालित सेवाओं का अवलोकन किया और अधिकारियों से शिविर की कार्यप्रणाली की जानकारी ली। साथ ही, उन्होंने वहां मौजूद नागरिकों से भी संवाद किया और उनकी समस्याएं तथा अनुभव सुने।

निरीक्षण के दौरान उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि आमजन को सरकारी योजनाओं और सेवाओं का सीधा लाभ मिले और उन्हें कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़ें। उन्होंने कहा कि ऐसे सेवा शिविर सरकार की सेवा भावना और आमजन के प्रति जवाबदेही को दर्शाते हैं। दिया कुमारी ने कहा, शहरी सेवा शिविरों के माध्यम से सरकार जनता तक सीधे पहुंच रही है।

■ उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने नागरिकों से संवाद कर जाना सेवाओं का लाभ

वर्षों से परेशान लोग जिनकी समस्याएं लंबित थीं, उनका समाधान अब मौके पर ही किया जा रहा है। यह पहल एक प्रभावी और संवेदनशील प्रशासन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। शिविर में नागरिकों को जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र, वृद्धावस्था और विधवा पेंशन, निशुल्क बिजली-पानी योजना, पट्टों का वितरण, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी 1.0 और 2.0), खाद्य सुरक्षा योजना और स्वनिधि योजना सहित अनेक सेवाएं एक ही स्थान पर प्रदान की गईं। इससे नागरिकों को विभिन्न कार्यालयों के चक्कर लगाने की बजाय एक ही स्थान पर सभी सुविधाएं उपलब्ध हो सकीं।

कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री ने स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने का भी आग्रह किया और नागरिकों से विदेशी उत्पादों के स्थान पर स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग से न केवल देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होते हैं। सरकार की यह पहल जमीनी स्तर पर प्रभावशाली सिद्ध हो रही है।

मुख्यमंत्री को दिया 251 कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आमंत्रण

जयपुर। गायत्री परिवार राजस्थान से समन्वयक ओम प्रकाश अग्रवाल की अगुवाई गायत्री परिवार के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा से मिलकर भरतपुर के नदबई में 24 से 27 दिसंबर तक होने वाले 251 कुंडीय राष्ट्र जागरण गायत्री महायज्ञ के लिए आमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री ने आयोजन में आने की सहमति दी।

गायत्री परिवार राजस्थान से समन्वयक ओम प्रकाश अग्रवाल, गायत्री शक्तिपीठ पुष्कर से श्याम सिंह, शांतिकुंज प्रतिनिधि रवि इंदौरिया, नंदराम शर्मा, दुलीचंद, गायत्री परिवार नदबई के मुख्य ट्रस्टी राधे लाल गुप्ता ने मुख्यमंत्री को मां गायत्री माता की चादर ओढ़ाकर अभिनंदन किया।

पुरस्कार वितरण समारोह का समापन

जयपुर। राजभाषा हिन्दी को बढ़ावा देने एवं रोजमर्रा के सरकारी कार्यों में हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग करने की दृष्टि से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बीएसएनएल के जयपुर स्थित सभी कार्यालयों में हिन्दी पखवाड़ा संयुक्त रूप से कार्यालय प्रधान महाप्रबंधक दूरसंचार जिला जयपुर में मनाया गया। आज हिन्दी पखवाड़े का समापन समारोह आयोजित किया गया इस अवसर पर कार्यालय प्रधान महाप्रबंधक दूरसंचार जिला जयपुर के सभागार में एक कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धा आढ़ा पी के मस्त, किशोर पारीक ने अपनी कविताओं से श्रोताओं को गुदगुदाया। कार्यक्रम के अध्यक्ष मुख्य महाप्रबंधक विक्रम मालवीय ने अपने उद्बोधन में हिन्दी भाषा की प्रासंगिकता व व्यापकता पर प्रकाश डाला तथा हिन्दी भाषा में प्रयोग किये जा रहे नये वैज्ञानिक टूल्स के अधिकाधिक उपयोग करने की सलाह दी ताकि काम में सहजता, सरलता और गति बने रहे।

पुलिस महानिदेशक ने रेंज स्तर के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की

जयपुर । राजस्थान में अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था की स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने सोमवार को पुलिस मुख्यालय में रेंज स्तर के अधिकारियों, रेंज प्रभारियों एवम पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक व्यापक समीक्षा बैठक की। सुबह 11:30 बजे शुरू हुई यह बैठक देर शाम तक चली, जिसमें प्रदेश के सभी रेंज, जिलों और कमिश्नरेट के समस्त पुलिस कार्यों, गतिविधियों व कमियों का गहनता से आंकलन किया गया।

■ बैठक में अजमेर, बीकानेर, भरतपुर, जयपुर, जोधपुर, कोटा और उदयपुर रेंज के साथ-साथ जयपुर और जोधपुर कमिश्नरेट की प्रगति रिपोर्ट तथा पुलिस कार्यकलापों पर विस्तार से चर्चा हुई

बैठक के शुरुआत में अजमेर, बीकानेर, भरतपुर, जयपुर, जोधपुर, कोटा और उदयपुर रेंज के साथ-साथ जयपुर और जोधपुर कमिश्नरेट की प्रगति रिपोर्ट तथा पुलिस कार्यकलापों पर विस्तार से चर्चा हुई। सभी ने अपने क्षेत्र में दर्ज मामलों, लंबित जांचों की स्थिति और अपराध नियंत्रण के लिए अपनाई गई नई रणनीतियों का ब्यौरा डीजीपी को सौंपा। डीजीपी शर्मा ने कहा कि हमारी प्राथमिकता सिर्फ अपराधों को कम करने पर ही नहीं बल्कि केस निस्तारण की गुणवत्ता और आमजन के प्रति संवेदनशील व्यवहार और उनकी समस्याओं के निस्तारण पर भी होनी चाहिए।

दोपहर पश्चात बैठक में आधुनिक पुलिसिंग मानक प्रक्रियाओं और तकनीकी समावेशन पर विस्तार से चर्चा हुई। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध दिनेश एमएन ने स्मार्ट पुलिसिंग के प्रभाव पर बात की और बताया कि कैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग दोषमुक्ति के फैसलों के विश्लेषण के लिए किया जाएगा ताकि अनुसंधान में रह जाने वाली कमियों का पता लगाया जा सके और इन कमियां को दूर करके अनुसंधान की गुणवत्ता बढ़ाई जा सके।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस ट्रैफिक लता मनोज ने राज्य की यातायात व्यवस्था एवम उनके सुधार पर प्रस्तुति दी तथा ट्रैफिक नियमों की पालना करवाने पर जोर दिया जिससे दुर्घटनाओं व दुर्घटनाओं से मृत्यु में कमी आ सके। तत्पश्चात जयपुर रेंज आईजी राहुल प्रकाश ने लेन ड्राइविंग अनुशासन लागू करवाने के प्रयासों को साझा किया।

समीक्षा बैठक में साइबर क्राइम ब्रांच ने बढ़ते डिजिटल खतरों से निपटने की रणनीति, न्यू क्रिमिनल लॉ के क्रियान्वयन और राष्ट्रीय डेटा प्रणालियों के साथ पुलिसिंग को जोड़ने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया।

देवनानी ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को दी भावभीनी विदाई

जयपुर। विधान सभा अध्यक्षवासुदेव देवनानीने कहा है कि राज्य सेवा में कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों कोगोपनीयता और निष्ठाकी भावना के साथ कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के मंदिर मानी जाने वाली विधान सभा की गरिमा को बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। देवनानी सोमवार को विधान सभा केउप सचिव प्रवीण कुमार मिश्रा और फोटो कॉपीयर सुरेश चन्द्र सैन के सेवानिवृत्ति समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने सेवानिवृत्त कार्मिकों कोसाफा पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया और उनके उत्कृष्ट सेवाकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। अध्यक्ष ने कहा,"जो कर्मी समय पालन, ईमानदारी और संस्था के प्रति समर्पण को अपने स्वभाव में ढालते हैं, वे ही संस्था को ऊंचाइयों तक पहुंचाते हैं। राजस्थान विधान सभा देश की सर्वश्रेष्ठ विधान सभाओं में से एक है और इसे श्रेष्ठ बनाए रखने में यहां के प्रत्येक कर्मचारी का योगदान महत्वपूर्ण है।

■ सेवानिवृत्त कार्मिकों कोसाफा पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया और उनके उत्कृष्ट सेवाकाल के लिए शुभकामनाएं दीं

देवनानी विधान सभा के उप सचिव प्रवीण कुमार मिश्रा व फोटो कॉपीयर सुरेश चन्द्र सैन के सेवानिवृत्ति समारोह को संबोधित किया।

देवनानी ने कहा कि विधान सभा में कार्य करना एकसौभाग्यहै, जहां विधायकों के साथ सीधा संवाद स्थापित होता है। उन्होंने कर्मचारियों सेसकारात्मक दृष्टिकोण और सहभागिताके साथ कार्य करने का आव्हान किया, जिससे संस्था के हित में सामूहिक प्रयास संभव हो सके। समारोह में विधान सभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा, विशिष्ट सहायक के. के. शर्मा, वरिष्ठ उप सचिव पुरुषोत्तम शर्मा, कर्मचारी सहकारी साख समिति के अध्यक्ष रवि जैन, सहित अनेक अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में देवनानी ने सभी उपस्थितजनों को नवरात्रा और विजय दशमी की शुभकामनाएं भी दीं।

बदमाशों ने शॉप में घुसकर दुकानदार से की मारपीट

जयपुर। भट्टा बस्ती थाना इलाके में कुछ बदमाशों ने एक जुट होकर मोबाइल शॉप के मालिक से जमकर मारपीट करते हुए दुकान में तोड़फोड़ कर दी। मौके पर भीड़ जमा होती देख बदमाश मौके से फरार हो गए। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने पीड़ित के बयानों व सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मारपीट का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरु कर दी है।

पुलिस ने बताया कि थाना इलाके में स्थित संजय नगर निवासी समीर अहमद (26) ने मामला दर्ज कराया है कि शास्त्री नगर हाउसिंग बोर्ड में उसकी गुलाब कम्युनिकेशन के नाम से मोबाइल की दुकान है। रविवार दोपहर को वह दुकान पर काम कर रहा था। तभी पड़ोस में रहने वाले मोहम्मद आरीफ, अदनान व अकबर अपने साथियों के साथ शॉप पर आकर गाली-गलौच करने लगे। डंडे व सरिए से लैस होकर आए हमलावरों ने शॉप के बाहर लगे बोर्ड व पोस्टर फाड़ दिए।समीर ने जब इस बात का विरोध किया तो आरोपियों ने पड़ोसी कपड़े की दुकान में ले जाकर उसके साथ जमकर मारपीट की। मारपीट के दौरान पड़ोसी की दुकान में काफी नुकसान हुआ।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने जमवाय माता के दर्शन किए

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने माँ जमवाय माता से प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली के लिए प्रार्थना की।

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आज जमवारामगढ़ स्थित प्रसिद्ध जमवाय माता मंदिरपहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना की। उन्होंने माँ जमवाय माता से प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली के लिए प्रार्थना की। नवरात्रि के पावन अवसर पर मंदिर में दर्शन करने के बाद उपमुख्यमंत्री ने कहा किमाँ जमवाय माता की कृपा से प्रदेश में सदैव सुख, शांति और समृद्धि बनी रहे। माँ सबकी मनोकामनाएं पूर्ण करें।

इस अवसर पर उन्होंने आमजन कोनवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएंदेते हुए सभी से सामाजिक समरसता एवं आध्यात्मिक एकता को बनाए रखने की अपील की।

श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उपमुख्यमंत्री ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

साथ ही, उन्होंने मंदिर परिसर के आसपासउचित पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित करनेके भी निर्देश दिए। मंदिर परिसर में उपमुख्यमंत्री के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी तथा श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सार-समाचार

जावेद सलीम को सचिव के पद पर नियुक्त किया

जयपुर । गोविन्द सिंह डोटासरा, अध्यक्ष, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी, राजस्थान के अनुमोदन उपरान्त पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ की नव प्रदेश कार्यकारिणी एवं जिलाध्यक्षों को पदों पर तत्काल प्रभाव से नियुक्त किया गया हैं, कार्यकारिणी में जावेद सलीम को सचिव के पद पर नियुक्त किया।

दो बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। कोटखावदा थाना पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में दो बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से दो टोपीदार बंदूक बरामद की है। पुलिस दोनो बदमाशों से गहनता से पूछताछ करने में जुटी है। पुलिस उपायुक्त रार्षि राज ने बताया कि जयपुर दक्षिण इलाके में वांछित बदमाशों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया गया। जिसमें विशेष टीम ने तकनीकी सहायता व मुखबिर की सूचना पर आरोपी युवराज राजवंश (19) पुत्र चेतन कुमार छाडी, शिवपुरी कॉलोनी कोटखावदा व सुजल पाटीदार (21) पुत्र सोनू पाटीदार नैनुपुरा मोंड ,कोटखावदा निवासी को अलग-अलग टोपीदार बंदूक के साथ अवैध फायर आर्मस के तहत गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि दोनो बदमाशों ने अपने मौज-शौक के लिए छोटे जंगली जानवरो तीतर,बटेर के शिकार करने के लिए खरीदी थी।

दुपहिया वाहन चोर गिरफ्तार

जयपुर। ट्रांसपोर्ट नगर थाना पुलिस ने दुपहिया वाहन चोरी करने वाले शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरी की बाइक भी बरामद की है। पुलिस गिरफ्तार आरोपी से अन्य वाहन चोरी की वारदात और गिरोंह के अन्य लोगों के बारे में गहनता से पूछताछ करने में जुटी है। पुलिस ने संभावना जताई है कि आरोपी से अन्य वाहन चोरी की वारदता खुल सकती है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व संजीव नैन ने बताया कि इलाके में बढ़ती वाहन चोरी और नकबजनी की वारदातों पर अकुंश लगाने के लिए सघन गश्त करने के सख्त निर्देश दिए गए थे। मोहम्मद अमन (21) पुत्र मोहम्मद अयुब ,करीम नगर विस्तार जगतपुरा रोड, खोह नागोरियान को दस्तयाब कर कर गहनता से पूछताछ की। पुलिस पूछताछ में आयोनी ने आजाद नगर मस्जिद के बार से बाइक चोरी करना स्वीकार कर लिया।

सहायक पुलिस उपनिरीक्षक चालीस हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो(एसीबी) की भरतपुर टीम ने सोमवार को कार्रवाई करते हुए पुलिस थाना भुसावर जिला भरतपुर में पदस्थापित सहायक पुलिस उप निरीक्षक (एएसआई) उदयसिंह को परिवादी के रिश्तेदार के घर पर चालीस हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि एसीबी भरतपुर टीम को परिवादी ने शिकायत दी कि उसकी और उसके परिवारजनों की जमीन के विवाद के कारण एसडीएम भुसावर द्वारा जमीन को राज्य सरकार के अधीन लेने के लिए पुलिस थाना भुसावर से रिपोर्ट चाही गई थी। उदयसिंह ने उक्त रिपोर्ट को परिवादी के पक्ष में तैयार कर देने की एवज में चालीस हजार रुपये की रिश्वत की मांग की। जिस पर कार्यवाही करते हुए सहायक पुलिस उप निरीक्षक (एएसआई) उदय सिंह को चालीस हजार रुपये की रिश्वत लेते पकड़ा है।

उप मुख्यमंत्री ने किया पुस्तक का विमोचन

जयपुर। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सोमवार को सड़क सुरक्षा नियमों से संबंधित' सड़क सुरक्षा व्यापक दृष्टि ' शीर्षक पुस्तक का विमोचन किया। इस पुस्तक को पीडब्ल्यूडी के मुख्य अभियंता (गुण नियंत्रण)जसवंत खत्री के निर्देशन में अतिरिक्त मुख्य अभियंता कपिल वर्मा द्वारा सम्पादित किया गया है उप मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर पुस्तक के संपादक मंडल को बधाई देते हुए कहा की सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाने में यह पुस्तक बहुत उपयोगी साबित होगी । इस अवसर पर उन्होंने सुरक्षित सड़क मार्ग (सुसमा) अभियान के दौरान एकत्रित डेटा, अनुभवों एवं फीडबैक आधार पर संकलित की गई पुस्तक का भी विमोचन किया ।

जीएसटी में कमी से 600 रुपए तक सस्ते हुए सरस उत्पाद : डेयरी मंत्री

जयपुर। केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी की दरों में कटौती करने से अब उपभोक्ताओं को सरस के उत्पाद भी सस्ती दरों पर मिलने लगे हैं। यह बात डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कही। जयपुर डेयरी द्वारा सचिवालय परिसर में स्थापित सचिवालय सरस पार्लर का भव्य उद्घाटन राजस्थान सरकार के पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने फीता काटकर किया।

■ प्रबंध संचालक श्रुति भारद्वाज ने जीएसटी बचत उत्सव पोस्टर का विमोचन कर मंत्री कुमावत ने दीवार पर चस्पा किया

जोराराम कुमावत ने सचिवालय सरस पार्लर का उद्घाटन किया ।

इस दौरान उन्होंने कहा कि जहां पहले ट्रेटा पैक दूध व पनीर पर जीएसटी 5 प्रतिशत लगती थी, अब इसे जीएसटी से मुक्त कर दिया गया है। इसके अलावा घी, बटर, फ्लैवर्ड मिल्क पर जीएसटी 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दी गई, जिससे अब 15 किलो सरस घी का टीन जहां 600 रुपए सस्ता हो गया है, वहीं, फ्लैवर्ड मिल्क तीन रुपए, टेबल बटर 100 ग्राम चार रुपए, टेबल बटर 500 ग्राम 18 रुपए, पनीर 200 ग्राम तीन रुपए तथा एक किलो 18 रुपए तक सस्ता मिलने लगा है। ऐसा होने से सरस के उत्पादों की बिक्री में बढोतरी होगी, साथ ही दीपावली पर ग्राहकों पर उच्च क्वालिटी के साथ-साथ सरस के उत्पाद सस्ते भी मिल सकेंगे।

इस दौरान मुख्य अतिथि जोराराम कुमावत व विशिष्ठ अतिथि के रूप में मौजूद डॉ. कृष्णकान्त पाठक, शासन सचिव कार्मिक विभाग, डॉ. समित शर्मा शासन सचिव पशुपालन मत्स्य एवं गोपालन विभाग तथा राजस्थान कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन की प्रशासक एवं प्रबंध संचालक श्रुति भारद्वाज ने जीएसटी बचत उत्सव पोस्टर का विमोचन कर मंत्री कुमावत ने दीवार पर चस्पा किया।

रेंजर को निलंबन अवधि का वेतन व अन्य परिलाभ देने का निर्देश

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने वन विभाग में कार्यरत रहे रेंजर को उसकी निलंबित अवधि का वेतन व अन्य परिलाभ देने का निर्देश दिया है। वहीं राज्य सरकार के 10 अप्रेल 2006 के उस आदेश को मनमाना करार देते हुए रद्द कर दिया जिसमें बिना जांच किए ही कर्मचारी का वेतन व परिलाभ रोक लिए थे।

■ राजस्थान हाईकोर्ट ने वन विभाग में कार्यरत रहे रेंजर को उसकी निलंबित अवधि का वेतन व अन्य परिलाभ देने का निर्देश दिया

जस्टिस आनंद शर्मा ने यह आदेश रूपसिंह हरसाना की याचिका पर दिया। अदालत ने कहा कि राजस्थान सर्विस रूल्स के नियमों का प्रावधान केवल उन्हीं मामलों में लागू होता है, जहां विभागीय जांच पूरी होने के बाद कर्मचारी को दोषी ठहराया गया हो।जबकि इस मामले में जांच लंबित रहने के दौरान ही याचिकाकर्ता को अनिवार्य सेवानिवृत्ति दी है। ऐसे में राज्य सरकार का प्रार्थी के वेतन व अन्य परिलाभ रोकने का आदेश गलत है।

याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने बताया कि प्रार्थी के खिलाफ विभाग ने अनुशासनात्मक कार्रवाई के चलते चार्जशीट जारी की। उसे 22 जुलाई 1996 से 13 मई 1997 तक निलंबित रखा गया। वहीं जांच के दौरान 17 जून 2000 को राजस्थान सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1996 की धारा 53(1) के तहत उसे अनिवार्य सेवानिवृत्ति दे दी गई। वहीं बाद में विभागीय जांच बंद कर दी गई और प्रधान मुख्य वन संरक्षक ने प्रमाणपत्र जारी कर दिया कि उसके खिलाफ कोई जांच लंबित नहीं है, लेकिन फिर भी राज्य सरकार ने 10 अप्रैल 2006 के आदेश से उसे केवल निर्वाह भत्ता देने की बात कही और बाकी वेतन व लाभ रोक दिए।

इसे हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि जब प्रार्थी के खिलाफ चार्जशीट वापस ले ली है तो इस स्थिति में सरकार के पास निलंबित अवधि का वेतन रोकने का कोई अधिकार नहीं था। इसके विरोध में राज्य सरकार ने कहा कि उसे अनिवार्य सेवानिवृत्ति दी थी, इसलिए वे वेतन व परिलाभ प्राप्त करने का अधिकारी नहीं है।

रावला और घड़साना मंडियों में नकली बीज और खाद के खिलाफ कार्रवाई

कृषि मंत्री डॉक्टर किरोड़ीलाल मीणा रावला और घड़साना मंडियों में पहुंचे

अनूपगढ़, (निसं)। कृषि मंत्री डॉक्टर किरोड़ीलाल मीणा ने श्रीगंगानगर जिले के रावला और घड़साना मंडियों में नकली बीज और खाद के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान बीज कंपनियों के रिकॉर्ड में भारी गड़बड़ी पाई गई, जिसके बाद उनकी बिक्री पर तत्काल रोक लगा दी गई।

मंत्री किरोड़ी दोपहर घड़साना कृषि उपज मंडी पहुंचे, जहां रीको स्थित दीपक सीड्स पर भी छापा मारा गया। निरीक्षण के दौरान कंपनी के पास किसी भी तरह का रिकॉर्ड नहीं मिला। इस पर कृषि मंत्री ने दीपक सीड्स के संचालक को बीज की बिक्री तुरंत रोकने के निर्देश दिए। रावला मंडी के गांव 19 केएनडी और 11 डीओएल में स्टार एग्री सीड्स प्राइवेट लिमिटेड के रिकॉर्ड में ग्वार की बुवाई दर्ज थी, जबकि मौके पर नरमा और मूंग की फसल मिली।

खेत के किसान गुरतेज सिंह ने बताया कि उन्हें यह जानकारी नहीं थी कि उनका खेत बीज प्रोडक्शन में शामिल है। इस पर मंत्री किरोड़ी ने इसे किसानों के साथ सीधा धोखा बताते हुए कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया। मंत्री में बताया कि निरीक्षण में यह भी पाया गया कि स्टार एग्री के गेहूं बीज पैकिंग बैग पर तमिलनाडु का पता दर्ज था, जबकि असल में उत्पादन और पैकेजिंग संगरिया में हो रही थी। सरसों के बीजों पर खतरनाक केमिकल के उपयोग की पुष्टि भी हुई। कंपनी प्रबंधन संतोषजनक जवाब देने में विफल रहा। नतीजतन, सरकार ने 10 हजार क्विंटल सरसों और 34 हजार क्विंटल गेहूं बीज की बिक्री पर तत्काल रोक लगा दी।

कृषि मंत्री ने कहा कि किसानों के साथ धोखाधड़ी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बीज कंपनियों

- **बीज कंपनियों के रिकॉर्ड में भारी गड़बड़ी पाई गई, जिसके बाद बिक्री पर तत्काल रोक लगाई**

की ऐसी करतूतें कृषि क्षेत्र के लिए गंभीर खतरा हैं। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी, ताकि भविष्य में किसानों को इस तरह की परेशानियों का सामना न करना पड़े।

रावला दौरे के दौरान किसानों ने कृषि मंत्री को बताया कि दो साल पहले सरकार के द्वारा सरसों की फसल की सरकारी खरीद की गई थी। मगर कुछ लोगों ने अधिकारियों के साथ मिलीभगत कर सरसों की सरकारी खरीद में धांधली की थी, जिस कारण से किसानों का भुगतान रुक गया था। उन्होंने बताया कि इस मामले में कुछ व्यापारियों के खिलाफ रावला पुलिस थाने में मामला भी दर्ज करवाया गया था। किसानों ने मंत्री से मांग की है कि किसानों का बकाया भुगतान शीघ्र करवाया जाए। मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने उन्हें आश्वस्त किया है कि शीघ्र उनका भुगतान करवाया जाएगा।

मौके पर किसान राजू जाट और सत्यप्रकाश सियाग सहित अन्य किसानों ने अनूपगढ़ कृषि विभाग के सहायक निदेशक जसवंत सिंह पर गंभीर आरोप लगाए। किसानों ने आरोप लगाए कि सहायक निदेशक ने अपने भाई के नाम पर बायोलेक एग्री साइंस और स्टीव एग्री केअर नाम की दो फर्म बना रखी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सहायक निदेशक के द्वारा दुकानदारों पर दबाव बनवा कर इन दोनों फर्मो का माल बिकवाया जा रहा है। किसानों ने मंत्री से मांग की है कि इन दोनों फ़र्मो की पिछले 2 सालों की बिक्री का रिकॉर्ड खंगाला जाए और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। इस पर किरोड़ी लाल मीणा ने तुरंत प्रभाव से कृषि विभाग के उच्च अधिकारियों को मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया।

घड़साना में निरीक्षण के दौरान अनूपगढ़ क्षेत्र के नदी से प्रभावित किसान मंत्री से मिले। किसान कश्मीर सिंह कंबोज ने मंत्री को अवगत करवाया कि घग्घर नदी के पानी के कारण किसानों के हजारों एकड़ में खड़ी नरमें और धान की फसल डूब गई है, जिससे किसानों को करोड़ों रुपए का आर्थिक नुकसान हुआ है। मंत्री ने किसानों को आश्वस्त किया है कि सरकार के द्वारा खराब हुई फसल का सर्वे करवाया जा रहा है। किसानों को शीघ्र ही राहत राशि दी जाएगी।

सड़क दुर्घटना में महिला कांस्टेबल की मौत

सांचौर, (कासं)। सांचौर वृत्ताधिकारी कार्यालय में कार्यरत महिला कांस्टेबल चूकी देवी की सोमवार को सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। यह घटना सुबह करीब 11 बजे सांचौर मुख्यालय से

- **बाइक चलाने के दौरान महिला कॉस्टेबल चूकी देवी के सिर पर हेलमेट नहीं था**
- **महिला कॉस्टेबल की बाइक भारी वाहन से टकरा गई थी, चालक गिरफ्तार**

बाडमेर की साइड कार्यालय से कुछ किलोमीटर दूर हुई।

पुलिस के अनुसार वृत्ताधिकारी कार्यालय में कार्यरत कॉन्स्टेबल चूकी देवी उसके पति डूंगरी निवासी प्रकाश भादू के साथ सुबह किसी मंदिर में

महिला कांस्टेबल चूकी देवी (फाइल फोटो)।

आशीर्वाद लेने गई थी। वापस आते समय पति को फ्रूट गाड़ी के पास छोड़कर चूकी देवी अकेली मोटरसाइकिल पर वृत्ताधिकारी कार्यालय में ड्यूटी के लिए रवाना हो गई। इस दौरान मुख्यालय से कुछ किलोमीटर दूरी पर एक भारी वाहन को ओवरटेक करने का प्रयास किया, लेकिन सड़क किनारे पटरी ठीक नहीं होने के चलते बाइक असंतुलित हो गई और भारी वाहन के आगे के हिस्से से टकरा गई।

टक्कर लगने से चूकी देवी मोटरसाइकिल से उछलकर सड़क पर गिर गई। उसके सिर में गंभीर चोट लगने से काफी खून बह गया। जानकारी मिलते ही पुलिस व एम्बुलेंस से उसे गुजरात उपचार के लिए ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम प्रक्रिया अपनाने के बाद शव परिजनों को सुपुर्द किया। पुलिस उप अधीक्षक जयराम मुंडेल ने बताया कि भारी वाहन को जब्त कर चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारों ने बताया कि कांस्टेबल चूकी देवी अनुशासित सिपाही थी। वे हमेशा मोटरसाइकिल पर हेलमेट पहनकर ही ऑफिस आती थी, लेकिन सोमवार को जल्दबाजी में हेलमेट भूल गई। जानकारों ने बताया कि जिस प्रकार से चूकी देवी खीचड गिरी है, अगर हेलमेट होता तो सिर में गम्भीर चोट से सम्भवतया बचाव होता, लेकिन ईश्वर को कुछ और ही मंजूर था।

गैस रिसाव के बाद सिलेंडर फटा, पति-पत्नी व दो बेटियां झुलसी

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के कुराबड़ थाना क्षेत्र में गैस सिलेंडर से गैस लीकेज के बाद भभकी आग से एक ही परिवार के चार लोग झुलस गए। आग की लपटें इतनी तेज थी कि घर का मुख्य दरवाजा सहित अन्य सामान जल गया। आग में फंसा परिवार मदद के लिए चिल्लाया तो पड़ोस के लोग पहुंचे और सभी को बाहर निकाला। झुलसी हालत में सभी को हॉस्पिटल ले जाकर भर्ती करवाया गया।

जानकारी के अनुसार घटना कुराबड़ थाना क्षेत्र के बोरी गांव में

- **आग की लपटें इतनी तेज थी कि घर का मुख्य दरवाजा सहित अन्य सामान जल गया**

शंकरलाल मीणा (45) पुत्र नगा मीणा के घर सोमवार सुबह सात बजे की है। पूरा परिवार छत पर सोया हुआ था। छत से उठकर जब परिवार नीचे आया। पत्नी गीता ने चाय बनाने के लिए गैस जलाई तभी आग तेज आग पूरे घर में भभक गई। जिसके चपेट में चारों आ गए। हादसे में शंकरलाल मीणा (45), पत्नी गीता मीणा (40), पुत्री लोगरी (9) व मोनिका (7) बुरी तरह झुलस गए। इनमें सबसे ज्यादा करीब 70 फीसदी गीता झुलसी है। सभी को एमबी हॉस्पिटल लेकर आए हैं यहां इनका इलाज चल रहा है। शंकरलाल व लोगरी 35 प्रतिशत और गीता व सबसे छोटी बच्ची 70 से 80 फीसदी झुलसे हैं।

सूने मकान से 22 तोला सोने के जेवर चोरी

सूरतगढ़, (निसं)। यहां वार्ड नं. 22 में अज्ञात चोरों ने एक बंद मकान को निशाना बनाकर लाखों रुपए के सोने के जेवरात पार कर दिए। घटना का खुलासा तब हुआ जब मकान मालिक बीकानेर से अपने घर लौटा।

जानकारी अनुसार वार्ड नं. 22 निवासी राजाराम स्वामी अपने परिवार सहित बीकानेर में रहते हैं और कभी-कभार यहां घर आना-जाना करते हैं। बताया गया कि 21 जुलाई को वे पत्नी के साथ सूरतगढ़ आए थे और बीकानेर वापस लौटते वक्त पत्नी के गहने अलमारी में ही रह गए। इस बीच पारिवारिक व्यस्तताओं के चलते वे लगभग दो महीने तक सूरतगढ़ नहीं आ सके। बीकानेर से 26 सितंबर की रात करीब 10 बजे जब वे घर लौटे तो अंदर का ताला टूटा मिला और कमरों में रखा सामान अस्त-व्यस्त था। चोरी गए आभूषणों में 2 तोले का चन्द्रहार, 3 तोले का एक अन्य चन्द्रहार, 1 तोले की रखड़ी, 4 तोले की 8 बिंटियां, 2 तोले

- **मकान मालिक परिवार सहित बीकानेर गया हुआ था**

की 4 चूड़ियां, 6 तोले का हार, 2 तोले के 5 कान टोप्स, आधा तोले के 80 मोती, 4 ग्राम की 2 नथ और एक हाथ का पूंचा शामिल हैं। करीब 22 तोला इन गहनों की कीमत लाखों रुपए आंकी जा रही है। सूचना मिलने पर उप निरीक्षक माणकलाल व सिपाही दुर्गादत्त ने पहुंचकर घटना की जानकारी लेने के साथ पड़ोस में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली। इस संबंध में राजाराम ने रविवार देर शाम रिपोर्ट दी जिसके आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। थाना के सहायक उप निरीक्षक रणवीर सिंह ने बताया कि प्रकरण की जांच उन्हें सौंपी गई है। वारदात में शामिल चोरों की तलाश के लिए टीमें गठित कर संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है।

सुरेश शर्मा हत्याकांड के सभी आरोपियों को सुप्रीम कोर्ट ने बरी किया

जोधपुर के डांगियावास क्षेत्र में साल 2006 में हुआ था सुरेश शर्मा हत्याकांड

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के डांगियावास क्षेत्र में साल 2006 में हुए सुरेश शर्मा हत्याकांड में सुप्रीम कोर्ट ने 19 साल बाद सभी आरोपियों को बरी कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट के संदीप मेहता और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि जिस पुलिस जांच के आधार पर पूरी केस की नींव रखी गई, वह न केवल कमजोर थी, बल्कि सबूतों के अभाव में न्यायिक कसौटी पर भी टिक नहीं सकी।

- **कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि जिस पुलिस जांच के आधार पर पूरे केस की नींव रखी गई, वह न केवल कमजोर थी, बल्कि सबूतों के अभाव में न्यायिक कसौटी पर भी टिक नहीं सकी**

उच्चतम न्यायालय ने इस केस की आरोपी हेमलता, उसके पति नरपत चौधरी और भंवरसिंह को दोषमुक्त करते हुए स्पष्ट किया कि अभियोजन पक्ष की कहानी सिर्फ अंदाजों और अनुमान पर आधारित थी, लेकिन उसके समर्थन में कोई ठोस, निर्णायक या तकनीकी साक्ष्य न्यायालय के समक्ष पेश नहीं किया गया। यह कहानी 23 जनवरी 2006 की है। जब सुरेश शर्मा के बेटे नवनीत ने पिता की गुमशुदगी की रिपोर्ट दी थी। कुछ घंटों बाद शव मिला। पोस्टमार्टम में गला घोंटने समेत बीस से अधिक चोटों के निशान पाए गए थे।

जमीन विवाद की आशंका पर पुलिस ने जिन लोगों को नामजद किया था, पूरी तफ्तीश लगभग उन्हीं सबूतों के इर्द-गिर्द घूमती रही। जिन्हें कोर्ट ने संदेह के घेरे में रखा। ट्रायल कोर्ट ने इन्हीं साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्तों को दोषी ठहरा दिया था, लेकिन हाईकोर्ट ने सबूतों की कड़ी में 'अंतर', गवाहों की गवाही में 'अनिश्चितता', और फॉरेंसिक रिपोर्ट में स्पष्टता के अभाव को देखते हुए तीनों को साल 2011 में बरी कर दिया था।

राज्य सरकार की अपील के बावजूद, सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए यह साफ किया कि न तो कथित 'लास्ट सींन' थ्योरी की पुष्टि निर्दोष गवाहों से हो पाई, न ही खून के धब्बों, जब्त किए गए दुपट्टे और वाहन जैसी फोरेंसिक सामग्री को मृतक से जोड़ना तकनीकी रूप से पुख्ता था।

अदालत ने कहा कि, केस का खाका केवल संदेह की कड़ी पर टिक नहीं सकता, जब तक आरोप सिद्ध न हो जाये और दोष की पुष्टि न्यायिक मानकों पर न हो जाए, किसी को सजा नहीं दी जा सकती।

पारा 40 डिग्री पार पहुंचा

बीकानेर, (निसं)। मानसून की विदाई के साथ ही बीकानेर में गर्मी बढ़ती जा रही है। तापमान चालीस डिग्री सेल्सियस से ऊपर जा रहा है। न सिर्फ बीकानेर बल्कि बाड़मेर और जैसलमेर सहित समूचे पश्चिमी राजस्थान में बढ़ते पारे ने जनजीवन का प्रभावित किया है। बीकानेर में पारा रविवार को तापमान 39 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। सोमवार को भी पारा 40 तक पहुंच गया है।

मानसून के समय जहां अधिकतम तापमान 32 से 35 डिग्री सेल्सियस के बीच था, वहीं अब इसमें पांच डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई है। वहीं न्यूनतम तापमान भी 22 से 25 डिग्री सेल्सियस से बढ़कर अब 29 डिग्री सेल्सियस तक आ गया है। आने वाले कुछ दिनों तक बीकानेर में गर्मी का असर जारी रहेगा। मौसम विभाग ने बीकानेर में न तो बारिश की संभावना जताई है और न तापमान में गिरावट की। ऐसे में तापमान में मामूली बढ़ोतरी हो सकती है। पारा चालीस डिग्री सेल्सियस के पार जा सकता है। वहीं रात का पारा तीस डिग्री सेल्सियस से ऊपर हो सकता है। बीते चौबीस घंटे में बीकानेर से ज्यादा तापमान जैसलमेर और बाड़मेर का रहा है। इन दो जिलों के बाद बीकानेर में ही सबसे ज्यादा गर्मी रही है। वहीं जोधपुर, फलौदी सहित पश्चिमी राजस्थान के अधिकांश जिलों में पारे का ग्राफ बढ़ता जा रहा है।

545 बेटिकट यात्रियों पर कार्रवाई

जोधपुर, (कासं)। उत्तर पश्चिम रेलवे मुख्यालय एवं जोधपुर मंडल के विशेष टिकट जांच दस्तों द्वारा संयुक्त टिकट चेकिंग अभियान के बाद ट्रेन में मुफ्त यात्रा करने वालों में हड़कंप मचा हुआ है। जोधपुर मंडल के विशेष टिकट जांच दस्तों द्वारा अभियान के दौरान जयपुर-अजमेर, जयपुर-भरतपुर, जयपुर-सवाई माधोपुर, जयपुर-रेवाड़ी, जयपुर- बीकानेर एवं जयपुर-कोटा रेल खंडों की 19 यात्री गाड़ियों में जांच की गई। इसमें 545 यात्री बिना टिकट यात्रा करते पकड़े गए, जिनसे यात्रा किराया व जुर्माने सहित 2,14,315 रुपये की वसूली की गई।

डूंगरपुर में तेज बारिश, गरबा स्थलों पर पानी भरा

डूंगरपुर, (निसं)। गत दो दिन से मानसून की चेतावनी के बाद लगातार तेज बारिश का दौर कुछ समय के लिए चल रहा है। सोमवार को भी दोपहर तथा देर शाम को 10-15 मिनिट तक तेज बारिश का दौर चला, जिसके कारण शहर के भितरी एवं बाहरी भागों के कई इलाकों में तेज बहाव के साथ पानी बहा तथा पुराने शहर के कानेरा पोल, मोची बाजार मार्ग पर तो दो पहिया व तिहपहिया वाहनों को गुजरने में परेशानी हुई। लगातार तेज उमस व गर्मी के कारण आम जन परेशान रहा। दोपहर में लगभग एक बजे अचानक तेज बारिश का जो दौर चला। शाम साढे पांच बजे बाद फिर से एक बार तेज बारिश का दौर चला, जिससे शहर के घाटी, सर्राफा बाजार, कानेरा पोल, भोईवाडा मोची बाजार आदि क्षेत्रों में तेज बहाव के साथ पानी चला। वहीं दूसरी ओर सिवरेज के कारण खुदी सढ़कें गढ्डों में तब्दिल हो गई। अचानक चले बारिश के दौर के कारण गरबा स्थलों की सजावट भी प्रभावित हुई तथा कई गरबा स्थलों पर पानी भी जमा हो गया।

बारिश के बाद सड़कों पर भरे पानी में से गुजरते वाहन।

सोते हुये युवक की कुल्हाड़ी से वार कर नृशंस हत्या, आरोपी फरार

बूंदी, (निसं)। बूंदी जिले के डाबी थाना क्षेत्र के चौहानों की झोपड़ियां गांव में रविवार रात हुई वारदात ने पूरे इलाके को हिला कर रख दिया। रविवार रात को नींद में सोते हुए युवक पर कुल्हाड़ी से हमला कर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी गई। रात के अंधेरे में हुई यह वारदात इतनी नृशंस थी कि शव को देखकर ग्रामीणों की रूह कांप उठी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा, लेकिन इससे पहले ही पीड़ित की कोटा अस्पताल में मौत हो चुकी थी।

डीएसपी हेमंत गौतम ने बताया कि मृतक युवक हरिराम किर गांव में कालूराम गुर्जर के कृषि फार्म पर हाली का काम करता था। रोज की तरह वह बीती रात फार्म पर बने झोपड़े में सो रहा था। रविवार देर रात गांव का ही मुकेश गुर्जर वहां पहुंचा और अचानक कुल्हाड़ी से हरिराम के सिर पर वार कर दिया, नींद में डूबे हरिराम के पास अपनी जान बचाने का कोई मौका तक नहीं था। गंभीर हालत में लहूलुहान हरिराम को लोगों ने तत्काल कोटा अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन थोड़ी ही देर बाद उसने दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी मिलते ही डाबी थाना पुलिस और डीएसपी हेमंत गौतम घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

डीएसपी गौतम ने बताया कि प्रथमदृष्टया आरोपी मुकेश गुर्जर द्वारा हरिराम की कुल्हाड़ी से हत्या की पुष्टि हो रही है। पुलिस ने घटनास्थल से सुराग जुटाए हैं। एसपी राजेंद्र कुमार मीणा ने वारदात को लेकर तुरंत एक विशेष टीम का गठन किया है। यह टीम आरोपी की धरपकड़ के लिए लगातार दबिश दे रही है। पुलिस गांव और आसपास के इलाकों में संभावित ठिकानों की तलाश में जुटी हुई है। हरिराम की मौत की खबर फैलते ही गांव में मातम पसर गया। चौहानों की झोपड़ियां गांव में लोग घरों से बाहर निकल आए और हर किसी के चेहरे पर खौफ साफ दिखाई देने लगा। ग्रामीणों ने बताया कि आरोपी मुकेश का स्वभाव पहले से ही झगड़ालु था। कई बार विवादों में उसका नाम सामने आया, लेकिन इतनी क्रूर वारदात को अंजाम देगा, इसकी किसी ने कल्पना नहीं की थी।

MUNICIPAL COUNCIL LALSOT

NIB No:- NPL/DEV/2025-26/ 3438 Dated: 23-09-2025

NOTICE INVITING BID

NIB No. : NPL/Dev /2025-26/20

Online Bid is invited up-to 24.10.2025 , 06.00 PM for Construction of Drain, Construction of Road and Beautification Related Work under Chief Minister Budget Announcement No.- 219.10.00/2025-26 at Municipal Council Lalsot. Details may be seen in the Bidding Document at our office or the website of State Public Procurement Portal website www.sppp.rajasthan.gov.in and www.eproc.rajasthan.gov.in.

To participate in the bid, bidder has to be:

1. Registered on e-Procurement Portal of Government of Rajasthan www.eproc.rajasthan.gov.in for online e-Bid submission.

UBN No. DLB2526WLOB19554

Commissioner
Municipal council Lalsot

Raj.Samwad/C/25/11010

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर (राज.)

क्रमांक :- राजस्व/2025-26/858 दिनांक :- 29/09/2025

अल्पकालीन ई-निविदा आमन्त्रण सूचना संख्या ई-04/2025-26/829 की संशोधित सूचना

कार्य का नाम :— नगर निगम, उदयपुर द्वारा दीपावली मेला 2025 में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन हेतु।

नगर निगम, उदयपुर द्वारा जारी अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–ई–04/2025–26/829 दिनांक 22.09.2025 UBN No. UNP2526SLOB00091 की संशोधन सूचना (Corrigendum Notice) का अवलोकन इंटरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर किया जा सकता है। निविदा जमा कराने की अंतिम दिनांक 03.10.2025 समय दोपहर 01:00 बजे तक की जाती है।

आयुक्त
नगर निगम, उदयपुर

राज.संवाद/सी/25/11103

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता एवं परियोजना प्रबंधक वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर जिला परिषद जालोर

क्रमांक :- एफ ( )/निविदा/2025-26/1925 दिनांक :- 25/09/2025

NOTCE INVITING BID

NIT No. 29/2025-26

Bids for NRM Works Under PMKSY-2.0 project area in Ahore of estimated Value INR 136.27 Lacs are invited from interested bidders Up to 3.00 PM 15/10/2025, Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https//eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp. rajasthan.gov.in/) of the state.

NIT NO.	Work Name & Block	NIB No.	UBN No.
NIT-29/2025-25	Khadin Farm Pond and Tanka (Ahore)	WSC2526A0779	WSC2526WSRC01352

SE & PMWCDC,
ZILA PARISHAD
JALORE

Raj.Samwad/C/25/11083

OFFICE OF EXECUTIVE ENGINEER FIELD MECH. DIVISION-II IGNP BIKANER

e-mail:- xenfmd2@rajasthan.gov.in Tel:0151-2226431

No: 812 Date: 23.09.2025

Notice Inviting Bid

Bids for (1) Rewinding of 2 Nos (700 KW) HT induction motor at PS-III and PS IV. Servicing & Overhauling 3 Nos. (700 KW) of HT induction Motor at PS-III and PS-IV, 2 Nos. (275 KW) of HT induction Motor at PS-II and 2 Nos. (200 KW) of HT induction Motor at PS-I. at Dr. Karni Singh Lift Scheme during year 2025-26. (approx. value Rs. 64.44 lacs)

(2) Supply, Replacement, Trial run and Commissioning of 2 Nos 415 V LT panel at PS-III and PS-IV. Supply, installation and testing of CCTV camera at PS-I to PS-VI. Supply, installation and testing of Inverter at PS-I and PS-V. Supply of spare parts for Vertical Turbine pump, 6.6 KV HT panel, 6.6 KV HT motor, 415 V LT panel, transformer, cranes. Rolling Shutter Gates, Supply, installation and testing of exhaust fan, street light, switch, MCB, fan etc at Dr. Karni Singh Lift Scheme during year 2025-26. (approx. value Rs. 68.12 lacs)

(3) Major servicing and overhauling of VT pump at PS-I to PS-II (2.81 cumec) and PS-III to PS-IV (3.14 cumec). Repairing of E.O.T Crane at PS-I to VI. at Dr. Karni Singh Lift Scheme during year 2025-26. (approx. value Rs. 22.18 lacs)

(4) Supply of spares part for VT pump, 415 V LT panel and 415V LT induction motor. Supply, installation and testing of CCTV camera at PS-I to PS-II. Supply, installation and testing of Inverter at PS-I. Supply, installation and testing of exhaust fan, street light, switch, MCB, fan etc. Servicing and overhauling of 4 Nos (55 KW) LT induction Motor at PS-I to PS-II. Repairing and overhauling of 2 Nos (55KW) VT pump with spares at PS-I to PS-II for Veer Tejaji (Bangarsar) Lift Scheme for the year 2025-26. (approx. value Rs.35.70 lacs)

are invited from eligible and interested bidders upto 01:00 PM dated 03.10.2025. Other particulars of the bids may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state and departmental website.

NIB No: IGB2526A0071

UBN: IGB2526WSOB00284, UBN: IGB2526WSOB00285, UBN: IGB2526WSOB00286, UBN: IGB2526WSOB00287

Executive Engineer
Field Mechanical Dn-II
IGNP Bikaner

DIPR/C/14293/2025

नाटक ''गाइड वंस अगेन'' के मंचन ने दर्शकों का मन मोहा

उदयपुर, (कासं)। मौलिक ऑर्गेनाइजेशन ऑफ क्रिएटिव एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स एवं जीआर फिनमार्ट के संयुक्त तत्वावधान में प्रस्तुत संगीतमय नाटक ''गाइड वंस अगेन'' का शानदार मंचन आर.एन.टी. ऑडिटोरियम में हुआ। दोपहर बाद 4.30 बजे शुरू होकर शाम 7 बजे तक चले इस नाट्य प्रस्तुति ने दर्शकों को भावनाओं के सागर में डुबो दिया। नाटक को देखने के लिए इतनी भीड़ उमड़ी कि सभागार खचाखच भर गया।

नाटक में मुख्य पात्र कुलदीप धाभाई ने उदयपुर के गाइड राजू की भूमिका निभाकर दर्शकों का दिल जीत लिया। वहीं यशस्वी श्रीवास्तव ने रूस से उदयपुर आई स्वेतलाना का किरदार संवेदनशीलता से निभाया। कहानी में स्वेतलाना गाइड फिल्म पर शोध करने के लिए उदयपुर आती है और वहीं राजू से मिलती है। दोनों के बीच प्रेम पनपता है और स्वेतलाना राजू को मॉस्को ले जाती है, लेकिन अपनी मातृभूमि और उदयपुर से गहरे प्रेम के कारण राजू वहां ठहर नहीं पाता और लौटकर उदयपुर आ जाता है। यह प्रसंग दर्शकों को गहराई से छू गया और कई

'गाइड वन्स अगेन' का मंचन आर.एन.टी. ऑडिटोरियम में हुआ।

- **उदयपुर में लगभग 60 वर्ष पूर्व फिल्माई देवानंद और वहीदा रहमान की फिल्म गाइड ने बॉक्स ऑफिस पर नए कीर्तिमान स्थापित किए थे**
- **नाटक में मुख्य पात्र कुलदीप धाभाई ने उदयपुर के गाइड राजू की भूमिका निभाकर दर्शकों का दिल जीत लिया**

क्षणों पर सभागार तालियों की गडगडाहट से गूंज उठा। 'गाइड वन्स अगेन' महज एक प्रेमकथा नहीं बल्कि मानवीय संवेदनाओं और मनोवैज्ञानिक द्वंद्व को भी सशक्त रूप से प्रस्तुत करता है। नाटक ने प्रेम, त्याग और आत्मचेतना जैसे गहन विषयों पर दर्शकों को सोचने पर विवश किया। मंचन में जीवंत संगीत, गीत और संवादों की खूबसूरत प्रस्तुति ने इसे और प्रभावशाली बना दिया।

नाटक के लेखक गौरीकांत शर्मा ने कलाकारों की अदाकारी की खुलकर सराहना की और कहा कि यह प्रस्तुति न केवल मनोरंजन करती है बल्कि दर्शकों के हृदय को भी गहराई से छू जाती है। जीआर फिनमार्ट के गौतम राठौढ़ ने कहा कि यह नाटक गाइड फिल्म की परम्परा को नई पीढी के नजरिए प्रस्तुत करता है। मौलिक संस्था के संस्थापक शिवराज सोनवाल ने बताया कि 'गाइड वन्स अगेन' की लोकप्रियता को देखते हुए इसके और भी शो आयोजित किए जाएंगे। 5 अक्टूबर को शिल्पग्राम स्थित दर्पण सभागार में होने वाला मंचन विशेष आकर्षण रहेगा। उन्होंने दर्शकों से अपील की कि वे आगे भी कला और संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए इसी तरह सक्रिय भागीदारी निभाएं। अंत में दर्शकों ने खडे होकर तालियों की गडगडाहट से कलाकारों का अभिनंदन किया। 'गाइड वन्स अगेन' की प्रस्तुति ने न केवल उदयपुरवासियों का दिल जीता बल्कि यह साबित कर दिया कि अच्छा रंगमंच आज भी समाज को जोडने और सोचने पर मजबूर करने की शक्ति रखता है। लगभग 60 वर्ष पूर्व उदयपुर में फिल्माई देवानंद और वहीदा रहमान की फिल्म गाइड ने न केवल बॉक्स ऑफिस पर नए कीर्तिमान स्थापित किए थे, बल्कि उदयपुर को पर्यटन के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया था। यह फिल्म आज भी फिल्म प्रेमियों की दिल में गहराई तक बसी हुई है। फिल्म की कहानी गीत-संगीत और फिल्मांकन अद्भुत थे। 'गाइड वंस अगेन' ने एक बार फिर से उसे फिल्म की याद को ताज किया और रंगमंच की ओर से फीचर फिल्म को अपनी ओर से भावांजलि अर्पित की।

मनसा माता को आज अर्पित होंगे 108 नील कमल

जयपुर। शारदीय नवरात्र की अष्टमी तिथि पर मंगलवार को देवी मंदिरों में विशेष अनुष्ठान होंगे। कई घरों में कन्या-बटुकों का पूजन कर भोजन कराया जाएगा। कनक घाटी आमेर रोड स्थित ठिकाना मंदिर गोविन्द देव जी के मातहत मंदिर देवी मनसा माता में महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में अष्टमी तिथि को एक सौ आठ नील कमल के पुष्प अर्पित किए जाएंगे। इससे पूर्व विशेष संधि पूजन किया जाएगा। मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने बताया किइससे पूर्व सप्तमी तिथि को मूल नक्षत्र में पूजन किया गया। सप्तमी तिथि को मां कालरात्रि की आराधना की गई। माता रानी का विशेष श्रृंगार कर चंडी पाठ किए गए।

उधर आमेर स्थित शिला माता मंदिर में सोमवार को पूर्व राज परिवार ने निशा पूजन किया। दिन भर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मातारानी के दर्शन किए। मंदिर के पट खुलने से पूर्व ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु आमेर महल पहुंच गए। अनेक लोग पैदल परिक्रमा करते हुए शिला माता मंदिर ढोक देने पहुंचे।

मंदिर के पुजारी बनवारी लाल शर्मा ने बताया कि नवरात्र के दौरान दर्शन का समय प्रतिदिन सुबह 6 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक एवं शाम 4 बजे से रात 8:30 बजे तक रहेगा।

'सरकारी के साथ निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण करने की तैयारी में शिक्षा विभाग'

जयपुर। शिक्षा विभाग इस बार राजकीय विद्यालयों के बच्चों के साथ ही प्रदेश के निजी स्कूलों के बच्चों का भी स्वास्थ्य परीक्षण करने पर भी विचार कर रहा है। इस संबंध में शासन सचिव स्कूल शिक्षा कृष्ण कुणाल ने सोमवार को वीसी के माध्यम से विभागीय अधिकारियों की बैठक लेते हुए शाला स्वास्थ्य परीक्षण अभियान की समीक्षा करते इस संबंध में चर्चा की। उन्होंने सत्र 2024-25 के सर्वे में सर्जरी के चिह्नित बच्चों के स्वास्थ्य की निगरानी के साथ संबंधित सीबीईओ द्वारा वेरीफिकेशन की रिपोर्ट 10 अक्टूबर तक निदेशालय भेजने के निर्देश भी दिए हैं।

कुणाल ने गत सत्र के चिह्नित विद्यार्थियों को नेत्र जांच कर चश्मा वितरण के काम में तेजी लाने एवं विद्यार्थियों के रिकॉर्ड के साथ उनके स्वास्थ्य रिकॉर्ड को भी ऑनलाइन इंटीग्रेट करने के लिए भी निर्देश दिए। बैठक में राज्य परियोजना आयुक्त व निदेशक श्रीमती अनुपमा जोरवाल, निदेशक माध्यमिक व प्रारंभिक शिक्षा सीताराम जाट, जिला शिक्षा अधिकारी, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी व पीईईओ सहित अन्य अधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया।

शासन सचिव स्कूल शिक्षा कृष्ण कुणाल ने सोमवार को वीसी के माध्यम से विभागीय अधिकारियों की बैठक ली।

समीक्षा बैठक में शासन सचिव ने जर्जर विद्यालय भवन और बारिश के चलते जर्जर हुए भवनों की सूचना जल्द से जल्द विभाग को भेजने के निर्देश दिए, जिससे आपदा राहत के तहत ऐसे विद्यालयों के लिए बजट की राज्य सरकार से मांग की जा सके। उन्होंने अधिकारियों से प्रखर राजस्थान 2.0, एफएलएन, शाला संबलन, शाला स्वास्थ्य परीक्षण, 1 अक्टूबर को प्रस्तावित स्वच्छता सेवा अभियान, स्वच्छ एवं हरित विद्यालय रेटिंग, छात्रवृत्ति भुगतान आदि की वर्तमान स्थिति पर चर्चा की। उन्होंने विभाग की योजनाओं के माध्यम से बच्चों तक लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करने, योजनाओं के सही क्रियान्वयन के लिए विद्यालयों के दौरे करने और आंकड़ों के लिए शाला संबलन एप का सुनिश्चित करने पर जोर दिया। स्वास्थ्य सेवा अभियान में सामुदायिक सहभागिता के साथ बच्चों की भी सक्रिय सहभागिता

- शासन सचिव शिक्षा ने अधिकारियों को दिए पिछले सत्र में चिह्नित बच्चों के वेरिफिकेशन के निर्देश

सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि शाला संबलन पर एप पर जिओ टैगिंग के माध्यम से ऐसी व्यवस्था की गई है जिससे कोई भी अधिकारी संबंधित विद्यालय में पहुंच कर ही अपने लॉगिन आईडी के माध्यम से डाटा एंट्री कर पाएगा। उन्होंने प्रखर राजस्थान 2.0 के अंतर्गत ड्रॉप एवरीथिंग एंड रीड ( ) को ध्यान में रखते हुए बच्चों की पठन क्षमता के विकास पर ध्यान देने के लिए भी कहा। उन्होंने बैठक में कृष्ण भोग, विद्यालय मरम्मत की गतिविधियों, प्रबंध पोर्टल पर प्रविष्टियों सहित अन्य गतिविधियों की भी समीक्षा की।

कक्षा 1 व 2 के बच्चों में बुनियादी शिक्षा व साक्षरता ज्ञान (एफएलएन) के लिए 7 अक्टूबर से 7 फरवरी तक कार्यक्रम चलाया जाएगा जिसमें बच्चों को निर्धारित मापदंडों तक पहुंचाने के लिए काम किया जाएगा।

सार-समाचार

समाजसेवी व ज्वैलर राजू मंगोड़ीवाला ''अग्र गौरव'' से सम्मानित

जयपुर। अग्रवाल समाज समिति जयपुर द्वारा वरिष्ठ समाजसेवी व जयपुर ज्वैलर एसोसिएशन के उपाध्यक्ष राजू मंगोड़ीवाला का देश विदेश मे सामाजिक,व्यापारिक व धार्मिक कार्यों की वृहद् श्रृंखला से कार्य कर समाज को गौरवान्वित करने हेतु ''अग्र गौरव''सम्मान दिया गया।अग्रवाल कॉलेज प्रांगण के ऑडिटोरियम में अध्यक्ष शिक्षाविद ओ.पी.अग्रवाल व वरिष्ठ समाजसेवियों की उपस्थिति में मंगोड़ीवाला को सार्वभौमिक व सर्वांगीण कार्यो का प्रतीक हताते हुये कहा कि आपने अपने कुशल व्यवहार व कार्यशैली से जयपुर मे सेवा कार्यो व व्यापारिक हितो की भावना से विशिष्ठ पहचान बनाई जिससे ज्वैलर एसोसिएशन मे लगातार दो बार एतिहासिक जीत से समाज को सिरमौर बनाया।आपके कार्य सामाजिक, व्यापारिक, धार्मिक, राजनीतिक व आर्थिक क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के रूप मे जाने जाते है हर क्षेत्र मे आपकी महत्त्वता का झंडा देश विदेश मे अग्रवाल समाज व जयपुर को गौरवान्वित कर रहा है।राजस्थान के प्रवासी परिवारो के दिलो मे आपने अनूठी पहचान बनाकर कई देशो व प्रदेशों मे टीम बनाकर समन्वय का कार्य किया है। इस अवसर पर समारोह में सबसे पहले महाराजा अग्रसेन महाराज और कुल देवी महालक्ष्मी जी का पूजन कर राजू मंगोड़ीवाला ने समाज का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आप सभी का आशीर्वाद व सहयोग मुझे प्रेरित करता है,उन्होने कहा कि समाज के सभी कार्यक्रमों में अधिक से अधिक जनभागीदारी आवश्यक है। समाज के उत्थान के लिए आपसी प्रेम, भाईचारे की भावना और एकजुटता बेहद जरूरी है।

गरबा ग्लैम 2.0 ने जयपुर में जलवा बिखेरा

जयपुर। गरबा ग्लैम 2.0, स्टूडेंट काउंसिल द्वारा आयोजित और ब्रूटोपिस कॉफ़ी, ग्लेस, सीएम टेलर्स तथा नयाबी इंटीरियर्स द्वारा प्रायोजित, का आयोजन किया। शाम की शुरुआत विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत अद्भुत कार्यक्रमों से हुई, जिनमें गणेश वंदना, दुर्गा आरती और रंगारंग डांडिया ग्रुप परफॉरमेंस शामिल थे। कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने वाले मुख्य अतिथि थे रेव. फ़ा. डॉ. अरोक्या स्वामी एस.जे., रेव. फ़ा. डॉ. रेमंड चेरुबिन एस.जे., डॉ. मधु शर्मा, रेव. फ़ा. डॉ. अब्राहम अमल राज एस.जे., रेव. फ़ा. संगीथ राज एस.जे., और सुमन (मिसेज़ इंडिया ग्लैम 2023)। कार्यक्रम का संचालन पूजा गोलानी और एंकर रचित ने किया, तथा समन्वय डॉ. वर्षा शर्मा (सहायक प्रोफेसर) ने किया। पुरस्कार विजेताओं में अक्षिता सोनी (श्रेष्ठ परिधान महिला), समर्थ शर्मा (श्रेष्ठ परिधान पुरुष), नकुल सोनी (श्रेष्ठ नर्तक पुरुष), रिया सैनी (श्रेष्ठ नर्तकी महिला), गुंजन तेजा एवं जॉय बासी (श्रेष्ठ जोड़ी) तथा पलक एवं समूह (श्रेष्ठ समूह प्रस्तुति) शामिल रहे।''नेशनल बर्न्स कॉन्फ्रेंस'' में डॉ मालती गुप्ता, पूर्व विभागाध्यक्ष, प्लास्टिक सर्जरी एवं बर्न्स, स.मा.सिंह मेडिकल कॉलेज,जयपुर को विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया तथा उनके द्वारा के तहत लिखित, निर्मित एवं निर्देशित वीडियो ''पानी और आग'' को इस के उद्‌घाटन सत्र में विशेष तौर से लॉन्च किया गया।

अग्रसेन जी महाराज की पूजा की

जयपुर। अग्रसेन जी महाराज की पूजन विधि विधान से की, जिसमें निम्न खेल प्रतियोगिताएं की गई हो जी प्रतियोगिता खेलकूद मेहंदी प्रतियोगिता बच्चों के द्वारा शानदार संस्कृति प्रस्तुति वरिष्ठ नागरिक व उत्कृष्ट बच्चों का सम्मान हमारे संवाददाता को मुक्ति लाल गोयल संरक्षक ने बताया कि हमारे अध्यक्ष सोम प्रकाश जी गर्ग की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित किए गए जी में जिसमें मुख्य अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता सीताराम जी अग्रवाल विशिष्ट अतिथि जीएसटी अधिकारी एन के गुप्ता एडिशनल एसपी राजेंद्र कुमार जी गुप्ताहमारे कार्यकारिणी के गणमान्य सदस्य रामकिशोर अग्रवाल रमेश चंद्र शाह केदार मल अग्रवाल पवन अग्रवाल रामावतार अग्रवाल पुरुषोत्तम जी अग्रवाल कुंज बिहारी अग्रवाल अशोक अग्रवाल संदीप मोदी बाबूलाल जी अग्रवाल अमरचंद अग्रवाल बुद्धि प्रकाश जी सहरिया संजय गोयल अशोक अग्रवाल टस्कोला राजेंद्र अग्रवाल मेडिकल वाले महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष अलका सहरिया मोनू अग्रवाल उपस्थित रहे।

पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

जयपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर सोमवार को जयपुर मंडल कार्यालय में राजभाषा पखवाडा पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। पूजा मित्तल ने बताया कि सोमवार को मंडल रेल प्रबंधक जयपुर रवि जैन की अध्यक्षता में मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के सभाकक्ष में राजभाषा पखवाडा पुरस्कार वितरण समारोह 2025 का आयोजन किया गया । इस दौरान वर्ष भर हिंदी भाषा में सराहनीय कार्य करने वाले 20 कर्मचारियों को मंडल रेल प्रबंधक पुरस्कार,20000 शब्द योजना के 10 विजेताओं एवं राजभाषा विभाग द्वारा हिंदी पखवाडे के दौरान आयोजित हिंदी निबंध, हिंदी टिप्पण एवं आलेखन तथा वाक प्रतियोगिताओं के 12 विजेताओं को मंडल रेल प्रबंधक द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस समारोह में विशेष आमंत्रित प्रसिद्ध हास्य कवि प्रवीण कुमार मस्त पी.के. मस्त ने भी कविताओं से सभी को गुदगुदाया। इस दौरान मंडल रेल प्रबंधक के साथ अपर मुराधि एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक/इंफ्रा एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक/परि. तथा मंडल के शाखा अधिकारी व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बंगाली समाज ने की महासप्तमी पूजा

जयपुर। बनीपार्क के दुर्गाबाड़ी, मुरलीपुरा कालीबाड़ी, जय क्लब तथा मालवीय नगर सेक्टर-10 स्थित कालीबाड़ी सोसायटी सहित विभिन्न पंडालों में मनाए जा रहे दुर्गा पूजा महोत्सव में सोमवार को महासप्तमी पूजन हुआ। देवी प्रतिमाओं के समक्ष नवपत्रिका (नौ प्रकार की पवित्र वनस्पतियों) की पूजा-अर्चना की गई। पुरोहितों द्वारा मंत्रोच्चार के साथ विशेष अनुष्ठान सम्पन्न हुए। श्रद्धालुओं ने पुष्पांजलि अर्पित कर माता रानी से मंगल की कामना की। महासप्तमी पर पारंपरिक ढाक (ढोल) की ध्वनि और शंखनाद से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। सांस्कृतिक आयोजनों की श्रृंखला में शाम को नृत्य-गीत प्रस्तुतियां एवं भक्ति संध्या का आयोजन किया गया।

जय मां दुर्गा के उद्‌घोष से गूंज उठा पांडाल

जयपुर। दुर्गा पूजा महोत्सव की महासप्तमी का दिन सी-स्कीम स्थित जय क्लब लॉन में भक्ति, उत्साह और उल्लास से भरा रहा। सुबह से ही श्रद्धालु मां दुर्गा की आराधना के लिए एकत्रित होने लगे। प्रात:कालीन आरती के साथ पूरे परिसर में जय मां दुर्गा के जयकारे गूंजे। मंत्रोच्चार और शंख-ध्वनि से वातावरण पवित्र हो उठा। आरती के बाद बच्चों के लिए खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। स्पून रेस और अन्य मनोरंजक खेलों में बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

उनकी हंसी और उत्साह ने पूजा-पंडाल के माहौल को और भी जीवंत बना दिया। दोपहर में भोग प्रसादी का आयोजन किया गया। खिचड़ी, चोच्चौड़ी और पायेश (खीर) का विशेष भोग मां दुर्गा को अर्पित कर भक्तों में वितरित किया गया। भक्तों ने इसे श्रद्धा और प्रसन्नता से ग्रहण किया। कई श्रद्धालुओं ने कहा कि यह प्रसाद उन्हें अपने घर-परिवार की पुरानी यादों से जोड़ देता है। शाम की आरती ने एक बार फिर पूरे वातावरण को भक्ति-रस में रंग दिया। आरती

- नन्हे-मुन्नों ने देवी-देवताओं, स्वतंत्रता सेनानियों और लोक नायकों का रूप धारण कर मंच पर प्रस्तुति दी

के दौरान ढाक और शंख की गूंज ने सभी को भाव-विभोर कर दिया। इसके उपरांत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत हुई, जो महासप्तमी का मुख्य आकर्षण रहा। सबसे ज्यादा सराहना बच्चों की फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता को मिली। नन्हे-मुन्नों ने देवी-देवताओं, स्वतंत्रता सेनानियों और लोक नायकों का रूप धारण कर मंच पर प्रस्तुति दी। दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका उत्साहवर्धन किया।

अध्यक्ष डॉ. एस.के. सरकार ने इस अवसर पर कहा कि, महासप्तमी केवल पूजा-अर्चना का पर्व नहीं है, बल्कि यह हमारी परंपराओं और संस्कृति को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का एक माध्यम है।

त्योहारी सीज़न की शुरुआत

जयपुर। भारत के सबसे बड़े हाइपरमार्केट फॉर्मेट में से एक, स्मार्ट बाज़ार, बेजोड़ जश्न और मूल्य के साथ त्योहारी सीज़न का स्वागत करने के लिए पूरी तरह तैयार है। बहुप्रतीक्षित त्यौहार रेडी सेल 1 से 5 अक्टूबर 2025 तक चलेगी, जिसमें ग्राहकों को सबसे विस्तृत रेंज, बेहतरीन डील्स - बेजोड़ कलेक्शन और सबसे कम कीमतों पर हर उस चीज़ की पेशकश की जाएगी जिसकी उन्हें अपने त्योहारों को वाकई खास बनाने के लिए ज़रूरत है।भारत में त्योहारी सीज़न आनंद, खरीदारी और उपहार देने का पर्याय है। इसी भावना को समझते हुए, स्मार्ट बाज़ार ने अपने ग्राहकों के लिए एक वन-स्टॉप शॉपिंग डेस्टिनेशन तैयार किया है। त्यौहार रेडी सेल, फैशन और घर की सजावट से लेकर उपहार, किराने का सामान और घरेलू सामान तक, त्योहारों की ज़रूरी चीज़ों पर असाधारण मूल्य प्रदान करने का वादा करती है - यह सुनिश्चित करते हुए कि हर खरीदार ज़्यादा जश्न मना सके, ज़्यादा बचत कर सके और हर पल को और भी शानदार बना सके। इस अभियान पर प्रकाश डालते हुए, रिलायंस रिटेल - वैल्यू फॉर्मेट के सीईओ दामोदर मॉल ने कहा: ''हमारे सभी त्यौहार स्वाभाविक उपभोग के अवसर हैं।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने विद्याधर नगर में महिला चिकित्सा शिविर में की शिरकत

सेवा पखवाड़ा के तहत शिविर में महिलाओं को मिली नि:शुल्क जांच और दवाइयों की सुविधा

जयपुर। सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के किशनबाग, नया खेड़ा वार्ड 27 में महिला मोर्चा की ओर से नि:शुल्क महिला चिकित्सा शिविर, स्वास्थ्य जांच और दवा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यक्रम में राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सहभागिता कर महिलाओं से सीधे संवाद किया और उनके स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी ली। शिविर में बड़ी संख्या में महिलाओं ने पहुंचकर स्वास्थ्य परीक्षण कराया और नि:शुल्क दवाइयों का लाभ उठाया। उपमुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद चिकित्सा अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि शिविर में आने वाली हर महिला का समुचित परीक्षण सुनिश्चित किया जाए और यह प्रयास किया जाए कि अधिकतम महिलाएं इस पहल का लाभ ले सकें।

- उपमुख्यमंत्री ने कहा - महिलाएं नियमित जांच कराएं, सरकार उनके सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध

दिया कुमारी ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार महिला सशक्तिकरण को लेकर गंभीर है और समाज के हर वर्ग की महिलाओं को सशक्त व आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है।

उन्होंने कहा कि ऐसी चिकित्सा शिविरों के आयोजन से महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी मिलती है, साथ ही नियमित जांच से गंभीर बीमारियों की समय रहते पहचान की जा सकती है। उन्होंने महिलाओं से यह भी आग्रह किया कि वे अपने स्वास्थ्य को लेकर सजग रहें और समय-समय पर ऐसे शिविरों में भाग लेकर जांच करवाएं। उन्होंने कहा कि जब महिला स्वस्थ होती है तो परिवार, समाज और देश भी मजबूत बनता है।

शिविर में महिलाओं को प्रसूति जांच, सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण, रक्तचाप, शुगर, हीमोग्लोबिन की जांच जैसी सेवाएं दी गईं। इसके अतिरिक्त आवश्यक दवाएं भी नि:शुल्क वितरित की गईं। कार्यक्रम में वार्ड की महिलाओं ने उपमुख्यमंत्री का स्वागत कर आभार व्यक्त किया और सरकार की इस पहल की सराहना की।

इस अवसर पर चिकित्सा विभाग के अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, महिला मोर्चा की पदाधिकारीगण तथा बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। आयोजन को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल रहा और महिलाओं में शिविर को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिली।

रामलीला महोत्सव में हुआ शबरी मिलन से लंका दहन तक का जीवंत मंचन, दर्शकों की भावनाएं उमड़ीं

जयपुर । रामलीला मैदान, न्यू गेट में चल रहे रामलीला महोत्सव के अंतर्गत शुक्रवार कोशबरी मिलन, हनुमान मिलन, बाली वध और लंका दहनजैसी प्रमुख लीलाओं का प्रभावशाली मंचन किया गया। मंचन में संवाद, अभिनय और भाव-प्रस्तुति की उत्कृष्टता ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। शबरी-राम संवाद और हनुमान-राम मिलनके दृश्य इतने मार्मिक रहे कि कई दर्शकों की आंखें नम हो गईं। संवादों की गहराई और कलाकारों की सजीव प्रस्तुति ने पूरे वातावरण को अध्यात्मिक भावों से भर दिया। वहींलंका दहनका दृश्य विशेष रूप से बच्चों के लिए रोमांचकारी रहा, जिसने उत्साह और उल्लास का संचार किया। दर्शकों ने कलाकारों की अद्भुत प्रस्तुति पर बार-बार तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका उत्साहवर्धन किया। कई स्थानों पर भावपूर्ण अभिनय ने उपस्थित

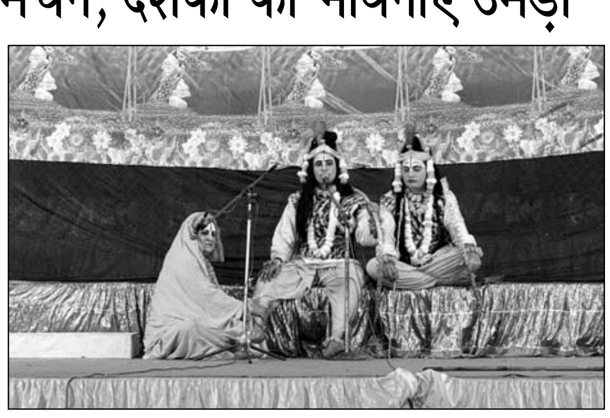

रामलीला महोत्सव में कोशबरी मिलन, हनुमान मिलन, बाली वध और लंका दहनजैसी प्रमुख लीलाओं का प्रभावशाली मंचन किया।

जनसमूह को आत्मविभोर कर दिया। यह सहज प्रतिक्रिया दर्शाती है किरामकथाआज भी जनमानस के हृदय में उतनी ही जीवंत और प्रभावशाली है, जितनी वह सदियों पूर्व थी। आज के आयोजन मेंराजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री झबरमल खर्रा,समिति संरक्षक व जयपुर सांसद मंजु शर्मा,समिति मार्गदर्शक प्रवीण भैयातथासमिति अध्यक्ष नवनीत मित्तलसहित कई विशिष्ट अतिथि एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

विधायक ने किया सीसी सड़क का लोकार्पण

जयपुर। मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 125, पंचशील एंक्लेव में नगर निगम ग्रेटर द्वारा निर्मित गोकुल भाई भट्ट की समाधि स्थल तक सीसी सड़क का लोकार्पण सोमवार को क्षेत्रीय विधायक कालीचरण सराफ द्वारा किया गया। इस अवसर पर पार्षद राम प्रसाद शर्मा ने बताया कि यह सड़क स्थानीय निवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग पर बनाई गई है। उन्होंने बताया कि विधायक सराफ ने इस विषय को गंभीरता से लेते हुए नगर निगम ग्रेटर से समन्वय कर इस कार्य को पूर्ण करवाया।लोकार्पण समारोह में क्षेत्रीय विकास समिति के सदस्यों और स्थानीय निवासियों ने विधायक कालीचरण सराफ का जोरदार स्वागत किया और उनका आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में महिला आयोग की पूर्व चेयरमैन सुमन शर्मा सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने की जनसुनवाई

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित नियमित जनसुनवाई के दौरान आमजन की समस्याएं सुनकर त्वरित समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए। जनसुनवाई में महिलाओं, बुजुर्गों एवं दिव्यांगजनों की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ सुना गया और संबंधित अधिकारियों को तुरंत आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार पं. दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के संकल्प को साकार करने हेतु अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ पहुंचाने के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा जताई कि वे संवेदनशीलता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करें, ताकि आमजन को वास्तविक राहत मिल सके। जनसुनवाई के दौरान मुख्यमंत्री ने कृषि, गृह, राजस्व, सिंचाई, परिवहन, पशुपालन, जयपुर विकास

- जनसुनवाई में महिलाओं, बुजुर्गों एवं दिव्यांगजनों की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ सुना गया

प्राधिकरण, नगर निगम, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, मनरेगा और ऊर्जा जैसे विभिन्न विभागों से जुड़ी परिवेदनाओं को गंभीरता से सुना और कई मामलों में मौके पर ही समाधान किया गया। स्थानीय स्तर पर भी नियमित जनसुनवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि आमजन को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन से बार-बार चक्कर न काटने पड़ें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक परिवादी शासन-प्रशासन से बड़ी उम्मीद के साथ आता है। अत: सभी अधिकारियों को चाहिए कि वे समयबद्ध रूप से समस्याओं का निस्तारण करें।

सांस्कृतिक सृजन पखवाड़ा के अंतर्गत चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

जयपुर। संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार और कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा आयोजित सांस्कृतिक सृजन पखवाड़ा के अंतर्गत सोमवार को जवाहर कला केंद्र, जयपुर व सांस्कृतिक स्त्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र, उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में चित्रकला प्रतियोगिता - विकसित भारत का आयोजन हुआ। इस प्रतियोगिता में जयपुर एवं आसपास के विभिन्न शिक्षण संस्थानों, स्कूलों और कॉलेजों से करीब 200 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रतिभागियों ने 'विकसित भारत के रंग, कला के संग' थीम को अपनी रचनात्मकता और कल्पनाशक्ति से कैनवास पर उकेरा। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान राजस्थान स्कूल ऑफ आर्ट की मनशिका सिंह चौहान ने प्राप्त किया। द्वितीय स्थान सौरभ यादव (ड्रॉइंग एंड पेंटिंग विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय)

प्रतिभागियों ने 'विकसित भारत के रंग, कला के संग' थीम को अपनी रचनात्मकता और कल्पनाशक्ति से कैनवास पर उकेरा।

को मिला, वहीं तृतीय स्थान अंजलि रॉय (कानोड़िया पीजी महिला कॉलेज) ने हासिल किया। केन्द्र की अतिरिक्त महानिदेशक अलका मीणा ने प्रतिभागियों की हौसला अफजाई की। इस मौके पर अभीक सरकार, क्षेत्राधिकारी,

- युवा कलाकारों ने 'विकसित भारत के रंग, कला के संग' थीम पर कैनवास पर उकेरा भारत का सपना

सांस्कृतिक स्त्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र व जूरी सदस्य में जेपी मीणा, राजेंद्र प्रसाद और पंकज यादव सहित प्रतिभागी व कला प्रेमी मौजूद रहे।

प्रतिभागियों में किसी ने मेट्रो प्रोजेक्ट और रैपिड रेल के जरिए देश की नई कनेक्टिविटी को दिखाया, तो किसी ने वंदे भारत एक्सप्रेस की रफ्तार को उकेरते हुए भारत की बदलती सूरत को पेश किया। एआई, इकोनॉमिक ग्रोथ, सोलर एनर्जी और औद्योगिकीकरण जैसे आधुनिक आयामों को भी छात्रों ने अपनी चित्रकारी में बखूबी दर्शाया।

चंद्रमा पर भारत की ऐतिहासिक लैंडिंग, इलेक्ट्रिक कारें, महिला शिक्षा व सशक्तिकरण, रोज़गार और ग्रामीण उत्थान जैसे विषयों पर भी युवा कलाकारों ने अपनी सोच और कल्पना को रंगों के माध्यम से जीवंत कर दिया। इन चित्रों में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा विकसित भारत के सपने को साकार करने की झलक दिखाई दी। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने भारत के निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर होने की कहानी को अपने कैनवास पर सजाया, जो दर्शकों को भविष्य के एक उज्जवल भारत की तस्वीर का अनुभव कराता है।

प्रतियोगिता के दौरान उपस्थित दर्शकों ने छात्रों के जोश और कलात्मक अभिव्यक्ति की सराहना की। यह आयोजन युवा पीढ़ी में रचनात्मकता, देशभक्ति और विकसित भारत के सपने को साकार करने की ऊर्जा भरने वाला साबित हुआ।

जेल प्रशासन ने किया औचक निरीक्षण

जयपुर। केंद्रिय कारागार में बंदियों के पास से मोबाइल फोन मिलने का सिलसिला लगातार जारी है। जेल प्रशासन की ओर से 22 दिनों में चलाए गए औचक निरीक्षण के दौरान अब तक 34 मोबाइल फोन जब्त किए जा चुके है। तमाम कोशिश के बाद भी इन घटनाओं पर अकुंश नहीं लगाया जा रहा है। हालाकी जेल प्रशासन समय -समय पर बंदियों से आपसी समझाईश कर कानूनी दायर में रहने की अपील कर रहा है। फिर जेल की चार दीवारियों के पीछे बनी कॉलोनियों से जेल परिसर में बंदियों को मोबाइल फोन पहुंच रहे है।

बीते 22 दिनों में अब तक 34 मोबाइल फोन जब्त होने के बाद लालकोठी थाने में 19 मोबाइल फोन मिलने के मामले दर्ज हो चुके है। जिनकी जांच की जा रहीं है। लालकोठी थाने में एएसआई और जांच अधिकारी मुकेश कुमार ने बताया कि 28 सितम्बर देर रात डेढ बजे वार्ड औचक निरीक्षण किया गया।

ARBiT it happens here...

राष्ट्रदूत
TUESDAY
30 September 2025
A-B

Celebrating the Power of Voices

Every year on September 30th, the world comes together to celebrate International Podcast Day, a platform that honours the storytellers, educators, and creators behind the microphone. Podcasts have transformed how we consume information, offering everything from deep-dive investigative journalism to light-hearted entertainment, accessible anytime and anywhere. The day encourages listeners to explore new shows, support independent creators, and recognize the growing influence of audio content in shaping culture and ideas. It's not just about entertainment, it's a celebration of connection, learning, and the power of voices that inform, inspire, and spark meaningful conversations globally.

#PRACTICAL

HIGH Heels For Men

Why Heels were originally worn by Men: A Historical Perspective

Today, high heels are often seen as a symbol of feminine fashion, elegant, stylish, and sometimes empowering. But surprisingly, heels were not always designed for women. In fact, heels were initially worn by men, with their origins deeply rooted in practical and social reasons that reveal much about history, power, and style.

The Practical Origins of Heels

The story of heels begins in ancient Persia around the 10th century, where mounted warriors used high-heeled shoes to help secure their feet in stirrups while riding horses. These heels improved grip and balance, giving cavalry soldiers greater control and effectiveness in battle. As Persian influence spread westward, the use of heels traveled along with it. European men, particularly nobles and aristocrats, adopted heels in the 16th and 17th centuries to emulate the practical and prestigious styles of Persian horsemen.

Heels as a Status Symbol

By the time heels arrived in Europe, they evolved beyond their practical function. High heels became a powerful status symbol, signaling wealth, nobility, and military prowess. The higher the heel, the greater the wearer's social standing.

Kings, nobles, and military leaders wore heels to distinguish themselves from commoners. For example, King Louis XIV of France was famous for his red-heeled shoes, which became a hallmark of French aristocracy. His personal preference even led to laws regulating who could wear certain heels, reinforcing social hierarchy.

From Masculine Power to Feminine Fashion

Heels remained a part of men's fashion for centuries but began to shift during the 18th century. As clothing styles changed, heels became more delicate and associated with female attire. By the 19th century, heels had largely disappeared from men's wardrobes and became more firmly linked to women's fashion.

The transformation was also influenced by changing societal roles and gender norms. While heels once symbolized power and dominance for men, they gradually morphed into a tool for enhancing femininity and elegance.

Why Did Heels Fall Out of Fashion for Men?

Several factors contributed to the decline of heels in men's fashion.

- **Practicality:** Industrialization and modernization called for more practical, comfortable footwear for men, especially as soldiers and workers needed mobility and safety.
- **Changing Aesthetics:** The rise of new masculine ideals favoured simpler, more functional dress, moving away from the ornate styles of previous centuries.
- **Gender Norms:** Social conventions increasingly linked heels with femininity, leading to their association predominantly with women's fashion.

The Modern Resurgence

Interestingly, heels for men are making a comeback in some circles today, especially in avant-garde fashion and performance arts, challenging traditional gender norms and celebrating style beyond conventional categories. High heels were once the domain of men, warriors, kings, and aristocrats who used them for practicality and status. Over time, heels transitioned to become a distinctly feminine fashion item, shaped by cultural shifts and evolving ideas about gender and power.

'Cess' for Stray Dog Menace?

As much as it sounds easy, there are major logistic problems that have been given scant attention. Delhi is supposed to have a seven to eight lakhs stray dog population. To effectively enforce the Supreme Court resolution, approximately 1,100 stray dogs need to be caught daily and all have to be sterilised within a 24 hour period. The emphasis is on the female! This would mean an approximate two year cycle of Animal Birth Control. If this is implemented, the dog population would come within control. The survivors then would require shelter, attention and nourishment for at least three days. Please remember that at the present moment, WHO reports 5,726 deaths annually from Dog Bites in India. Newspaper reports claim as many 45 children dying from dog attacks every day.

#DOGS

Dr. Goutam Sen
CTVS Surgeon
Traveller
Storyteller

The stray dog problem is a major conundrum. As much as we love dogs as pets, we are averse to caring for the stray ones. Where is the difference? Pets are considered loving and faithful while the strays are just the reverse, ferocious and aggressive.

Addressing the stray dog issue requires a multi-faceted approach, balancing the welfare of both animals and humans. The perception that stray dogs are inherently ferocious and aggressive, while pets are not, often stems from a lack of understanding of canine behaviour and the different environments these dogs live in. However, the core of the problem lies in irresponsible pet ownership, inadequate waste management and the failure of local authorities to implement and enforce effective Animal Birth Control (ABC) programmes.

The distinction between a pet and a stray dog is primarily one of environment and social milieu. A pet dog receives food, shelter and medical care, just as much as human child. It is therefore harmonised to live with humans. A stray dog, however, must fend for itself. It lives in a state of constant struggle for survival, shelter, scavenging for food and navigating threats from other animals and humans. This constant struggle, not an innate nature, is what can make stray dogs appear aggressive or wary of humans.

The idea that we are treating dogs like humans is a valid point of contention. The core argument for not allowing strays to roam free is not about treating them like humans, but rather recognising their status as animals that can pose a risk to public health and safety. The risk of dog bites, the spread of diseases like rabies and the potential for traffic accidents (chasing of motorcycles/cycles and even early morning runners) are all legitimate concerns.

The Supreme Court of India has weighed in on the issue advocating for a sterilisation and vaccination program (ABC) as the primary method of stray dog management. The court's stance is based on the idea that culling or mass killing of dogs is not only inhumane but also ineffective. When dogs are removed from an area, it creates a 'vacuum effect.' New dogs from neighbouring areas or litters quickly move in to fill the vacant territory, leading to a perpetual cycle of culling and re-population. Sterilisation and vaccination, on the other hand, are designed to stabilise the stray dog population over time and reduce the spread of diseases. As much as it sounds easy, there are major logistic problems that have been given scant attention. Delhi is supposed to have a seven to eight lakhs stray dog population. To effectively enforce the Supreme Court resolution, approximately 1,100 stray dogs need to be caught daily and all have to be sterilised within a 24 hour period. The emphasis is on the female! This would mean an approximate two year cycle of Animal Birth Control. If this is implemented, the dog population would come within control. The survivors then would require shelter, attention and nourishment for at least three days. Please remember that at the present moment, WHO reports 5,726 deaths annually from *Dog Bites* in India. Newspaper reports claim as many 45 children dying from dog attacks every day.

> The Supreme Court of India has weighed in on the issue advocating for a sterilisation and vaccination program (ABC) as the primary method of stray dog management. The court's stance is based on the idea that culling or mass killing of dogs is not only inhumane but also ineffective. When dogs are removed from an area, it creates a 'vacuum effect.' New dogs from neighbouring areas or litters quickly move in to fill the vacant territory, leading to a perpetual cycle of culling and re-population.

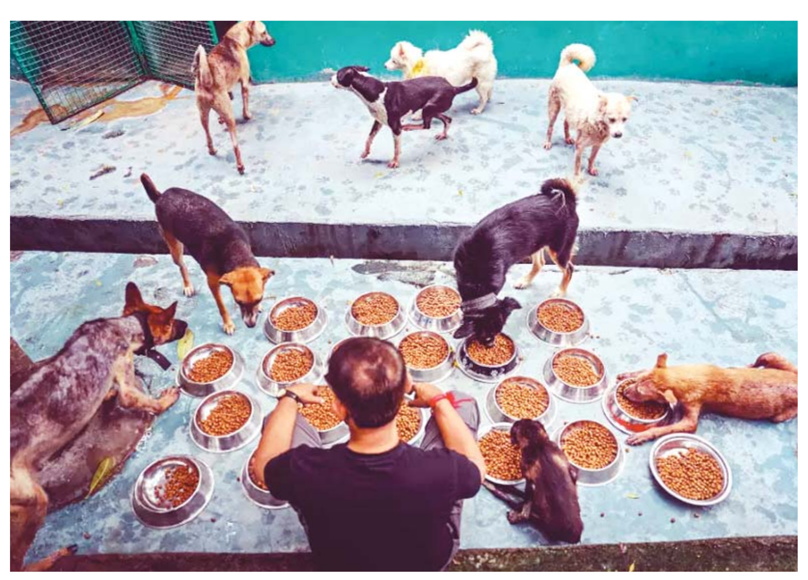

This approach aligns with a global movement towards humane animal management. Organisations like the World Health Organisation (WHO) and the World Organisation for Animal Health (WOAH) have long advocated for vaccination and sterilisation as the most effective and ethical way to control rabies and manage stray dog populations. The legal framework in India, specifically, the Prevention of Cruelty to Animals Act, 1960, also prohibits unnecessary cruelty, which includes the mass killing of animals. The Supreme Court is correct in its emphasis on humane treatment and long-term effectiveness. However, a successful solution requires more than just judicial pronouncements. It needs a collaborative effort from the government, non-profit organisations and the public. The root of responsible pet ownership is not in the abandonment of pets. Strict laws and public awareness campaigns are needed to promote responsible pet ownership, including mandatory micro-chipping, sterilisation of pets and severe penalties for abandonment or unnecessary breeding.

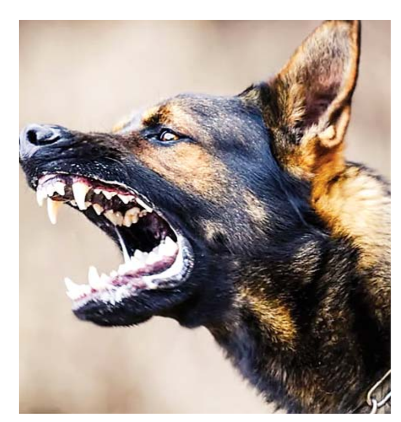

Effective Animal Birth Control (ABC) programmes must be implemented systematically across cities and towns. This involves regular sterilisation and vaccination drives and the establishment of dedicated shelters and medical facilities for dogs which are literally non-existent at the moment.

Stray dogs are often attracted to human settlements by accessible garbage. Improved waste management and sanitation will reduce the food sources for strays, naturally reducing their population and dependence on human areas. This is now evident in 'Smart Cities' in India. Instead of demonising strays, some communities have found success in caring for them. This can include designated feeding spots, volunteer-led monitoring and reporting of sick or injured dogs to authorities. The major question of who bears the cost is critical. The current model often relies on an erratic mix of government funding, non-profit contributions and individual donations. This is unsustainable and sporadic. It leads to a patchy and inefficient system.

The idea of a small 'dog cess' (At the moment, we have cess on education and oil! Many more are hidden in our electricity, municipal and water bills.) on taxes is a viable and potentially effective solution. A small, earmarked amount could provide a consistent revenue stream for animal welfare programmes. This funding could be used for establishing and operating animal shelters and veterinary clinics. Funding ABC programmes on a large scale and hiring/training animal control officers is the call of the day. Think of the number of people saved from dog bites! (Imagine also at the same time, individual medical cost and work hours lost.) This would shift the financial burden from a few dedicated individuals and organisations to a collective responsibility. It would also create a sense of ownership among citizens, as they would be directly contributing to the solution.

NOW IS THE TIME FOR STRAY DOG LOVERS AND HATERS TO JOIN HANDS AND PUT THE MONEY WHERE THEIR MOUTH IS.

The problem of stray dogs is not a simple choice between culling and letting dogs roam free. The best way to resolve the problem is to implement a comprehensive, humane and sustainable strategy. The Supreme Court is correct in advocating not only ethical but also scientifically proven to be the most effective in the long run. The cost of such a programme is significant, but it is a necessary investment in public health, safety and animal welfare. A dedicated 'dog cess' or similar funding mechanism would provide the financial stability required to implement these programmes effectively and continuously, ensuring that the burden is shared by all who benefit from a safer and more humane society.

The stray dog issue is a part of the larger and more complex problem of human-wildlife conflict in urban environments. The core of this issue lies in the fact that human expansion and development often encroaches on animal habitats, forcing different species to adapt to living in close proximity to people. The 'issue' doesn't end; it requires a tailored management approach for each species.

The management of different species, like monkeys, cows, foxes and rats, varies significantly due to their different behaviours, ecological roles and their relationship with humans.

In India, cows have a unique and protected status. Their management is driven by a combination of religious reverence and public safety concerns. Solutions often involve moving them to shelters or 'gaushalas' (cow shelters) and discouraging their presence on roads to prevent traffic accidents. The goal is to relocate and care for them, not to eradicate them.

Monkeys are intelligent and highly adaptable. They often become a nuisance by raiding homes and crops. Management strategies focus on deterrence and prevention, such as using monkey repellents, securing food sources and in some cases, sterilisation programmes. Their intelligence and social structures (religious connotations) make them particularly challenging to manage.

Rats are often seen as pests due to their role in spreading disease and damaging property. Their management typically involves sanitation, traps and poison. The goal is often population control or elimination in human spaces, as they offer little benefit and pose significant health risks. While the Pied Piper of Hamelin story offers a compelling, albeit fictional, solution for a rat infestation, modern urban wildlife management relies on a more nuanced, multi-faceted strategy that prioritises coexistence over eradication.

In reality, a 'one-and-done' approach like magical pipes or mass culling is ineffective and often leads to worse outcomes. For instance, eliminating a population of rats or dogs can lead to a 'vacuum effect' where the remaining animals reproduce at a faster rate or new animals migrate in, negating the initial effort.

The key to resolving human-wildlife conflict is long-term management and coexistence, not temporary fixes. This requires a shift in perspective from viewing these animals as a problem to be solved, to a part of the urban ecosystem that needs to be managed responsibly. This involves changing human behaviour and attitudes, which has always been the crux of the issue. Securing garbage, not feeding animals and responsible pet ownership are crucial.

The issue of animals in human proximity is not a single problem but a series of distinct challenges that require species-specific, humane and sustainable solutions, built on the principles of coexistence.

It is time when we humans learn that our existence is a priority but not at the cost of all so called 'Strays.' Each member of the animal system has a role to play!

rajeshsharma1049@gmail.com

#INNOVATIONS

A Forgotten River Tradition

Inflated Bullock Skins as Boats in Colonial India

In the remote hills of the Himalayas and the broad rivers of Punjab during colonial India, local communities relied on a transportation method that would seem bizarre to modern eyes: inflated bullock skins used as makeshift boats. This practice, though unusual, was practical, portable, and deeply rooted in local ingenuity. Here's a short thread on this strange but fascinating mode of transport used by hill people and villagers to ferry passengers and goods across rivers in pre-independence India.

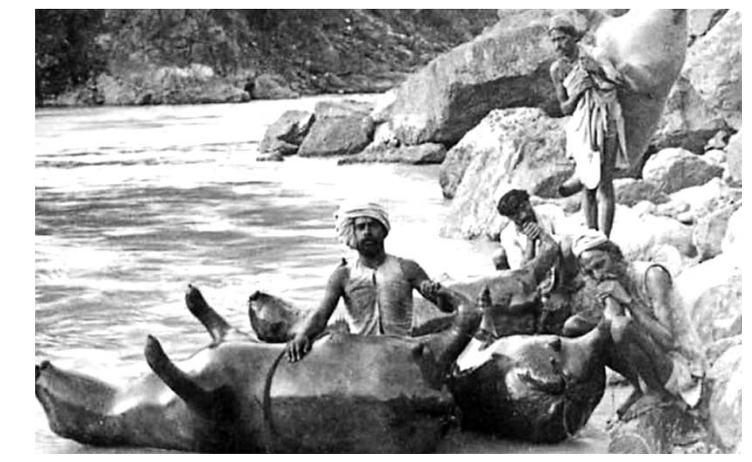

1. The Basics: What Were Bullock-Skin Boats?

These 'boats' were made from the flayed and dried hides of bullocks (or buffaloes). After being stitched and sealed to prevent leakage, the hides were inflated with air, often using mouth or bellows, and tied off, forming a floating air sac. The inflated skin was buoyant and flexible, making it surprisingly effective at navigating the rugged river terrain of north India. People would either sit on the skins or tie multiple skins together with wooden frames to create a raft-like platform.

2. Why Use Bullock Skins?

In the Himalayan and Punjab regions, river crossings were a daily necessity, especially for villagers, traders, and labourers who had no access to permanent bridges or ferryboats.

- **Lightweight and Portable:** Bullock-skin boats were easily carried over long distances by foot, making them ideal for hill regions.
- **Economical:** They required no timber, nails, or engines, just locally available animal hides.
- **Adaptable:** In areas where rivers were seasonal and water levels unpredictable, these inflatable crafts could be quickly deployed and easily packed away.

3. How It Worked

- A person, usually a trained boatman, would inflate the skin and tie it shut at the neck and legs.
- The passenger would straddle or sit on the inflated hide, often holding onto a rope.
- The boatman would then swim alongside or push the skin, using his body and a paddle to steer.
- Sometimes, two inflated hides were tied together to carry larger loads like grain sacks or small livestock.

4. Historical Mentions

British officers, travelers, and geographers during the 19th and early 20th centuries documented this curious method in travelogues and administrative reports.

In the Punjab Gazetteers and travel writings, inflated bullock-skin boats are described as a common sight near fast-flowing rivers, especially during monsoon seasons when temporary crossings were washed away. The British were at times bewildered by the sight, but they recognized its effectiveness. In fact, some colonial troops adopted similar inflatable skin pontoons for military river crossings, inspired by these indigenous methods.

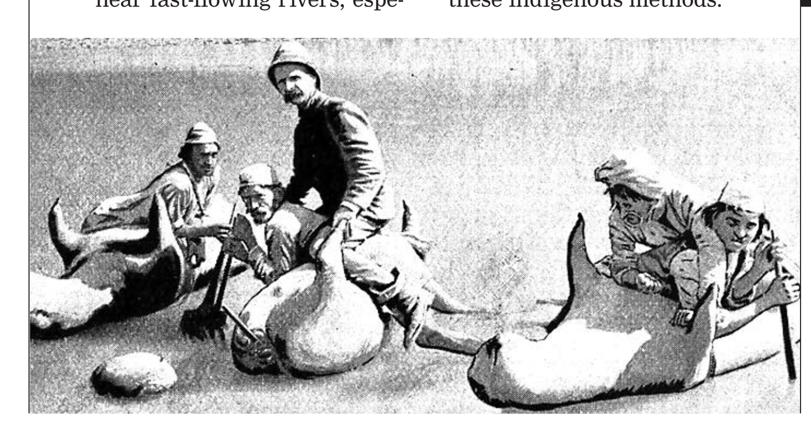

5. A Precursor to Modern Rafting?

Interestingly, the concept behind the bullock-skin boat isn't far from modern-day inflatable rafts and packrafts, used in remote expeditions around the world. Both rely on air-filled, flexible materials for buoyancy, demonstrating how traditional practices often anticipate modern engineering.

6. Decline and Disappearance

With the advent of steel bridges, concrete roads, and motorized ferries in the mid-20th century, this unusual form of transport began to fade. Environmental changes, urban expansion, and changing livestock practices also reduced the availability of bullock hides for such use. Today, the practice survives only in oral history and a few ethnographic accounts.

A Story of Innovation

The use of inflated bullock skins as river transport in colonial India is more than a quirky historical footnote, it's a testament to human adaptability and resourcefulness in the face of geographic challenges. In an era before industrial convenience, communities used what they had, hides, air, and muscle, to build a transport system perfectly suited to their environment. In retelling these stories, we reconnect with a world where innovation was simple, sustainable, and deeply local.

THE WALL

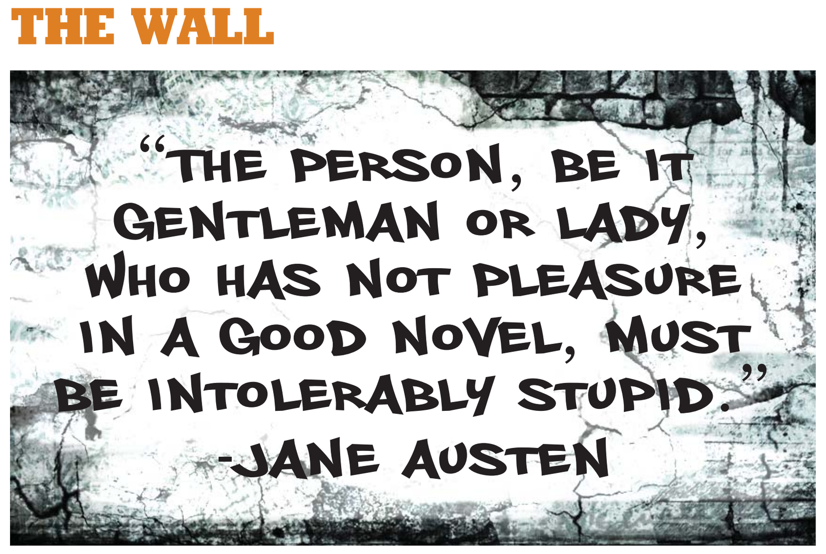

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

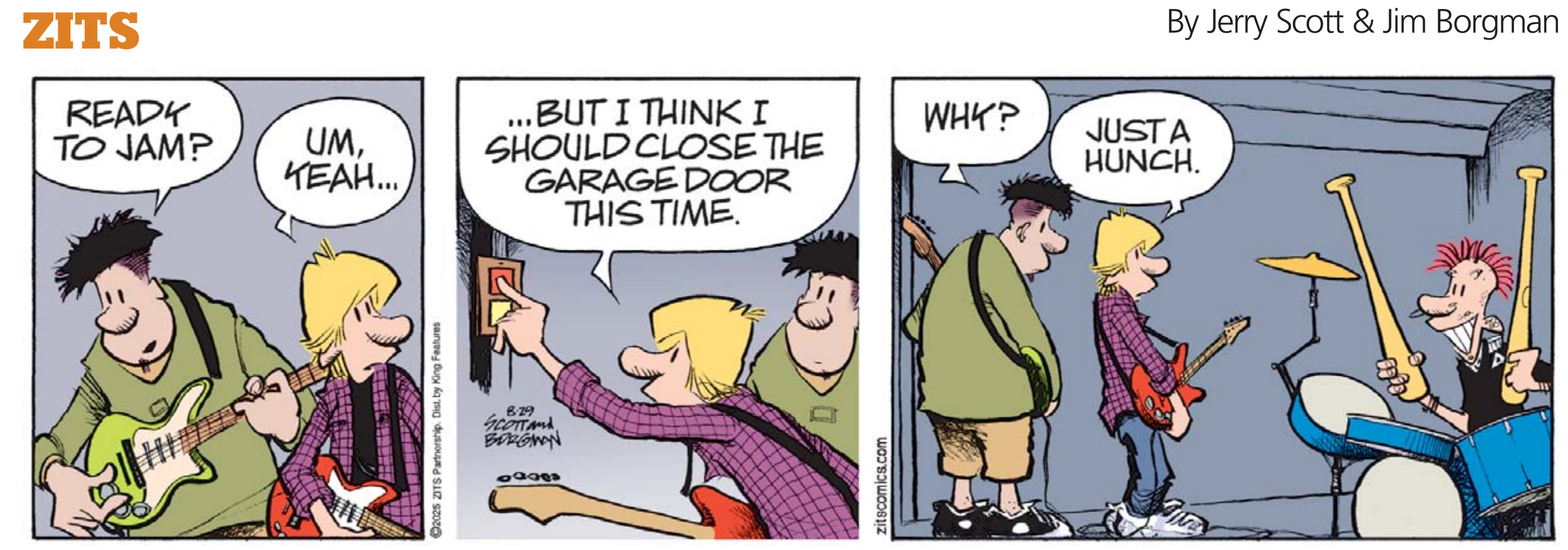

दोवड़ा थाने में पुलिस हिरासत में युवक की तबीयत बिगड़ने का मामला

युवक की मौत की अफवाह से आक्रोशित भीड़ ने डीएसपी की कार पर पथराव किया

माहौल तनावपूर्ण होने से डूंगरपुर जिले के सभी थानों की पुलिस दोवड़ा में तैनात

डूंगरपुर, (निसं)। दोवड़ा थाने में चोरी के आरोप में पकड़े गए आरोपी की तबीयत खराब होने के दूसरे दिन इलाज के दौरान मौत की अफवाह उड़ी। बीएपी और उसके समर्थक दोवड़ा थाने के पास ही तिराहे पर इकट्ठे हो गए। लोगों ने दो बार जाम लगाया। पुलिस ने लोगों से समझाइश कर जाम खुलवाया। वहीं, सराडा से ड्यूटी पर आए डीएसपी की कार को लोगों ने रोककर पथराव कर दिया। कार का साइड ग्लास भी खींचकर तोड़ दिया। पथराव में कार के शीशे फूट गए।

युवक की मौत की अफवाह के बाद लोगों ने जाम लगा दिया।

लोगों ने सराडा पुलिस उप अधीक्षक की गाड़ी पर पथराव कर दिया।

जानकारी के अनुसार दोवड़ा थाना पुलिस ने देवसोमनाथ कलारिया निवासी दिलीप अहारी को शुक्रवार को अलसुबह डूंगरपुर शहर में उसकी बुआ के घर से चोरी के एक मामले में पकड़ा था। उसके बाद पुलिस उसे लेकर थाने आई। जहां पुलिस ने उससे पूछताछ शुरू की। इस दौरान दिलीप की तबीयत बिगड़ गई। पुलिस ने उसे जिला अस्पताल में लाकर भर्ती करवाया। परिजनों को पता चलने पर परिजन व गांव के लोग जिला अस्पताल पहुंचे और हंगामा कर दिया था। युवक की तबीयत खराब होने और उसे उदयपुर रेफर कर दिया था। जहां सोमवार को इलाज के दौरान युवक की मौत की अफवाह पर लोग आक्रोशित हो गए। परिवार के लोग ओर बीएपी समर्थक भी थाने पहुंच गए।

लोगों ने पुलिस पर युवक से मारपीट का आरोप लगाया और दोवड़ा थाने के पास ही डूंगरपुर, पुनाली, फ्लोज रोड पर तिराहे पर जाम लगा दिया। पुलिस ने समझाइश पर उन्हें हटाया। इस बीच सराडा से ड्यूटी पर आए डीएसपी चांदमल सिंगाडिया अपनी सरकारी कार से थाने की ओर जा रहे थे। इसी दौरान कुछ बदमाश युवकों ने उनकी कार रोक ली। पीछे से कुछ युवकों ने हल्ला करते हुए पत्थर मारा, जिससे कार के शीशे फूट गए। एक युवक डीएसपी की कार के सामने आकर उसकी तरफ का दरवाजा खोलने लगा। दरवाजा नहीं खुलने पर साइड ग्लास तोड़ दिया। उनकी कार पर मुक्के मारे। हालांकि पथराव में डीएसपी को कोई चोट नहीं आई है।

लोगों के हंगामे और माहौल तनावपूर्ण होने से डूंगरपुर जिले के सभी थानों की पुलिस को दोवड़ा में तैनात किया गया है। एडिशनल एसपी अशोक कुमार, डीएसपी समेत कई अधिकारी ओर जवान तैनात किए गए है। वही उदयपुर ओर सलूंबर जिले से भी पुलिस बल की बुलाया गया है।

कलेक्ट्री पहुंचे बीएपी नेता ओर लोग:- दोवड़ा थाने के पास हंगामे के बाद बीएपी नेता और लोग थाने पहुंचे। आसपुर विधायक उमेश डामोर, दिग्विजय सिंह चुंडावत समेत कई लोगों ने कलेक्ट्री पहुंचकर आक्रोश जताया। युवक से मारपीट का आरोप लगाते हुए पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

- **'बीमार युवक का उदयपुर के अस्पताल में इलाज जारी है। जिसकी स्थिति स्थिर बनी हुई है'**

इधर इस पूरे घटनाक्रम को लेकर एसपी डूंगरपुर मनीष कुमार ने बताया कि बीमार युवक का उदयपुर के अस्पताल में इलाज जारी है। जिसकी स्थिति स्थिर बनी हुई है। वहीं, उन्होंने कहा कि परिजन जिन पुलिसकर्मियों पर मारपीट के आरोप लगा रहे हैं, उस मामले की जांच की जाएगी और दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई भी की जाएगी। एसपी ने लोगों से अफवाह पर ध्यान नहीं और कानून व्यवस्था बनाए रखने की अपील की है।

11 क्विंटल मिलावटी व दूषित पनीर नष्ट करवाया

- **मिलावटी पनीर की सूचना पर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने कार्रवाई की**

पावटा, (निसं)। "शुद्ध आहार मिलावट पर वार" अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा अधिकारियों एवं जांच दल ने बीती रात ककराली छटी मील के पास अलवर से पिकअप में लोड कर विराटनगर के रास्ते पर बड़ी कार्रवाई की। टीम ने एक पिकअप वैन से 11 क्विंटल 10 किलोग्राम मिलावटी पनीर बरामद किया और उसे नष्ट करवाया।

आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रक डॉ. टी. शुभमंगला, जिला कलक्टर प्रियंका गोस्वामी, एडीएम ओमप्रकाश सहारण के निर्देशन में सिंथेटिक व मिलावटी पनीर को ककराली छटी मील के पास अलवर से पिकअप में लोडकर विराटनगर के रास्ते होते हुए जयपुर जाने की सूचना पर पुलिस द्वारा चेक पोस्ट थाना विराटनगर पर रुकवाया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों एवं जांच दल द्वारा मौके पर पहुंचकर पिकअप में रखे बक्सों का निरिक्षण किया गया। जिनमें लगभग 11 क्विंटल 10 किलो पनीर रखा हुआ था। निरीक्षण के दौरान यह पनीर मिलावटी एवं दूषित पाया गया। पिकअप वाहन चालक से इस बारे में पूछताछ की गई तो उसने यह मिलावटी पनीर साहुन डेयरी ककराली अलवर से लाना व विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया जयपुर में देना बताया। जांच टीम द्वारा उक्त मामले में वाहन चालक को डेयरी मालिक से बात करवाने एवं मिलावटी एवं सिंथेटिक पनीर के बारे में दूरभाष के जरिए बात करवाने को कहा। जिस पर बात करने पर डेयरी मालिक द्वारा कोई संतोष पूर्ण जवाब नहीं दिया गया वह फोन बंद कर लिया गया, जिस पर खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए इस पनीर से दो नमूने जांच हेतु लिए गए। वहीं नमूने लेने के बाद शेष बचे हुए पनीर को जनहित को देखते हुए जेसीबी बुलाकर गड्ढा खुदवाकर नियमानुसार उक्त मिलावटी व दूषित पनीर को नष्ट करने की कार्रवाई की गई।

शराब पीकर उत्पात मचाते छह जने गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन वृत्ताधिकारी राजेश विद्यार्थी के सुपरविजन में, मेहन्दवास थानाधिकारी के नेतृत्व गठिम टीम ने रविवार की रात्रि गश्त के दौरान कार्रवाई करते हुए रात्रि को शराब पीकर उत्पात मचाते हुए छह व्यक्तियों को गिरफ्तार कर एक कार जब्त की है। वहीं पांच लीटर अवैध हथकड़ शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

मेहन्दवास थानाधिकारी ने बताया कि रविवार को रात्रि गश्त के दौरान थाना पुलिस टीम ने शराब पीकर उत्पात मचाते हुये नेशनल हाईवे 52 स्थित अरनियानील व छाण चौराहा से छह व्यक्तियों को गिरफ्तार किया एवं एक कार को भी जब्त किया गया तथा वही रात्रि गश्त के दौरान मेहन्दवास-अमीनपुरा मार्ग पर आरोपी भरत मीणा पुत्र पन्ना लाल मीणा निवासी अहमदपुरा उर्फ नयागाव थाना मेहन्दवास को पांच लीटर अवैध हथकड़ शराब के साथ गिरफ्तार कर उसके खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस द्वारा बीएनएसएस में गिरफ्तार किये गये आरोपियों में अभिजीत पुत्र बनवारी लाल बैरवा, अजीत पुत्र बनवारी लाल बैरवा, महेन्द्र मीणा पुत्र छगन लाल, हीरा लाल कीर पुत्र लक्ष्मण कीर, सानु सैनी पुत्र नन्दकिशोर माली व मुकेश पुत्र गोकुल गुर्जर निवासी मोडियाला थाना मेहन्दवास शामिल है।

अस्पताल के गेट पर मिले नवजात की इलाज के दौरान मौत

डूंगरपुर, (निसं)। जिला अस्पताल के गेट पर लावारिस मिले एक नवजात शिशु की इलाज के दौरान मौत हो गई। चार दिन पहले यह नवजात अस्पताल के मुख्य द्वार पर मिला था, जिसका जिला शिशु अस्पताल में इलाज चल रहा था। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव राजकीय शिशु गृह को सौंप दिया है और मामले की जांच में जुटी है।

- **25 सितंबर की रात में अज्ञात व्यक्ति नवजात को डूंगरपुर जिला अस्पताल के मुख्य द्वार पर छोड़ गया था**

राजकीय शिशु गृह के मैनेजर कुलदीप शर्मा ने बताया कि 25 सितंबर की रात करीब तीन बजे एक अज्ञात व्यक्ति नवजात को डूंगरपुर जिला अस्पताल के मुख्य द्वार पर छोड़कर चला गया था।

सूचना मिलने पर पुलिस और शिशु गृह के अधिकारी मौके पर पहुंचे थे। नवजात को तत्काल जिला शिशु अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई थी। डॉक्टरों ने उसका इलाज शुरू किया, लेकिन रविवार रात इलाज के दौरान नवजात की मौत हो गई। शिशु की मौत के बाद शव को मोर्चरी में रखवाया। सोमवार सुबह पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम करवाया और फिर उसे राजकीय शिशु गृह को सुपुर्द कर दिया। मैनेजर शर्मा ने बताया कि नगरपरिषद की मदद से नवजात का अंतिम संस्कार किया जाएगा। कोतवाली थाना पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है और उस अज्ञात व्यक्ति की तलाश में जुटी है, जिसने नवजात को अस्पताल के गेट पर छोड़ा था।

बीकानेर में 64 हजार बैग नकली उर्वरक जब्त

बीकानेर, (निसं)। कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा रविवार को एक बार फिर एक्शन मोड में नजर आए। इस बार उन्होंने बीकानेर जिले में नकली बायो उर्वरक बनाने वाली दो बड़ी इकाइयों पर छापेमारी की। पहली कार्रवाई गजनेर थाना क्षेत्र के खारी गंगापुरा गांव में हुई, जहां से करीब 24 हजार बैग नकली उर्वरक के जब्त किए गए। दूसरी कार्रवाई कोलायत के सांखला फांटे से तीन किलोमीटर कोलायत की तरफ की गई, जहां से 40 हजार बैग प्रथमदृष्टया नकली बायो उर्वरक पाए गए। कार्रवाई के दौरान कृषि विभाग के जॉइंट डायरेक्टर मदनलाल और अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

मंत्री मीणा ने बताया कि इन इकाइयों से न केवल राजस्थान के विभिन्न जिलों में, बल्कि नेपाल तक माल सप्लाई किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि यह नकली उर्वरक किसानों की जमीन को बंजर बना रहा है। ऐसी इकाइयों पर लगातार सख्त कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले भी पदमपुर में एक नकली उर्वरक इकाई पर छापा मारकर ठोस सबूत जुटाए गए थे, जिनके आधार पर यह नई कार्रवाई की गई। मीणा ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि दोनों इकाइयों को तुरंत सीज किया जाए और उर्वरक की जांच रिपोर्ट तैयार करवाई जाए, ताकि किसानों को नुकसान न हो। कृषि मंत्री ने चेतावनी दी कि जो भी नकली खाद-बीज बनाने और बेचने का काम कर रहा है, उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी। किसानों से अपील की गई कि वे केवल प्रमाणित विक्रेताओं से ही खाद-बीज खरीदें और संदेह होने पर तुरंत विभाग को सूचित करें। जानकारी के अनुसार इससे पूर्व तीन बार बीकानेर में किरोड़ी लाल मीणा के निर्देश पर नकली उर्वरक और बीज बनाने वाली इकाइयों के खिलाफ कार्रवाई की गई थी।

आयड़ नदी में बहे युवक का शव 23 दिन बाद मिला

छह सितम्बर को दो युवक बह गए थे, एक को रेस्क्यू किया और दूसरे की तलाश की जा रही थी

उदयपुर, (कासं)। शहर की आयड़ नदी में करीब 23 दिन पूर्व तेज बहाव में बहे एक युवक का शव सोमवार सुबह आयड़ नदी पर बने कानपुर गांव के शमशान की पुलिया के नीचे से बरामद हुआ। पिछले 23 दिन से यह युवक लापता था। इसकी परिजन इसकी लगातार तलाश कर रहे थे। इसके बावजूद इसका पता नहीं चल रहा था। पिछले दो-तीन दिन से लगातार चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान गोताखोर छोटू हेला की टीम को इस युवक का शव मिला। शव पूरी तरह से सड़-गल चुका है और केवल हड्डियों का ढांचा ही बचा है। मृतक की पहचान उसके द्वारा पहनी गई पेट के आधार पर हुई है।

जानकारी के अनुसार छह सितंबर को आयड़ नदी में दो युवक तेज बहाव के बीच में फंस गए थे। इनमें से एक युवक को करीब 8 घंटे की अथक प्रयास के बाद रेस्क्यू कर लिया था। इस नदी में बहे रवि खोखर पुत्र रमेश खोकर नामक युवक का पिछले 23 दिन से पता नहीं चल रहा था और इसकी परिजन काफी परेशान थे।

प्रशासन के निर्देश पर पिछले चार दिनों से छोटू हेला और उसकी टीम द्वारा लगातार आयड़ नदी में रवि खोखर की तलाश की जा रही थी। सोमवार सुबह आयड़ नदी के कानपुर खेड़ा शमशान में पुलिया के पास में एक लोहे के खाट पर एक शव पड़ा हुआ मिला जिसे देखकर लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर सिविल डिफेंस और गोताखोर छोटू हेला की टीम पहुंची। बड़ी मशक्कत से शव को बाहर निकाला। मृतक की पहचान उसके द्वारा पहनी गई जींस और शर्ट के द्वारा की गई। शव पूरी तरह से सड़ गल गया था। पुलिस ने शव कब्जे में ले कर मोरचरी में रखवाया और पोस्टमार्टम के बाद उसके परिजनों को सुपुर्द किया।

नील गाय के बच्चों व मोर की जान बचाई

शाहपुरा, (निसं)। ग्राम बिलान्दपुर में एक खेत में नील गाय के बच्चे पर तीन चार श्वानों ने हमला करके घायल कर दिया। ग्रामीणों ने बच्चे को छुड़ाया और इसकी सूचना पशुधन निरीक्षक गोविन्द भारद्वाज को दी।

सूचना मिलते ही भारद्वाज ने मौके पर पहुंचकर घायल नीलगाय के बच्चे का उपचार किया। भारद्वाज ने बताया कि श्वानों ने बच्चे के तीन चार घाव बना दिये थे, जिनकी ड्रेसिंग की गई। उपचार के बाद भारद्वाज ने बच्चे को खेत में सुरक्षित स्थान पर पास छोड़ा। इसके अलावा भाबरू, मनोहपुर, टसकोला, भौनावास, मंढ I, पावटा आदि गांवो में श्वानों के हमले में घायल एक दर्जन नील गाय के बच्चों एवं एक मोर का उपचार किया। भारद्वाज ने इस सितम्बर माह में अब तक 147 नील गाय के बच्चों का उपचार किया।

शराब से भरी कार जब्त, तस्कर फरार

डूंगरपुर, (निसं)। कुआं थाना पुलिस ने खार-दरियाटी रोड पर शराब से भरी एक कार जब्त की है। पुलिस ने कार से शराब के 29 कार्टन बरामद किए हैं। हालांकि, कार ड्राइवर तस्कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

- **29 कार्टन अवैध शराब बरामद, आबकारी एक्ट में मामला दर्ज**

थानाधिकारी ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार के निर्देश पर जिले में अवैध शराब तस्करी के खिलाफ ऑपरेशन स्वच्छता चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत पुलिस को अवैध शराब तस्करी की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर खार दरियाटी मार्ग पर नाकेबंदी की गई। इस दौरान पुलिस ने एक कार को रुकने का इशारा किया, लेकिन चालक कार को घुमाकर भागने लगा। पुलिस टीम ने कार का पीछा किया। चालक कार को रास्ते में छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने कार को जब्त कर लिया। तलाशी के दौरान कार से शराब और एक फर्जी नंबर प्लेट बरामद हुई।

खार-दरियाटी रोड पर शराब से भरी कार को पुलिस ने जब्त किया।

350 लीटर सरस घी व 448 किलो मूंगफली तेल सीज़

भीम, (निसं)। कस्बे के रोडवेज बस स्टैंड टॉडगढ़ रोड स्थित खाद्यान्न वस्तुओं के गोदाम पर सोमवार को जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी प्रेमचंद शर्मा ने टीम सहित कार्रवाई करते हुए 350 लीटर सरस घी एवं 448 किलो मूंगफली का तेल सीज किया है।

जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी प्रेमचंद शर्मा ने बताया कि शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्त टी शुभ मंगला के निर्देशन पर जिला कलेक्टर तथा जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के आदेश अनुसार राज्य सरकार द्वारा 4 सितंबर से 30 सितंबर तक चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत सोमवार को भीम कस्बे के रोडवेज बस स्टैंड टॉडगढ़ रोड स्थित अरुण ट्रेडिंग कंपनी पर सरस घी एवं मूंगफली तेल के नमूने लेकर सीज किए हैं।

ग्रामीण सेवा शिविर में लोगों को राहत मिली

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर सेवा पर्व पखवाड़े के तहत उदयपुर जिले में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर एक आदिवासी परिवार के लिए खुशियों की सौगात लेकर आया**
- **पंचायत समिति भोपालगढ़ की ग्राम पंचायत देवातड़ा में ग्रामीणों ने नाइयों व नायकों के मोहल्ले में लंबे समय से चली आ रही कम वोल्टेज और पुरानी केबल की समस्या का समाधान हुआ**

जयपुर। जोधपुर के देवातड़ा में ग्रामीणों को बिजली से लेकर संपत्ति अधिकार तक राहत मिली है। पंचायत समिति भोपालगढ़ की ग्राम पंचायत देवातड़ा में ग्रामीणों ने नाइयों व नायकों के मोहल्ले में लंबे समय से चली आ रही कम वोल्टेज और पुरानी केबल की समस्या के बारे में बताया। शिविर प्रभारी और भोपालगढ़ तहसीलदार के निर्देश पर जेवीवीनएन के सहायक अभियंता ने आरडीएसएस योजना के अंतर्गत गाँव में 40 केवीए का नया ट्रांसफार्मर लगाया गया। साथ ही, पाँच नए पोल और 100 मीटर नई केबल डालकर कम वोल्टेज की समस्या का स्थाई समाधान कर दिया गया। रामदीन के लिए भी यह शिविर एक नई ख़ुशी लेकर आया। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी स्वामित्व योजना के तहत रामदीन पुत्र देवाराम को प्रॉपर्टी कार्ड और पट्टा प्रदान किया गया। प्रॉपर्टी कार्ड और पट्टा पाकर रामदीन की आँखों में खुशी छलक उठी। उन्होंने सरकार और प्रशासन के इस प्रयास के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर सेवा पर्व पखवाड़े के तहत उदयपुर जिले में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर एक आदिवासी परिवार के लिए खुशियों की सौगात लेकर आया। गिर्वा तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायत खजूरी में आयोजित शिविर में आदिवासी बीपीएल परिवार की पुत्री सुगना मीणा के विवाह पर मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के लिए आवेदन किया। शिविर प्रभारी के निर्देशन में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की ओर से आवेदक से संपर्क कर दस्तावेजों की पूर्ति कराकर आवेदन अग्रेषित किया गया। सामाजिक सुरक्षा अधिकारी गिर्वा ने 51000 रूपए की सहायता राशि की हाथों-हाथ स्वीकृति जारी करवाई। शिविर स्थल पर ही लाभार्थी को स्वीकृति पत्र भी प्रदान किया गया।

जयपुर जेल से 150 कैदी श्यालावास जेल भेजे

दौसा, (निसं)। श्यालावास स्थित राज्य की एकमात्र विशिष्ट केंद्रीय कारागृह में बंदियों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। गत तीन दिन में केंद्रीय कारागृह जयपुर से 150 कैदियों को स्थानांतरित किया गया है। जयपुर जेल में जनाधिक्य की समस्या के चलते जेल मुख्यालय ने बंदियों को श्यालावास की जेल में स्थानांतरित करने का निर्णय लिया है। जेल अधीक्षक पारस जांगिड़ ने 150 बंदियों के जेल दाखिल होने की पुष्टि की है। इससे जेल जनसंख्या 450 के पार पहुंच गई है।

व्याख्याता बृजेश कुमार ने एनसीसी थर्ड ऑफिसर रैंक हासिल की

बूंदी, (निसं)। पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बूंदी में चित्रकला के व्याख्याता बृजेश कुमार ने राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के पीआरसीएन कोर्स में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर थर्ड ऑफिसर की रैंक स्टार अर्जित की। राउमावि बूंदी में एनसीसी प्रभारी रहे बृजेश कुमार ने ऑफिसर ट्रेनिंग अकादमी, कामठी (नागपुर, महाराष्ट्र) में 30 जुलाई से 27 सितंबर तक प्रशिक्षण पूर्ण कर यह उपलब्धि प्राप्त की। प्रशिक्षण पूर्ण कर विद्यालय लौटने पर प्राचार्य राजेंद्र कुमार माथुर ने उनके कंधे पर सितारा लगा कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समस्त स्टाफ, एसपीसी बैंड की धुन तथा एनसीसी और एसपीसी कैडेट्स की उपस्थिति में बृजेश कुमार का स्वागत किया गया।

व्याख्याता बृजेश कुमार का विद्यालय परिवार ने स्वागत किया।

शहरी आबादी क्षेत्र में वन्यजीव ने बकरियों का शिकार किया

बूंदी, (निसं)। सोमवार को शिव कॉलोनी उंदालिया की डूंगरी क्षेत्र में वन्य जीव द्वारा चार बकरियों के शिकार किए जाने की घटना सामने आई है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि सुबह जब वह उठे तो उन्हें अपने पास स्थित बाड़े में चार बकरियां मृत अवस्था में पड़ी हुई नजर आई। देखते ही देखते वहां लोगों की भीड़ एकत्र हो गई।

क्षेत्रीय निवासी कन्हैया, शिव ने बताया कि रात्रि के समय कोई वन्य जीव बाड़े में आया और चार बकरियों को मार कर उनमें से एक बकरी को पूरी तरह खा गया। बाड़ा मालिक कन्हैयालाल बांगडी जब सुबह पांच बजे उठकर अपनी बकरियों को देखने गया तो उसे तीन बकरियां और एक बकरा मृत अवस्था में मिला। एक बकरी के शरीर का कुछ हिस्सा ही बचा हुआ था। वहीं अन्य के शरीर पर वन्य जीव द्वारा हमला किए जाने के निशान पाए गए। सूचना मिलने पर क्षेत्रिय वन अधिकारी बलराम गोचर अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का बारिकी से निरीक्षण किया। बलराम ने बताया कि क्षेत्र में पथरीला इलाका और मिट्टी नही होने कारण वन्यजीव के पगमार्ग नहीं मिल सके हैं। शव का पोस्टमार्टम करवाकर अंतिम संस्कार किया गया है। बकरी मालिक को सरकार के नियमानुसार उचित मुआवजा दिया जाएगा। प्रथम दृश्यता में लग रहा है कि वनयजीव द्वारा ही बकरियों का शिकार किया गया है। पैंथर द्वारा शिकार किए जाने की संभावना है, क्योंकि अभी बाघिन इस क्षेत्र में मौजूद नहीं है।

शॉर्ट सर्किट से कार पर बिजली का तार गिरा, कार जली

उदयपुर, (कासं)। शहर के भूपालपुरा थाना इलाके में रविवार रात शॉर्ट सर्किट के चलते बड़ा हादसा हो गया, जहां खड़ी कार पर बिजली का तार टूटकर गिर पड़ा। इससे कार में आग लग गई। थोड़ी ही देर में कार जलकर राख हो गई।

घटना उदयपुर शहर के भूपालपुरा स्थित पुलिस चौकी के पास की है। आयड़ नदी से सटे इस इलाके में घर के बाहर ही कार खड़ी कर रखी थी। तभी कार के ऊपर से जा रही लाइन का तार टूटकर कार पर गिर गया। आग की लपटें उठते देख आसपास रहने वाले लोग भी जग गए और बाहर आ गए। घटना के बाद क्षेत्र में रात को अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल दल मौके पर पहुंचा और आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक कार पूरी तरह से जल चुकी थी। फायर स्टेशन की रिपोर्ट में पता चला कि जहां कार खड़ी थी उसके ऊपर से गुजर रही लाइन में शॉर्ट सर्किट हुआ और नीचे एक तार गिरा, जिससे कार ने आग पकड़ ली और पूरी कार जल गई। कार भूपालपुरा निवासी कमल साहित्य की थी। उदयपुर के मुख्य अग्निशमन अधिकारी बाबूलाल चौधरी ने बताया कि आग की सूचना मिलने पर रात करीब एक बजे एक दमकल मौके पर भेजी और आग पर नियंत्रण करने के बाद रात करीब दो बजे गाड़ी वापस फायर स्टेशन आई। फायर की टीम में फायरमैन कैलाश यादव, सुरेश मीणा, कैलाश मेघवाल और वाहन चालक यूसुफ मोहम्मद शामिल थे।

'बाहर वालों पहले अपना घर सुधार लो, हम अपना घर खुद देखेंगे'

- **जैसलमेर विधायक छोटूसिंह भाटी ने प्रेस वार्ता की**

जैसलमेर, (नि.सं.)। भाजपा कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में जैसलमेर विधायक छोटूसिंह भाटी ने बताया कि बाहरी नेता पहले अपना घर तो सुधार लें, हम अपना घर सुधार लेंगे। भाटी ने कहा कि कई नेता आते हैं, माइक पर भाषणबाजी कर चले जाते हैं। उन्होंने बाड़मेर के नेताओं और अन्य जिलों के नेताओं पर तीखा तंज कसते हुए यह बात कही। विधायक भाटी ने कहा कि मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि मुखिया हम हैं, हम दोनों विधायक (पोकरण और जैसलमेर) पूरे मन से ओरण प्रेमियों के साथ हैं।

उनका इशारा शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी और बीजेपी बाड़मेर के पूर्व जिलाध्यक्ष स्वरुप सिंह खारा को लेकर है। जैसलमेर में हर मुद्दे पर बाहरी जिलों के नेताओं के आने के सवाल करने पर जैसलमेर विधायक ने उन पर तंज कसते हुए ऐसा कहा। गौरतलब है कि जैसलमेर में ओरण-गोचर भूमि को बचाने के लिए चल रहा धरना तेज हो गया है। शुक्रवार 26 सितंबर को ओरण संरक्षण आक्रोश रैली में ग्रामीणों, संतों और जन प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया, जहां प्रशासन को मांगों का ज्ञापन सौंपा गया। पिछले कई दिनों से चल रहे धरने में प्रशासन के आश्वासनों को लॉलीपॉप बताते हुए ग्रामीणों और पर्यावरण प्रेमियों ने बड़ा आंदोलन छेड़ने की चेतावनी दी है।

बाल कल्याण पुलिस अधिकारियों ने बाल विवाह रोकथाम की शपथ ली

दौसा। नवरात्र के उपलक्ष्य में बाल विवाह रोकथाम के लिए आयोजित किए जा रहे जनजागरुकता अभियान के तहत सोमवार को जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय में बाल विवाह मुक्त राजस्थान अभियान की प्रगति के लिए चर्चा सत्र एवं शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विशेष किशोर पुलिस इकाई एवं मानव तस्करी विरोधी यूनिट ने भाग लिया।

- **21 वर्ष से कम आयु के लड़का एवं 18 वर्ष से कम आयु की लड़की के विवाह की कुप्रथा को हतोत्साहित करने के लिए जनजागरुकता कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है**

जनजागरुकता अभियान के तहत जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय में बाल विवाह मुक्त राजस्थान अभियान की प्रगति के लिए चर्चा सत्र एवं शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया।

जिला बाल संरक्षण ईकाई एवं बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक विश्वदेव पांडेय ने बताया कि महिलाओं एवं बालिकाओं के अधिकारों एवं विकास में बाल विवाह जैसी कुरीति बड़ी बाधा है। इसकी रोकथाम एवं नारी शक्ति के संबलन के लिए विभाग की ओर से बाल विवाह मुक्त राजस्थान अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत 21 वर्ष से कम आयु के लड़का एवं 18 वर्ष से कम आयु की लड़की के विवाह की कुप्रथा को हतोत्साहित करने के लिए जनजागरुकता कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। कार्यक्रम में दौसा जिले के सभी पुलिस थानों में कार्यरत बाल कल्याण पुलिस अधिकारियों ने बाल विवाह रोकथाम के लिए प्रयास करने एवं जनजागरुकता फैलाने की शपथ ली।गौरतलब है कि जेजे एक्ट की धारा 107 के तहत प्रत्येक पुलिस थाने में बच्चों से संबंधित अपराधों को प्रभावी रूप से देखने के लिए सहायक उप निरीक्षक पुलिस से अन्यून स्तर के पुलिस अधिकारी को बाल कल्याण पुलिस अधिकारी नियुक्त किया हुआ है।इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गुरुशरण राव, बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक विश्वदेव पांडेय, मानव तस्करी विरोधी यूनिट से एएसआई दीपक शर्मा, चाइल्ड हेल्प लाईन 1098 प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर नरेश मीना, परामर्शदाता लोकेश मीना सहित अन्य प्रतिभागी उपस्थित रहे।

फ्लैगशिप योजनाओं की प्रभावी मॉनिटरिंग के निर्देश

दौसा। जिला कलक्टर देवेंद्र कुमार ने सोमवार को यहां जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में केन्द्र एवं राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं की समीक्षा की।

- **साप्ताहिक समीक्षा बैठक में केन्द्र एवं राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं की समीक्षा की**

उन्होंने अधिकारियों को फ्लैगशिप योजनाओं की प्राथमिकता से प्रभावी मॉनिटरिंग करते हुए क्रियान्वयन की गति बढ़ाने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर देवेंद्र कुमार ने जिला रसद अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि वर्तमान में एनएफएसए पोर्टल चालू है जिसके माध्यम से खाद्य सुरक्षा योजना में सभी पात्र लोगों के नाम जोड़ने की त्वरित कार्यवाही करें। उन्होंने लाडो योजना की समीक्षा करते हुए महिला अधिकारिता विभाग को चिकित्सा विभाग से समन्वय कर योजना का अधिकतम लाभ दिलवाने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने लखपति दीदी, सोलर दीदी, ड्रोन दीदी एवं अन्य योजनाओं में जिले की प्रगति के प्रति संतोष व्यक्त करते हुए प्रदर्शन को और बेहतर करने के निर्देश प्रदान किए। उन्होंने जल जीवन मिशन में लंबित कनेक्शन शीघ्र जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने सार्वजनिक निर्माण विभाग को दिवाली से पहले सड़कों का पेचवर्क करवाने के निर्देश दिए। साथ ही, शहर में स्वच्छता के लिए नगर परिषद आयुक्त को निर्देशित किया गया। जिला कलक्टर ने जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड को लक्ष्य के अनुरूप सोलर कनेक्शन करवाने तथा निर्धारित समय सीमा तक राजकीय कार्यालयों पर सोलर प्लान्ट लगाने के निर्देश प्रदान किए। जिला कलक्टर देवेंद्र कुमार ने प्राथमिक चिकित्सा केन्द्रों तथा उच्च माध्यमिक विद्यालयों में ब्रॉडबैण्ड कनेक्टीविटी उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने श्रम विभाग से जारी होने वाली लंबित स्कॉलरशिप की समीक्षा करते हुए पात्र लोगों को समय पर लाभ देने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने जिले की बजट घोषणाओं की प्रगति, राइजिंग राजस्थान के एमओयू क्रियान्वयन, भूमि रूपान्तरण प्रकरण, लाईटस प्रकरण तथा आदर्श ग्राम एवं संबल विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर दौसा रामस्वरूप चौहान, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नरेंद्र कुमार मीणा, नगर परिषद आयुक्त कमलेश मीणा सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

फर्जी सामूहिक विवाह धोखा

कोटपूतली। पीएम मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में 17 सितम्बर से 02 अक्टुबर तक आयोजित किये जा रहे सेवा पखवाड़े के तहत भाजपा जयपुर देहात उत्तर के तत्वाधान में जिला स्तरीय प्रबुद्धजन सम्मेलन रविवार शाम कस्बे के जयपुर-दिल्ली राजमार्ग की सर्विस लेन स्थित दीवान होटल सभागार में सम्पन्न हुआ। सम्मेलन का उद्घाटन बतौर मुख्य वक्ता राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने मां भारती, पं. दीनदयाल उपाध्याय व श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर समक्ष द्वीप प्रज्जवलन कर किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये तिवाड़ी ने कहा कि मोदी सरकार का काल खण्ड देश ही नहीं बल्कि दुनिया भर में एक युग के रूप में जाना जायेगा। क्योंकि पीएम मोदी ने भारतवर्ष को विश्व गुरू ही नहीं बल्कि इसके साथ-साथ विश्व बंधु बनाने के कदम पर आगे बढ़ाया हैं।

आज दुनिया भर में भारत एक सकारात्मक भुमिका निभा रहा हैं। साथ ही विश्व पटल पर नई शक्ति बनकर उभरा हैं। 11 वर्षो की मोदी सरकार का कार्यकाल देश के लिये अभुतपूर्व विकास, लोक कल्याणकारी शासन व जनहित की नीतियों का काल खण्ड साबित हुआ हैं। पीएम मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार के निर्णयों ने देश की दशा व दिशा में बेहद सकारात्मक सुधार किये हैं। जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेन्द्र सिंह ने हाल ही में केन्द्र सरकार द्वारा लागु किये गये जीएसटी सुधारों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

विभिन्न झांकियों का प्रदर्शन

कोटपूतली। शारदीय नवरात्रि के अवसर पर कस्बे के पूतली रोड़ पर लेक हाउस स्थित श्री दुर्गा माता मंदिर में सोमवार को सप्तमी पर विषाल जागरण का आयोजन किया गया। इस मौके पर स्थानीय कलाकारों सहित बाहर से आये कलाकारों ने माता के एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत किये। मंदिर के पुजारी पं. योगेश शर्मा ने बताया कि मंदिर परिसर में प्रत्येक नवरात्र में सप्तमी को दुर्गा माता के विषाल जागरण का आयोजन किया जाता हैं। इस अवसर पर विभिन्न झाकियों का प्रदर्शन किया गया। श्री श्याम शक्ति मंडल एवं हरीश आर्ट ग्रुप नारनौल व टिंकू म्यूजिक ग्रुप के द्वारा भजनों की प्रस्तुतिया दी गई। साथ ही हनुमान जी, राधा कृष्ण, शंकर पार्वती, सुदामा, माता वैष्णों की सजीव झांकियों की प्रस्तुतियां दी गई। वहीं श्री श्याम शक्ति मंडल के कलाकारों ने माता के एक से बढ़कर एक भजन सुनायें।

नाम परिवर्तन

मैंने अपने पुत्र का नाम हर्षवर्धन सिंह से बदलकर हर्षवर्धन सिंह शेखावत पुत्र शेर सिंह शेखावत रख लिया है भविष्य में इसी नाम से जाना व पहचाना जावेगा। निवासी आर-17, सेन्ट्रल कॉलोनी, रोड नं. 9, वी.के.आई. ऐरिया, जयपुर, राजस्थान

मेरे पुत्र तनिष्क के कागजों में मेरा नाम सीमा वर्मा हो गया है जो कि गलत है। मेरा सही नाम सीमा देवी है। सीमा देवी पत्नी मनोज कुमार वर्मा बॉस एक्लेव, गोनेर रोड, जगतपुरा जयपुर

मैं रेखा पत्नि श्री हेमन्त चौधरी निवासी कायस्थपाडा, बाडी धौलपुर की निवासी हूँ मेरा आधार कार्ड व पेन कार्ड में नाम रेखा है। जन्म तिथि 01.01.1984 है। लेकिन PNB Metlife Insurance में गलती से रेखा चौधरी तथा जन्मतिथि 01.01.1985 दर्ज हो गया था और मेरे को रेखा एवं रेखा चौधरी नाम से पहचाना जाता है। और भविष्य में मुझे रख जन्म तिथि 01.01.1984 के नाम से जाना जावें।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

मर्यादा पुरुषोत्तम राम के जीवन से प्रेरणा ले और सच्चाई का साथ दें : रामहेत यादव

किशनगढ़ बास। कला मंच की और से किशनगढ़ पीजी कॉलेज खेल मैदान पर आठवें दिन रविवार रात्रि को लंका दहन की लीला का मंचन किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि राष्ट्रीय परिषद भाजपा सदस्य पूर्व विधायक रामहेत यादव सहित अतिथियों ने रामायण जी की आरती की व कला मंच के कलाकारों ने अतिथियों का दुपट्टा पहनाकर एवं राम परिवार की तस्वीर भेंट कर सम्मान किया।

इस अवसर रामहेत यादव ने कला मंच की टीम व कलाकारों को रामलीला के मंचन को लेकर बधाई दी और कहा रामायण राम कथा हमें सांसारिक जीवन में त्याग तपस्या भक्ति की प्रेरणा देती है। मर्यादा पुरुषोत्तम राम के जीवन से हम लोग प्रेरणा ले की हमेशा सच्चाई का साथ दें और भगवान श्री राम की तरह जीवन में कठिनाइयां से डरें नहीं बल्कि उनके आदर्श मार्ग पर आगे बढ़े। इस दौरान यादव ने क्षेत्र की खुशहाली और संपन्नता को लेकर भगवान राम से प्रार्थना की। मीडिया प्रभारी नवीन जैन ने बताया कि लंका दहन की लीला में हनुमान जी का राम के पास विप्र रूप रखकर जाना ,राम जी का हनुमान को पहचानना, राम और सुग्रीव की अग्नि को साक्षी मानकर मित्रता करना ,बाली का वध करना ,माता सीता की खोज में रामादल का समुद्र तट पर आना, जामवंत ,अंगद ,वानरों द्वारा हनुमान जी को बल याद दिलाना, हनुमान जी का समुद्र को पार कर अशोक वाटिका में माता सीता से भेट करना, हनुमान और विभीषण का संबाद करना तथा हनुमान रावण का संबाद होना और हनुमान जी का का लंका में आग लगाने की लीला का प्रदर्शन किया गया।

इस लीला के मंचन में बाल अंगद के रूप में 13 वर्षीय निष्कर्ष तिवारी और सीता के रूप में 15 वर्षीय हर्षित अठावाल की भूमिका को दर्शकों द्वारा खूब सराहा गया। प्रथम बार अभिनय कर रहे सागर सिंहल की विभीषण की भूमिका को भी खूब सराहा गया।

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
www.jda.rajasthan.gov.in
क्रमांक-जविप्रा/उपा/जोन-13/2025/डी-2093

विज्ञप्ति दिनांक-19.09.2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय में जविप्रा की आवासीय योजना ट्रांसपोर्ट नगर के भूखण्ड संख्या डी-449 के लीज होल्ड से फ्री होल्ड पट्टे हेतु श्रीमती सरिता जैन पत्नी श्री आलोक कुमार बाकलीवाल द्वारा अपने आवेदन पत्र के साथ पहचान पत्र, रजिस्टर्ड, वसीयतनामा, मृत्यु प्रमाण पत्र, सजरा प्रमाण पत्र, जविप्रा द्वारा जारी लीजडीड की प्रति, वाद विवाद का शपथ पत्र की छायाप्रति के आधार पर ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत किया गया है।
आवेदित भूखण्ड की लीजडीड जविप्रा द्वारा दिनांक 30.12.2014 को श्री सम्पत लाल जैन पुत्र स्व. श्री हरक चन्द जैन के पक्ष में जारी की जा चुकी है। श्री सम्पत लाल जैन की मृत्यु दिनांक 10.02.2024 को हो चुकी है। संलग्न रजिस्टर्ड वसीयतनामा दिनांक 02.03.2021 को उक्त भूखण्ड अपनी पुत्री श्रीमती सरिता जैन पत्नि श्री आलोक कुमार बाकलीवाल को वसीयत किया गया है।
अपने आवेदन पत्र के साथ पहचान पत्र, रजिस्टर्ड वसीयतनामा, मृत्यु प्रमाण पत्र, सजरा प्रमाण पत्र, जविप्रा द्वारा जारी लीजडीड की प्रति वाद विवाद का शपथ पत्र की छायाप्रति के आधार पर यदि किसी संस्था/व्यक्ति/हितधारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस के भीतर आपत्ति जोन कार्यालय में प्रस्तुत कर सकत है अन्यथा 7 दिवस पश्चात भूखण्ड के नाम हस्तानान्तरण/लीजडीड जारी की कार्यवाही प्रारंभ कर दी जावेगी।

उपायुक्त जोन-13
जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

जयपुर विकास प्राधिकरण — सार्वजनिक सूचना/विज्ञप्ति
www.jda.rajasthan.gov.in
क्रमांक / ज.वि.प्रा./ उपा./ जोन-4/2025/डी-6040 दिनांक 19.09.2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री अंशुल यादव पुत्र श्री राजेश कुमार यादव द्वारा हथरोई गढी गृह निर्माण सहकारी समिति लि. की योजना शिव शक्ति नगर-ए के भूखण्ड संख्या 107 का उपविभाजन पत्र जारी करवाने हेतु ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 248544 दिनांक 11.09.2025 प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण में पूर्व में इस कार्यालय द्वारा हथरोई गढी गृह निर्माण सहकारी समिति लि. की योजना शिव शक्ति नगर-ए के भूखण्ड संख्या 107, क्षेत्रफल 300 वर्गगज का पटटा श्रीमती धनपति कडवासरा पत्नी श्री हरिराम कडवासरा के पक्ष में क्रमांक 1625 दिनांक 08.12.2012 को जारी किया गया था, जिसे उप पंजीयक जयपुर-प्रथम के यहां दिनांक 11.12. 2012 को पंजीकृत करवाया गया। श्रीमती धनपति कडवासरा पत्नी श्री हरिराम कडवासरा द्वारा पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर उक्त भूखण्ड में से 107, उत्तरी हिस्सा क्षेत्रफल 150 वर्गगज का बेचान श्री लीलाराम प्रेमचन्दानी पुत्र श्री किशन चन्द प्रेमचन्दानी के पक्ष में कर दिया गया। श्री लीलाराम प्रेमचन्दानी पुत्र श्री किशन चन्द प्रेमचन्दानी के द्वारा पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 10.03.2025 के द्वारा उक्त भूखण्ड 107, उत्तरी हिस्सा क्षेत्रफल 150 वर्गगज का बेचान श्री अंशुल यादव पुत्र श्री राजेश कुमार यादव को कर दिया गया। उक्त संबंध में आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र एवं दस्तावेजों के आधार पर आवेदक के पक्ष में उक्त भूखण्ड का उपविभाजन पत्र जारी करने की कार्यवाही करने के सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति, हितधारी, संस्था को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरकर्ता को इस सूचना के प्रकाशित होने के 7 दिवस में प्रस्तुत कर देवें। नियत अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर आवेदक के पक्ष में नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

उपायुक्त जोन-4, जविप्रा, जयपुर

विवादकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी सांभरलेक जि. जयपुर
सोहन लाल बनाम अतुल वगैरह
वाद पत्र सं. 17/2025
वाद बाबत घोषणा खातेदारी व स्थायी निषेधाज्ञा

बनाम-1. अतुल पुत्र गोकुलचन्द, 2. उषादेवी पुत्री श्रीनारायण, 3. पुष्पादेवी पुत्री श्रीनारायण, 4. बाबूलाल पुत्र श्रीनारायण, 5. मुकेश पुत्र गोकुलचन्द, 6. मंजूदेवी पुत्री श्रीनारायण, 7. राजदुलारी पत्नि गोकुलचन्द, 8. रामप्यारी पत्नि श्रीनारायण, 9. विजयकुमार पुत्र श्रीनारायण, 10 विनय पुत्र गोकुलचन्द समस्त जाति महाजन निवासी सांभरलेक जिला जयपुर राज. 11. तहसीलदार तहसील फुलेरा, 12. सब रजिस्ट्रार तह. फुलेरा मु. सांभरलेक

उपरोक्त आपके विरूद्ध उपरोक्त के वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 27.10.2025 का दिन में 10 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और दाखिल/मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन मे साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह वाद ता. 25 माह 09 सन् 25 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

मोहर अदालत — आज्ञा से-रीडर
न्यायाधीश उपखंड अधिकारी
सांभर लेक, जि. जयपुर

(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)
मुकदमा नम्बर 443/2025

चूंकि श्री योगेश शर्मा पुत्र श्री आनन्द बिहारी शर्मा निवासी 2321-ए, दीनानाथ जी का रास्ता जयपुर राजस्थान ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास बाबा श्री नीब करौरी (जयपुर) सेवार्थ ट्रस्ट फ्लैट न 018, नारायण सरोवर सुखिया, सांगानेर जयपुर के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है। अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि ये इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां यदि कोई हो प्रस्तुत करे। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नही की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा । आज दिनांक 29/9/25 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया। आइदा तारीख पेशी 5/12/25

(मुहर) सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग, जयपुर

खोया पाया

मेरे द्वारा बालाजी एनक्लेव ग्राम रामजीपुरावास नेवटा सांगानेर जयपुर प्लाट एस-29 खरीदा गया, उक्त प्लाट जेडीए में कीर्ति चौधरी के नाम से पंजीकृत है उक्त प्लाट को कीर्ति चौधरी से गजेन्द्र गौड ने खरीदा था उसके पश्चात उक्त प्लांट को गजेन्द्र गौड से मैने (गोपाली देवी) मेरे नाम से खरीद लिया है, उक्त प्लाट के मूल दस्तावेज पट्टा, साइड प्लान, चैन, डॉक्यूमेंटस एवं मूल रजिस्ट्री इत्यादि सभी मूल दस्तावेज विजयपथ से मुहाना मंडी के मध्य खो गए-सूचित करें-9314629216

मेरे द्वारा बालाजी एनक्लेव ग्राम रामजीपुरावास नेवटा सांगानेर जयपुर दो प्लाट 347,348 खरीदा गया, उक्त प्लाट जेडीए में कीर्ति चौधरी के नाम से पंजीकृत है उक्त दोनों प्लाटों को कीर्ति चौधरी से गजेन्द्र गौड से मैंने (मुकेश चौधरी) मेरे नाम से खरीद लिया था, खरीदने के पश्चात उक्त दोनों प्लाट के मूल दस्तावेज पट्टा, साइड प्लान, चैन, डॉक्यूमेंटस एवं मूल रजिस्ट्री इत्यादि सभी मूल दस्तावेज विजयपथ से मुहाना मंडी के मध्य खो गए-सूचित करें-9314629216

मेरा राजस्थान फार्मेसी काउन्सिल/ ट्रिब्यूनल द्वारा जारी फार्मासिस्ट पंजीयन प्रमाण पत्र संख्या 70294 जारी दिनांक 19.12.2022 कहीं खो गया है। मिलने पर संपर्क करें- प्रियंका कुमारी पुत्री कुलदीप सिंह - 9166381095

मेरे भूखण्ड सं. 73 नव भारत निर्माण सहकारी समिति लि. की योजना विक्रम विहार जयपुर का पंजीकृत विक्रय पत्र (विक्रेता श्रीमती विमल देवी क्रेता-दिनेश कुमार) के माध्यम हुआ कहीं गुम हो गई है मिलने पर सूचित करें-8619827822

मेरे भूखण्ड सं. एफ-1392 जेडीए की योजना गोविन्दपुरा जयपुर का जेडीए से जारी मूल आवंटन पत्र कहीं गुम हो गया है सूचित करें-उमेश मो. 7611957966

प्लॉट नम्बर 29-बी, पुराना नम्बर 30 सुंदर नगर ईदगाह वन विहार के पास बास बदनपुरा लाल डूंगरी देल्टी बाय पास रोड जयपुर का असल विक्रय पत्र कहीं गिर गया है मिलने पर सूचित करें। शेखर हुसैन-9314282127

मेरे मकान नं. 14 सरस्वती एन्कलेव, वृन्दावन विहार, मुहाना रोड, ग्राम गोल्यावास तहसील सांगानेर, जयपुर के मूल दस्तावेज कहीं गिर गए है मिलने पर सूचित करें श्रीमति शीला जैन पत्नि श्री दयानन्द जैन मो.नं. 9782731844

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी जोन-14, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
क्रमांक: 90A/JDA/2025-26/100264 **लोक सूचना** दिनांक: 29.09.2025

श्री NEW PATH DEVELOPERS LLP THROUGH DESIGNATED PARTNER SUMAN DHAKED, श्री HIMANSHU NAGAR जाति JAT निवासी 2ND FLOOR, OFFICE NO. 209, RIYASAT TOWER, KHASRA NO. 688/1, RAMPURA ROAD, BEHIND ISCKON TEMPLE, SUKHIYA, S.F.S. MANSAROVAR, JAIPUR, RAJASTHAN - 302020 श्री NAINA DEVI THROUGH POWER OF ATTORNEY BHARAT CHOUDHARY पुत्र श्री GAJANAND JAT जाति JAT निवासी JATO KA MOHALLA, CHARAN CHHATRI DEOKINANDANPURA, BADAPADAMPURA, JAIPUR, RAJASTHAN 303903, श्री BABULAL THROUGH POWER OF ATTORNEY SHANKAR LAL पुत्र श्री BABULAL जाति BAIRWA निवासी SANTOSHPURA, MAKSOODANPURA @ BARA PADAMPURA, CHAKSU, JAIPUR RAJASTHAN- 303903, श्री RAVI KUMAR THROUGH POWER OF ATTORNEY SHANKAR LAL पुत्र श्री BABULAL जाति BAIRWA निवासी SANTOSHPURA, MAKSOODANPURA @ BARA PADAMPURA, CHAKSU, JAIPUR RAJASTHAN- 303903, श्री SURAJ THROUGH POWER OF ATTORNEY SHANKAR LAL पुत्र श्री BABULAL जाति BAIRWA निवासी SANTOSHPURA, MAKSOODANPURA @ BARA PADAMPURA, CHAKSU, JAIPUR RAJASTHAN- 303903, श्री ARJUN THROUGH POWER OF ATTORNEY RAMDHAN MEENA पुत्र श्री CHOTU RAM MEENA जाति MEENA निवासी DHORALA, JAIPUR, RAJASTHAN 303903, श्री GANGARAM THROUGH POWER OF ATTORNEY RAMDHAN MEENA पुत्र श्री CHOTU RAM MEENA जाति MEENA निवासी DHORALA, JAIPUR, RAJASTHAN- 303903, श्री GAINDILAL THROUGH POWER OF ATTORNEY RAMDHAN MEENA पुत्र श्री CHOTU RAM MEENA जाति MEENA निवासी DHORALA, JAIPUR, RAJASTHAN 303903, श्री GULLA THROUGH POWER OF ATTORNEY RAMDHAN MEENA पुत्र श्री CHOTU RAM MEENA जाति MEENA निवासी DHORALA, JAIPUR, RAJASTHAN-303903, श्री GOKUL THROUGH POWER OF ATTORNEY RAMDHAN MEENA पुत्र श्री CHOTU RAM MEENA जाति MEENA निवासी DHORALA, JAIPUR, RAJASTHAN- 303903, श्री CHOTU THROUGH POWER OF ATTORNEY RAMDHAN MEENA पुत्र श्री CHOTU RAM MEENA जाति MEENA निवासी DHORALA, JAIPUR, RAJASTHAN 303903, श्री PHOOLCHAND THROUGH POWER OF ATTORNEY RAMDHAN MEENA पुत्र श्री CHOTU RAM MEENA जाति MEENA निवासी DHORALA, JAIPUR, RAJASTHAN-303903, श्री MUKESH KUMAR THROUGH POWER OF ATTORNEY RAMDHAN MEENA पुत्र श्री CHOTU RAM MEENA जाति MEENA निवासी DHORALA, JAIPUR, RAJASTHAN 303903, श्री MAHADEV THROUGH POWER OF ATTORNEY RAMDHAN MEENA पुत्र श्री CHOTU RAM MEENA जाति MEENA निवासी DHORALA, JAIPUR, RAJASTHAN-303903, श्री RAMKARAN THROUGH POWER OF ATTORNEY RAMDHAN MEENA पुत्र श्री CHOTU RAM MEENA जाति MEENA निवासी DHORALA, JAIPUR, RAJASTHAN-303903, श्री RAMJI LAL THROUGH POWER OF ATTORNEY RAMDHAN MEENA पुत्र श्री CHOTU RAM MEENA जाति MEENA निवासी DHORALA, JAIPUR, RAJASTHAN-303903, श्री RAMDAYAL THROUGH POWER OF ATTORNEY RAMDHAN MEENA पुत्र श्री CHOTU RAM MEENA जाति MEENA निवासी DHORALA, JAIPUR, RAJASTHAN 303903, श्री LALLU LAL MEENA THROUGH POWER OF ATTORNEY RAMDHAN MEENA पुत्र श्री CHOTU RAM MEENA जाति MEENA निवासी DHORALA, JAIPUR, RAJASTHAN 303903, श्री SHANKAR LAL THROUGH POWER OF ATTORNEY RAMDHAN MEENA पुत्र श्री CHOTU RAM MEENA जाति MEENA निवासी DHORALA, JAIPUR, RAJASTHAN-303903, श्री SITARAM THROUGH POWER OF ATTORNEY RAMDHAN MEENA पुत्र श्री CHOTU RAM MEENA जाति MEENA निवासी DHORALA, JAIPUR, RAJASTHAN 303903, श्री HARISHANKAR THROUGH POWER OF ATTORNEY RAMDHAN MEENA पुत्र श्री CHOTU RAM MEENA जाति MEENA निवासी DHORALA, JAIPUR, RAJASTHAN -303903, श्री MANNARAM THROUGH POWER OF ATTORNEY RAMDHAN MEENA पुत्र श्री CHOTU RAM MEENA जाति MEENA निवासी DHORALA, JAIPUR, RAJASTHAN 303903 ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का **आवासीय प्रयोजन** के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात:-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (हैक्ट.)	स्वतंत्र क्षेत्रफल (हैक्ट.)
1	डाहर, चाकसू	1.) न्यू पाथ डवलपर्स एलएलपी	870/737	0.703	0.703
2	(जयपुर)	नामित भागीदार सुमन धाकड	872/741	0.13	0.13
3		पत्नि हिमांशु नागर हिस्सा पूर्ण जाति जाट मकान संख्या 508 कॉलोनी ओर्क प्लस टॉवर क्षेत्र स्थान के वी के पास मानसरोवर शहर, जयपुर पिनकोड, 302020 जिला JAIPUR राज RAJASTHAN खातेदार	738	0.09	0.09
4	डाहर, चाकसू	1.) नैना देवी पत्नि मोहन लाल	802/1	0.07	0.07
5	(जयपुर)	हिस्सा पूर्ण जाति रैगर सा. गोनेर तह. सांगानेर, खातेदार	803	0.4	0.4
6	डाहर, चाकसू (जयपुर)	1.) मन्नाराम पुत्र नैनूराम हिस्सा पूर्ण जाति मीना सा. गोपीरामपुरा खातेदार	777	0.77	0.77
7	डाहर, चाकसू	2.) रविकुमार पुत्र बद्री हिस्सा	768	0.16	0.16
8	(जयपुर)	1/4 जाति बेरवा सा. देह खातेदार	771	0.03	0.03
9		3.) सूरज पुत्र बद्री हिस्सा 1/4 जाति बेरवा सा देह	772	0.02	0.02
10		खातेदार 1.) बाबूलाल पुत्र माण्या उर्फ	904/719	0.23	0.23
11		बिरदाराम हिस्सा 1/2 जाति बेरवा सा. देह	722	0.5	0.5
12		खातेदार	906/720	0.0833	0.0833
13			767	0.02	0.02
14			723	0.14	0.14
15			902/718	0.29	0.29
16	डाहर, चाकसू	6.) छोटू पुत्र रूगनाथ हिस्सा	769	0.2	0.2
17	(जयपुर)	1738/13031 जाति मीना सा.	770	0.22	0.22
18		सालगरामपुरा खातेदार 3.) गैन्दीलाल पुत्र	773	0.25	0.25
19		रामसहाय हिस्सा 579/13031 जाति मीना सा	775	0.19	0.19
20		सालगरामपुरा 5.) गोकुल पुत्र रामसहाय हिस्सा	796	0.12	0.12
21		579/13031 जाति मीना सा. सालगरामपुरा	797	0.15	0.15
22		खातेदार 16.) हरिशंकर पुत्र रामसहाय हिस्सा	798	0.02	0.02
23		579/13031 जाति मीना सा. सालगरामपुरा खातेदार 2.) गंगाराम पुत्र खेवरा हिस्सा 869/13031 जाति मीना सा. सालगरामपुरा खातेदार 10.) रामकरण पुत्र रेवड हिस्सा 869/13031 जाति मीना सा. सालगरामपुरा खातेदार 15.) सीताराम पुत्र रेवड हिस्सा 869/13031 जाति मीना सा. सालगरामपुरा खातेदार 7.) फूलचन्द पुत्र रूघनाथ हिस्सा 1737/13031 जाति मीना सा. सालगरामपुरा खातेदार 1.) अर्जुन पुत्र पेमा 869/13031 जाति मीना सा. सालगरामपुरा खातेदार 4.) गुल्ला पुत्र पेमा हिस्सा 869/13031 जाति मीना सा. सालगरामपुरा खातेदार 14.) शंकरलाल पुत्र हरसहाय हिस्सा 869/13031 जाति मीना सा. देह खातेदार 13.) लल्लू लाल मीणा पुत्र लक्ष्मू हिस्सा 1737/13031 जाति मीना सा. देह खातेदार 8.) मुकेश कुमार पुत्र रामकिशन हिस्सा 217/13031 जाति मीना सा. देह खातेदार 9.) महादेव पुत्र रामकिशन हिस्सा 217/13031 जाति मीना सा. देह खातेदार 11.) रामजी लाल पुत्र रामकिशन हिस्सा 217/13031 जाति मीना सा. देह खातेदार 12.) रामदयाल पुत्र रामकिशन हिस्सा 217/13031 जाति मीना सा. देह खातेदार	899/766	0.1531	0.1531
		कुल		4.9394	

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर भीतर अपनी एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Jaipur Development Authority (JDA) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है। उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जावेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 29.09.2025 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी जोन-14, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्लॉट नं. 132, श्री बालाजी विहार मुण्डोता, कालवाड़ रोड, जयपुर राजस्थान का मूल पट्टा, रसीद, साईट प्लान जो कि झालाना डूंगरी गृह निर्माण सहकारी समिति लि. जयपुर द्वारा श्रीमती अन्नू कँवर पत्नी श्री पाबूदान सिंह के नाम जारी किया गया था। उक्त दस्तावेज कहीं खो गये है चूंकि सोसायटी में डूप्लीकेट पट्टा, रसीद, साईट प्लान जारी करने बाबत आपत्ति हो तो 7 दिवस में सोसायटी में आपत्ति दर्ज करवादे बाद मियाद डूप्लीकेट पट्टा जारी करने के लिये समिति स्वतंत्र होगी। कृपया सूचित रहे।
झालाना डूंगरी गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड जयपुर रजि.नं. 25/एल.सी. मो.नं. 8078600067

सम्मन बनाम कायम मुकाम
(आर्डर 22 रूल 4 जाब्ता दीवानी)
अज अदालत अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश जयपुर प्रथम
प्रभाती देवी बनाम श्याम सुन्दर व अन्य
दावा बाबत.....
मुकदमा नं. CMC 65/2023

बनाम
मुसम्मी गणेश नारायण वल्द श्री नामालूम कौम हिन्दू साकिन C/o गुलाब जी कुमावत परगना प्लाट नं. 68 दक्षिण मुखी बालाजी के पास पानी की टंकी वाली गली हाथौज, जयपुर
चूंकि.... ने इस अदालत में तारीख...माह... सन्20.को 1. प्रभाती देवी बनाम 2. श्याम सुन्दर व अन्य दायर की जो कि बाद में फोत हो गया और चूंकि....मजकूर के दरख्वास्त अदालत हाजा में यह जाहिर करने की आप मुतवफ्फी स्व. मीना कुमारी मजकूर के कायम मुकाम जायज हो और इस्तदुआ की है बजाय उसके आप 3. गणेश नारायण बनाये जावें।
लिहाजा बजरिये हाजा बगर्ज जवाबदेही 1... आपको तारीख 28 माह 10 सन् 2025 को अदालत हाजा में हाजिर होने के लिए तलब किया जाता है और तारीख मुकर्रर पर आपके हाजिर न होने पर मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में सुना व फैसला किया जावेगा।
बसब्त मेरे दस्तखत व मुहर अदालत के आज तारीख 16 माह 09 सन 2025 को जारी किया गया।

मोहर अदालत — आज्ञा से-रीडर ग्रेड प्रथम
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश
क्रम-06 जयपुर महानगर प्रथम

इत्तलानामा वास्ते जाहिर करने वजह न जारी होने डिक्री के
(ओ.21 रूल 22 जाब्ता दीवानी)
अज अदालत अपर जिला न्यायाधीश नं. प्रथम जयपुर मुकाम महानगर द्वितीय जयपुर
श्रीमति ललिता डागा बनाम मोहित सोमानी व राजीव जैन
डिग्री बाबत
मुकदमा नंब 081/2025 CIS No. 152/25

बनाम-मुसम्मी राजीव जैन वल्द श्री कमल चन्द कौम जैन साकिन प्लाट नं. 197-ए, महावीर नगर द्वितीय महारानी फार्म तहसील दुर्गापुरा जयपुर साकिन ऑफिस पता-म.नं. 2029, पीतलियों का चौक तहसील जौहरी बाजार, जयपुर
चूंकि डिग्रीदार ने डिग्री अदालत अपर जिला न्यायाधीश नं. प्रथम जयपुर प्रथम मवर्खे 27.10.2010 ब. मुकदमें नम्बर 93 सन् 2006 की इजराय के लिए दरख्वास्त पेश की है इसलिए आपको इत्तला दी जाती है कि आप इस अदालत में...वार मंगलवार तारीख 28 माह 10 सन् 2025 को हाजिर होकर अगर कोई उजर वास्ते आपके खिलाफ इजराय किये जाने डिग्री रखते हो तो पेश करों।
आज तारीख 23.09.2025 ब सब्त मेरे दस्तखत व मुहर अदालत के जारी किया गया।

मोहर अदालत — शरिश्तेदार ग्रेड-प्रथम
अपर जिला एकोहरेशन न्यायाधीश
क्रम-01 जयपुर महानगर द्वितीय

नगर निगम जयपुर, हैरिटेज
(पुराना पुलिस मुख्यालय भवन, हवामहल के पास)
क्रमांक: एफ13()/उपा. लैण्ड/नगनिज./2025/642 **सार्वजनिक सूचना** दिनांक: 23.09.2025

मूल भूखण्ड सं. ए-172, फतेहटीबा, आदर्श नगर, जयपुर का आवंटन श्री नन्नू खां पुत्र श्री वजीर के नाम 134 व.ग. का आवंटन जारी किया गया। श्री फकीर मोहम्मद पुत्र श्री नन्नू खां द्वारा आवेदन पेश कर अण्डरटेकिंग एवं अन्य दस्तावेजों के आधार पर उक्त भूखण्ड का नगर निगम जयपुर, हैरिटेज में आवेदन पेश कर फ्री-होल्ड पट्टा जारी करने हेतु आवेदन पेश किया है। इस बाबत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (उपायुक्त लैण्ड शाखा) में प्रस्तुत करें अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद, नियमानुसार फ्री-होल्ड पट्टा जारी किये जाने की कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।

उपायुक्त (लैण्ड) नगर निगम जयपुर, हैरिटेज

कार्यालय प्रधानाचार्य शहीद राजीव सिंह शेखावत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय
लुहाकना खुर्द, ब्लॉक विराटनगर, जिला कोटपूतली-बहरोड
क्रमांक-श.रा.सि.शे.रा.उ.मा.वि./लुहाकना खुर्द/विराट/2025/130 दिनांक-20.09.2025

नीलामी सूचना स्थानीय विद्यालय के अनुपयोगी, नाकारा/अक्रियाशील आईसीटी लैब उपकरणों की नीलामी जिसका पुस्तक मूल्य 279350/- है। दिनांक 06.10.2025 को प्रातः 11 बजे विद्यालय प्रांगण में खुली बोली द्वारा की जायेगी। इच्छुक फर्म/व्यक्ति नियमानुसार 2 प्रतिशत धरोहर राशि जमा करवाकर उक्त प्रक्रिया में भाग ले सकता है। शेष शर्ते किसी भी कार्य दिवस में उपस्थित होकर देखी जा सकती है।

प्रधानाचार्य-शहीद राजीव सिंह शेखावत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, लुहाकना खुर्द विराटनगर, जिला-कोटपूतली-बहरोड़

कार्यालय ग्राम पंचायत सूरवाल एवं करमोदा, पंचायत समिति सवाई माधोपुर, जिला सवाई माधोपुर
क्रमांक:- दिनांक ....

ई-निविदा सूचना संख्या -05/06/2025-26

पंचायत समिति, सवाई माधोपुर के अधीन ग्राम पंचायत सूरवाल एवं करमोदा में विभिन्न योजना में स्वीकृत कार्यो हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेंट प्रक्रिया से सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से ऑनलाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित नियम, शर्तें व सम्बन्धी दस्तावेज लोक उपापन की वेबसाइट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan. gov. in पर देखें एवं डाउनलोड किये जा सकते है।

करमोदा NIB No.ZSM2526A0596 UBN No. ZSM2526WSOB00666
सूरवाल NIB No.ZSM2526A0595 UBN No. ZSM2526WSOB00665

प्रशासक, ग्राम पंचायत सूरवाल एवं करमोदा — ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत सूरवाल एवं करमोदा

कार्यालय नगर परिषद, किशनगढ़ जिला -अजमेर (राज)
क्रमांक / नपकि / दी.अ.यो-रा.श.आ.मि. / 2025 / 210 दिनांक:- 24.09.2025

ई-निविदा सूचना संख्या -02/2025-2026
राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (DAY-NULM) अन्तर्गत आश्रय स्थलो के सम्पूर्ण संचालन एवं रखा रखाव हेतु

नगर परिषद किशनगढ की ओर से नगर परिषद किशनगढ में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत स्वयं सेवी संस्थाओं / एनजीओ से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रकिया से आश्रय स्थलों के सम्पूर्ण संचालन के कार्य हेतु ऑनलाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। कार्य की निविदा बेचे जाने की दिनांक 25.09.2025 को समय 9:00 ए.एम. से तथा प्राप्त करने की दिनांक 06.10.2025 को 06:00 पी.एम. तक एवं निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in/ व https://eproc.rajasthan.gov.in/ पर देखी जा सकती है।
UBN NO.-DLB2526A6327

आयुक्त, नगर परिषद्, किशनगढ़
राज.संवाद / सी / 25 / 11000

कार्यालय नगर परिषद, दौसा (राजस्थान)
फोन नं. 01427-220054 E-mail: dausa.jaipur@yahoo.com
क्रमांक-न.प.दो./नियमन शाखा/2025-2026/3797 दिनांक-29.09.2025

सार्वजनिक आपत्ति सूचना

राजस्थान नगरीय क्षेत्र में भू-उपयोग परिवर्तन नियम 2010 व राजस्थान नगरीय क्षेत्र में भू-उपयोग (संशोधित) नियम-2021 के प्रावधानों के आधार पर निम्न भूखण्ड के आवेदक द्वारा अपनी सम्पत्ति का भू-उपयोग परिवर्तन करवाये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। इस संबंध में किसी भी व्यक्ति संस्था आदि को कोई आपत्ति/सुझाव यदि हो तो 15 दिवस में पत्र दस्तावेज संबंधित नगर परिषद कार्यालय में अथवा आयुक्त को प्रस्तुत करें।

क्र. सं.	मूल पट्टाधारी का नाम	भूखण्ड संख्या	पट्टा विलेख में वर्णित भू-उपयोग	भूखण्ड का क्षेत्रफल	मास्टर प्लान 2031/जोनल प्लान अनुसार भू-उपयोग	उपयोग जिसके लिए आवेदन किया है।
1	नगर परिषद दौसा द्वारा दिनांक 01.01.2025 को श्री अब्दुल दैय्यान पुत्र श्री अब्दुल लतीफ	दौसाकलां	आवासीय	27.98 (वर्गगज)	आवासीय/व्यवसायिक	व्यवसायिक फ्री होल्ड पट्टा

आयुक्त, नगर परिषद, दौसा

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति (फल एवं सब्जी) जयपुर
महात्मा ज्योतिबा फुले मुख्य मंडी प्रागंण
क्रमांक :- 1810 दिनांक :- 29/08/2025

सूचना

श्री लखन पुत्र स्व. श्रीमती प्रेम सफाईकर्ता को राजस्थान मण्डी कर्मचारी सेवा नियमों के तहत दिनांक 25.03.2015 को अनुकम्पात्मक नियुक्ति प्रदान की गयी। आप समय -समय पर कार्यालय से बिना सूचना के अनुपस्थित रहे है तथा दिनांक 23 / 12 / 2023 से लगातार बिना सूचना के अनुपस्थित है। आपको उक्त कृत्य हेतु मण्डी समिति द्वारा आपके निवास स्थान 27 धूलकोट, पुरानी बस्ती, तेजाजी की बगीची, हरिजन बस्ती चांदपोल, जयपुर के पते पर रजिस्ट्रर्ड डाक से पत्र क्रमांक 1660 दिनांक 20.08.2025 प्रेषित किया गया था जो No Such Person मार्क के साथ रजिस्टर्ड डाक वापस प्राप्त हुई है। अतः आपको सूचित किया जाता है कि 15 दिवस में कार्यालय से पत्र प्राप्त कर संतोषप्रद जवाब / साक्ष्य / दस्तावेज प्रस्तुत करें अन्यथा मण्डी समिति द्वारा राजस्थान कृषि उपज मण्डी कर्मचारी सेवानियम 1975 के नियम 20 (क) के अन्तर्गत आपको सेवा से बर्खास्त करने की कार्यवाही की जावेगी।

सचिव, कृ.उ.म.स. (फ.स.) जयपुर
राज.संवाद/सी/25/11071

सत्यमेव जयते
भारत सरकार
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग

लाभवंचित लोगों की आजीविका और उद्यम हेतु सहायता (स्माइल)
आवेदन हेतु आमंत्रण
(गरिमा गृह की स्थापना)

लाभवंचित लोगों की आजीविका और उद्यम हेतु सहायता (स्माइल) स्कीम के अंतर्गत गरिमा गृह की स्थापना करने के लिए इच्छुक और पात्र आवेदकों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

- ट्रांसजेंडर व्यक्तियों द्वारा चलाए जा रहे इच्छुक और पात्र सीबीओ/एनजीओ/ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के कल्याण हेतु कार्यरत इच्छुक और पात्र स्टार्ट-अप्स अपेक्षित दस्तावेज के साथ ई-अनुदान (https://grants-msje.gov.in/ngo-login) पर पंजीकरण कर सकते हैं।
- आवेदन प्रस्तुत करने हेतु पोर्टल पूरे साल खुला रहेगा।

पूछ-ताछ के लिए आप संपर्क करें:
दूरभाष: 011-23070386
ई-मेल: abhishek-upsc@gov.in / ankit.srivastava@gov.in / bhawna.bharti475@gov.in

आवेदन करते समय आने वाली तकनीकी त्रुटि के समाधान हेतु संपर्क करें:
दूरभाष: 011-24364461 (प्रातः 9:30 से सायं: 5:30 तक)
ई-मेल पता-: support.ngo-msje@nic.in

CBC 38101/11/0022/2526

कार्यालय नगर परिषद, टोंक
कंमाक :- एमसीटी / 2025-26 / 8598 दिनांक :- 25.09.2025

इश्तेहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नाकिंत व्यक्ति द्वारा पटटा बनवाने हेतु पत्रावली प्रस्तुत की गई है।

क0 सं0	नाम पिता / पति	कॉलोनी	साईज	भूखण्ड संख्या
1.	श्रीमती राजकुमारी जैन पत्नि श्री प्रद्युमन जैन	हनुमान नगर	223.33 वर्गगज	25,26
2.	प्रदयुमन कुमार जैन पुत्र श्री तारा चंद जैन	हनुमान नगर	88.88 वर्गगज	24
3.	हिमांशु शर्मा पुत्र श्री दुर्गा दत्त शर्मा	हनुमान नगर	88.88 वर्गगज	23
4.	श्रीमती मांगी देवी पत्नि श्री प्रहलाद जाट	एपीकल एनक्लेव	147.93 वर्गगज	बी-38
5.	श्रीमती कोशल्या देवी जाट पत्नि श्री राकेश जाट	एपीकल एनक्लेव बी	133.4 वर्गगज	बी-61
6.	श्रीमती सोहनी देवी पत्नि श्री छीतर लाल जाट	एपीकल एनक्लेव ए	125 वर्गगज	ए-31
7.	श्रीमती सुभद्रा कुमारी चौधरी पत्नि श्री कमलेश जाट	तिलक नगर	100 वर्गगज	115 व 116
8.	यासीर अली पुत्र श्री मेहमूद अली	विवेक नगर	306 वर्गगज	81 व 82
9.	श्रीमती भावना गुर्जर पत्नि श्री अजय गुर्जर	बरसाना सिटी	88.88 वर्गगज	25
10.	मोहम्मद युनुस शिरानी पुत्र श्री मास्टर मोहम्मद मियां	सिद्धार्थ नगर	111.11 वर्गगज	63
11.	रूखसाना हुसैन / मुमताज खाँ पत्नि श्री फारूख हुसैन	धन्ना तलाई	116.66 वर्गगज	04-ए
12.	श्री शंकर शम्भू मीना पुत्र श्री केदार लाल मीना	गांधी नगर	150 वर्गगज	273
13.	रफीउद्दीन पुत्र श्री समीउद्दीन	आजाद नगर बी	100 वर्गगज	47, 48 ए
14.	रूखसाना हुसैन / मुमताज खाँ पत्नि श्री फारूख हुसैन	धन्ना तलाई	116.66 वर्गगज	04
15.	राहुल बैरवा पुत्र श्री हीरा लाल बैरवा	मूलचन्द कॉलोनी	97.77 वर्गगज	80-बी
16.	श्री लोकेश गिरी पुत्र श्री रमेश गिरी	रूकमणी हाउसिंग योजना	133.33 वर्गगज	39
17.	श्रीमती रसाली देवी पत्नि श्री रामदयाल मीना	सूर्या नगर	150 वर्गगज	119, 59
18.	श्रीमती कर्मा कुमार चौधरी पत्नि श्री विष्णु कुमार चौधरी	एन.के. कॉलोनी	111.11 वर्गगज	ब्लॉक-बी
19.	श्रीमती संगीता मंगल पत्नि श्री राजेश कुमार मंगल	मोनोलिसा एनक्लेव	850 वर्गगज	10,11,24,25,26,27 व प्लॉट नं. 24,25, व 26,27, के मध्य 30X27 के मध्य
20.	श्री राम दयाल मीणा पुत्र श्री पांचु लाल मीणा	सूर्य नगर	150 वर्गगज	58 व 146
21.	श्री धनराज पंवार पुत्र श्री गजेन्द्र पंवार	मोटर सिटी	88.88 वर्गगज	134,135,136,137
22.	रेखा गुर्जर / मुरारी लाल गुर्जर	द्वारिका नगरी कॉलोनी	150 वर्गगज	28
23.	अमित कुमार टिक्कीवाल / राम सहाय टिक्कीवाल	एन.के कॉलोनी	153.33 वर्गगज	03 ए
24.	अमित कुमार टिक्कीवाल / राम सहाय टिक्कीवाल	एन.के कॉलोनी	100 वर्गगज	03-सी
25.	अनुसूईया चौधरी / गिर्राज प्रसाद चौधरी	आर्या सिटी कॉलोनी	138.88 वर्गगज	05
26.	नीलू जैन / अभिषेक कुमार जैन	महावीर नगर विस्तार	265.20 वर्गगज	13,14,15,16,17 व 18
27.	रतनी दवी / शंकर	नरम सेठ नगर	125 वर्गगज	14
28.	उर्मिला देवी / रमेश चन्द वर्मा	केप्टन कॉलोनी	44.44 वर्गगज	61
29.	अद्वितीय सिंह मीणा / महेश कुमार मीणा	बनी पार्क कॉलोनी	88.88 वर्गगज	315
30.	सुमन विजय / रामदेव विजय	जवाहर नगर	133.33 वर्गगज	268
31.	अद्वितीय सिंह मीणा / महेश कुमार मीणा	बनी पार्क कॉलोनी	177.77 वर्गगज	461

यदि इस कार्य से किसी आम, खास को उज्र / आपत्ति हो तो परिषद में प्रकरण सम्बन्धित दस्तावेजात सहित 07 दिवस के भीतर-भीतर अपनी आपत्ति मय प्रकरण से सम्बन्धित दस्तावेजात सहित प्रस्तुत करें, अन्यथा बाद मियाद गुजरने पर किसी भी उज्र / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा और नियमानुसार चाहा गया पटटा जारी कर दिया जावेगा।

आयुक्त
राज.संवाद / सी / 25 / 11028

संक्षिप्त

राम सुग्रीव मित्रता का मंचन

बौंली- बामनवास। श्री राम कला मंडल बौंली द्वारा आयोजित 11 दिवसीय शिव बगीची मंच, प्रांगण में आयोजित रामलीला मंचन के दौरान राम सुग्रीव मित्रता, भगवान श्री राम ने बाली वध के दौरान उसके वध का मुख्य कारण, अनुज सूता भगनी सूत नारी सुनशठ कन्या समचारी यह कारण बाली वध का बताया। हनुमान जी द्वारा सीता जी का पता लगाना, व अशोक वाटिका में सीता जी से अजर अमर होने का वरदान प्राप्त करना, अशोक वाटिका उजाड़ना, इंद्रजीत द्वारा हनुमान जी को ब्रह्म फांस बांधकर रावण के दरबार में ले जाना, हनुमान जी द्वारा लंका जलाने की जीवंत लीला दिखाई गई। जिसको देखकर उपस्थित जन समुदाय आनंदित होता रहा एवं तालिया की गड़गड़ाहट से पंडाल गूंज उठा। रामलीला के शुभारंभ में कोडियाई ग्राम पंचायत की प्रशासक प्रेम देवी मीणा ने भगवान स्वरूपों की महा आरती उतारी। रामलीला कार्यक्रम में राम का पात्र मनीष अवस्थी, लक्ष्मण का लडडू योगी, सीता का महेश वैष्णव, बाली,का योगेश शर्मा, हनुमान का सूबेदार मोहन सिंह राव, रावण का मदन सिंह, सुठीव का रामवतार सैनी सहित अन्य पात्रों ने अच्छी भूमिका निभाकर सबको आनंदित कर दिया।

चोर गिरोह का पर्दाफाश

सांभरझील। स्थानीय पुलिस ने बकरियों की चोरी करने वाले मुख्य गिरोह के सरगना को गिरफ्तार किया है। इस मामले में परिवादी कल्लु पुत्र जहुर खां उम्र 55 जाति मुसलमान निवासी बरडोटी मोहल्ला साँभरलेक ने रिपोर्ट मैं बताया था कि मेरे घर के बाडे से एक बकरा व एक बकरी कोई अज्ञात व्यक्ति चुराकर ले गया, इसके बाद पुलिस की ओर से अनुसंधान प्रारंभ किया गया। थाना अधिकारी राजेन्द्र कुमार के नेतृत्व में टीम का गठन किया जाकर अज्ञात आरोपी के संबंध में तकनीकी सहायता ली जाकर एवं आसूचना संकलन कर कडी मेहनत करते हुये चोरी की वारदात करने वाले अज्ञात आरोपियो की पहचान कर चोरी करने वाले गिरोह के मुख्य सरगना सुवाराम उर्फ मावडा उर्फ राजू को डिटेन कर पुछताछ की तो आरोपी ने ईलाका थाना सांभरलेक में 3 जगहों से भैड-बकरियां चोरी कर वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया, जिस पर आरोपी को गिरफतार कर चोरी हुई बकरियों की बेचान राशि एवं घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल को बरामद करने में सफलता प्राप्त की तथा गिरोह के अन्य सदस्य घटना के बाद से फरार चल रहे है जिनकी तलाश जारी है।गिरफ्तार आरोपी सुवाराम उर्फ मावडा उर्फ राजु पुत्र श्री झुथाराम उम्र 35 साल जाति बावरिया निवासी श्रीरामपुरा थाना नरैना जिला जयपुर का बताया गया है। पुलिस टीम के सदस्य सत्यनारायण अजय कुमार महेश कुमार लोकेश कुमार श्याम लाल की प्रकरण खुलासा करने में खास भूमिका रही।

सशक्त परिवार अभियान आज

शाहपुरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन पर जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह के सानिध्य में सेवा पखवाडा के तहत 30 सितंबर 2025 (मंगलवार) को प्रात: 9:00 बजे उप जिला चिकित्सालय शाहपुरा में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर एवं स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जायेगा।

'फरवरी तक सौ फीसदी पेयजल घरेलू कनेक्शन का कार्य पूरा करें'

अलवर। जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला की अध्यक्षता में सोमवार को मिनी सचिवालय के कलक्ट्रेट सभागार में जिले की पेयजल आपूर्ति व्यवस्था एवं जल जीवन मिशन की प्रगति की समीक्षा व जिला स्तरीय कॉ-ऑपरेटिव डवलपमेंट समिति व राजस्व विभाग की बैठक आयोजित हुई। अलग-अलग हुई तीनों बेठको में जिला कलेक्टर ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा है कि सरकार की मंशा के अनुरूप आमजन को सरकार की योजनाओं लाभ देकर आवश्यक सेवाओं को सुचारू रूप से क्रियान्वित करे।

जिला कलेक्टर डॉ. अर्तिका शुक्ला ने अलवर मिनी सचिवालय में पेयजल व्यवस्था एवं जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक ली।

जिला कलेक्टर ने जल जीवन मिशन की समीक्षा कर अधिकारी को निर्देश दिये कि जिले के जिन गांवों में जल जीवन मिशन का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण हो गया है और उनके सभी घरों में जल कनेक्शन कर दिया गया है, उन सब गांवों के जल कनेक्शनों का सत्यापन का कार्य गठित कमेटी द्वारा पूर्ण किया जाकर 2 अक्टूबर को आयोजित होने वाली ग्राम सभा में गांव के जल जीवन मिशन कार्य का सत्यापन कार्य का अनुमोदन कराया जावे।

कलेक्टर ने जलदाय विभाग द्वारा जल जीवन मिशन के तहत घरेलू पेयजल कनेक्शन करने हेतु दिए गए लक्ष्यों को बेहतर तरीके से फील्ड में पूर्ण करने पर जुलाई 2025 की अलवर जिले की प्रदेश में 22 वीं रैंक से 12 पायदान की एक माह में छलांग लगाकर अगस्त माह में प्रदेश में 10 वां स्थान प्राप्त करने पर जलदाय विभाग की टीम की सराहना की। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जिले में 65 प्रतिशत घरेलू कनेक्शन किए जा चुके हैं तथा जिन योजनाओं का कार्य प्रगति पर है उनका मासिक आधार पर लक्ष्य निर्धारित कर कनेक्शन करने की कार्यवाही की जावे।

उन्होंने निर्देश दिये कि दिसम्बर माह तक 25 हजार घरेलू कनेक्शन पूर्ण करें तथा फरवरी माह में शत-प्रतिशत घरेलू कनेक्शन करने की कार्यवाही पूरी की जावे। जिला कलेक्टर ने जलदाय विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी ठीष्म ऋतु में जिले में पेयजल आपूर्ति सुचारू रहे, इसके लिए अभी से कार्य योजना तैयार कर उसे अमल में लाया जावे। उन्होंने

- पेयजल आपूर्ति व्यवस्था एवं जल जीवन मिशन, जिला स्तरीय कॉ-ऑपरेटिव डवलपमेंट समिति व राजस्व विभाग की बैठक हुई ।
- सब गांवों के जल कनेक्शनों का सत्यापन का कार्य गठित कमेटी द्वारा पूर्ण करके 2 अक्टूबर को आयोजित होने वाली ग्राम सभा में अनुमोदन कराए

अलवर शहर में स्टेट मद से स्वीकृत 94 ट्ययूबवेल की वस्तुस्थिति की समीक्षा कर निर्देश दिये कि शेष रहे ट्ययूबवेल्स की ड्रिलिंग करावे तथा जिनकी ड्रिलिंग हो चुकी है उनको चालू करावे।

उन्होंने निर्देश दिये कि इसी प्रकार जिले में स्वीकृत ट्ययूबवेल्स, पेयजल योजनाओं को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करावे। उन्होंने अलवर शहर में सीएसआर मद से वाटर रिचार्ज के प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिये। उन्होंने जल जीवन मिशन के कार्यों को पूर्ण कराने हेतु ब्लॉकवार मासिक, तिमाही एवं छमाही लक्ष्य निर्धारित किए। अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता भवानी सिंह शेखावत, अधीक्षण अभियन्ता एनसीआर दिनेश कुमार वर्मा, सहायक वन संरक्षक अलवर काव्या बी, कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक पी.सी मीणा, जयपुर डिस्कॉम के अधिशासी अभियन्ता महेश देसवाल सहित जलदाय विभाग के अधिशासी अभियन्ता एवं सहायक अभियन्ता मौजूद रहे।

जिला कलेक्टर ने जिला स्तरीय कॉ-ऑपरेटिव डवलपमेंट समिति की बैठक लेते हुए सहकारिता विभाग के उप रजिस्ट्रार को निर्देशित किया कि 2 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक जिले में आयोजित होने वाले सहकार सदस्यता अभियान की समस्त तैयारियों को अंतिम रूप देवे। उन्होंने निर्देश दिये कि अभियान के तहत जिले की पैक्स विहीन 45 ठाम पंचायतों में नई ग्राम सेवा सहकारी समितियों का गठन करने की कार्यवाही करें।

उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के आयोजन की समीक्षा की गई जिसके अंतर्गत सहकार से समृद्धि के तहत पैक्स/सहकारी समितियों को बहुआयामी बनाने ,मिलेट कैफ़े,पेट्रोल पम्प आदि संचालित करने हेतु विस्तृत चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने भूमिहीन पैक्स और रैनी व गोविन्दगढ़ क्रय विक्रय सहकारी समिति के गोदाम निर्माण के लिए भूमि चिह्नीकरण कर आवंटन की कार्यवाही हेतु निर्देशित किया। बैठक में नवीन पैक्स गठन के संबंध में विचार-विमर्श के पश्चात जिले में 45 पैक्स विहीन ठाम पंचायत में से 29 ग्राम पंचायतो में पैक्स गठन की स्वीकृति दी गई।

बैठक में उप रजिस्ट्रार सहकारी समितियां गुलाब चंद मीना, उपभोक्ता भंडार के महाप्रबंधक प्रकाश झा, तकनीकी सहायक उप रजिस्ट्रार सहकारी समिति लोकेन्द्रपाल वर्मा, राजीविका के डीपीएम राहुल, कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक पी.सी मीणा सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे वहीं पेयजल व जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक में अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता भवानी सिंह शेखावत, अधीक्षण अभियन्ता एनसीआर दिनेश कुमार वर्मा, सहायक वन संरक्षक अलवर काव्या बी, कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक पी.सी मीणा, जयपुर डिस्कॉम के अधिशासी अभियन्ता महेश देसवाल सहित जलदाय विभाग के अधिशासी अभियन्ता एवं सहायक अभियन्ता व राजस्व बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रथम मुकेश कायथवाल, जिला कलेक्टर द्वितीय योगेश डागुर, अतिरिक्त जिला कलेक्टर शहर बीना महावर, प्रशिक्षु आईएएस ऐश्वर्यम प्रजापति, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. योगेंद्र शर्मा, पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियंता भूरी सिंह, जिला रसद अधिकारी विनोद जुनेजा, कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक पीसी मीणा सहित नायब तहसीलदार एवं अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

टीमों के रजिस्ट्रेशन का कार्य जारी

शाहपुरा। जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह के नेतृत्व में सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत कबड्डी, दौड़, वॉलीबाल प्रतियोगिता 21 सितंबर से 25 दिसंबर 2025 तक को लेकर भाजपा युवा मोर्चा पूर्व प्रदेश मंत्री राजकुमार देवायुष सिंह ने जिला पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों और सांसद खेल महोत्सव के लोकसभा, विधानसभा, मंडलों के संयोजक व सह संयोजक के साथ लगातार बैठक करते हुए कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया। भाजपा जयपुर जिला देहात उत्तर मीडिया सह प्रभारी सुभाष जोशी ने बताया कि 21 सितम्बर 2025 से मंडल स्तर पर खेल प्रतियोगिताओं के रजिस्ट्रेशन की शुरुआत हो चुकी हैं, इच्छुक प्रतिभागी..पर जाकर ऑनलाइन पंजीकरण कर रहे है। इस दौरान भाजपा पूर्व जिला मंत्री एवं पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष, ग्राम पंचायत खोरी जीएसएस अध्यक्ष तथा कार्यक्रम के शाहपुरा शहर संयोजक रविश खटाणा ने बताया कि सांसद खेल महोत्सव को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। उन्होंने सभी युवाओं और नागरिकों से आठाह किया कि अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर इस महोत्सव को सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि खेल से ही व्यक्ति स्वस्थ, ऊर्जावान एवं अनुशासित रहता है।

वार्षिक मेले का भव्य आयोजन

चाकसू। श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सवाई माधोसिंह पुरा में वार्षिक मेले का आयोजन हुआ। मंत्री महावीर अजमेरा कोटखावदा ने बताया कि संगीतमय विधान मंडल पूजन सहित कई धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। प्रातः जैन धर्म के प्रवर्तक प्रथम तीर्थंकर मूलनायक भगवान आदिनाथ के अभिषेक व शांति धारा के पश्चात् शांतिनाथ मंडल विधान पूजन का संगीतमय आयोजन हुआ। रेणु जैन एवं अमन जैन कोटखावदा ने बताया कि भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गई। मंदिर अध्यक्ष चोथमल बड़जात्या चाकसू एवं कोषाध्यक्ष कमलेश जैन द्वारा बाहर से पधारे हुए अतिथियों को माला व साफा पहनाकर सम्मानित किया गया।

सार-समाचार

दम तोड़ती नजर आ रही है योजना

बौंली -बामनवास। सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में चलाई जा रही हर घर जल नल योजना कर्मचारियों की लापरवाही के कारण दम तोड़ती नजर आ रही है। ग्राम पंचायत थडोली के ग्रामीण वीरेंद्र शर्मा, रूप सिंह गुर्जर, महेश मीणा, सुनील जांगिड, बलराम, निखिलेश, लालाराम, सीताराम बैरवा व कजोड़ सहित अनेकों ठामीणों ने पत्रकार श्रद्धा ओम त्रिवेदी को साक्ष के साथ शिकायत दे कर अवगत कराया है कि ग्राम पंचायत मुख्यालय थडोली ठाम में हर घर नल योजना के तहत सरकार ने पेयजल टंकी बनाकर प्रत्येक घर के अंदर नल की सुविधा दे रखी है और इसमें नियमित पेयजल सप्लाई व्यवस्था में लाखों रुपया खर्चो किया गया है, लेकिन इस योजना में पेयजल व्यवस्था करने वाले कर्मचारियों की लापरवाही के कारण ठामीणों टंकी में पानी नहीं भरा जाता है, शिकायत करने पर कार्मिक अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं व अपने रसूको का हवाला देकर ग्रामीणों को धमकाते हैं, एवं थ्री फेस लाइट का बहाना बनाकर टंकी को नहीं भरते, इससे ग्रामीणों को पानी की समस्या रहती है। इस मामले की सत्यता को जानने के लिए जब ग्रामीणों एकत्रित होकर सप्लाई के कंट्रोल रूम पर पहुंचे तो जाकर देखा थ्री फेस लाइट आ रही थी, बाहर वाली मोटर चालू थी, अंदर व पंप पर ताला लगा था और उस समय कोई भी कर्मचारी वहां पर उपस्थित नहीं था। जब ग्रामीणों ने कर्मचारियों को फोन किया तो कर्मचारियों ने ग्रामीणों से अभद्रता करते हुए अपमानित किया। ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर को प्रार्थना पत्र देकर कर्मचारियों को पाबंद करते हुए व्यर्थ बह रहे पानी को रोकने एवं प्रतिदिन पर पेयजल सप्लाई सुचारु कराने की मांग की है।

हर्षित फौजदार ने स्वर्ण पदक जीता

भरतपुर (निस)। भरतपुर डिस्ट्रिक्ट स्थित स्वीमिंग पूल पर तैराकी प्रतियोगिता-2025 आयोजित की गई। जिसमें सभी वर्ग के बालक बालिका, महिला पुरूष ने भाग लिया। तैराकी के आयोजक कपिल फौजदार पार्षद ने कहा कि भरतपुर में प्रथम तैराकी प्रतियोगिता 26 से 29 सितम्बर तक आयोजित की गई। जिसका समापन आज किया गया। प्रतियोगिता में प्रतीक अठावाल द्वारा बताया गया कि यूथ केटेगरी 10 वर्ष से कम में 50 मीटर फ्री स्टाइल में हर्षित फौजदार ने स्वर्ण पदक, अनुज गोयल रजत पदक व विराट चौधरी ने कांस्य पदक जीता। वहीं सब जूनियर 10 से 14 वर्ष 50 मीटर फ्री स्टाइल में प्रिंस प्रथम, देवराज द्वितीय व ध्रुव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, जूनियर 14 से 18 वर्ष, 50 मीटर फ्री स्टाइल में अभिनव प्रथम, राज द्वितीय व चिराग ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सीनियर केटेगरी 50 मीटर फ्री स्टाइल में मनीष ने स्वर्ण पदक, जितेंद्र ने रजत पदक तथा नमन अठावाल ने कांस्य पदक प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता का पंकज चतुर्वेदी एवं अनन्त शर्मा खेल प्रेमी की देखरेख में आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में एथलीटों के जोश व प्रदर्शन ने दर्शकों का मन मोह लिया। आयोजन समिति के अध्यक्ष कपिल फौजदार ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएँ भरतपुर में तैराकी खेल के विकास को नई दिशा प्रदान करेंगी और हमारा भरतपुर तैराकी में पिछडा हुआ है जिसको तैराकी में आगे बढाने का प्रयास किया जावेगा जिससे भरतपुर के खिलाडी नेशनल एवं इन्टरनेशनल लेविल तक पहुँच सकेंगे। इस प्रतियोगिता को देवेन्द्र गोयल मोदी गन हाउस गंगा मंदिर भरतपुर द्वारा स्पोंसर्ड किया गया।

शहरी सेवा शिविर एक से

दौसा। राज्य सरकार की ओर से आमजन को एक ही स्थान पर सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ देने और जनसमस्याओं का निस्तारण करने के लिए चलाए जा रहे ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविर अभियान के तहत 1 अक्टूबर, बुधवार को विभिन्न नगरीय वार्डों में शिविर आयोजित किए जाएंगे। अतिरिक्त जिला कलक्टर रामस्वरूप चौहान ने बताया कि 1 अक्टूबर को दौसा के वार्ड नं. 41 से 43 का शिविर फायर स्टेशन दौसा, बांदीकुई के वार्ड नं.24 से 28 का राजीव उद्यान केन्द्र बनापुरिया मौहल्ला बांदीकुई, लालसोट के वार्ड नं. 26, 29 एवं 30 का राव का कुंआ शिव मंदिर पपलाज माता रोड लालसोट, महवा के वार्ड नं. 9 का अम्बेडकर भवन, बसवा के वार्ड नं.12 से 16 का कार्यालय परिसर नगर पालिका बसवा, सिकराय के वार्ड नं. 13 एवं 14 का कार्यालय भवन नगर पालिका सिकराय, भाण्डारेज के वार्ड नं. 17 एवं 18 का नगर पालिका कार्यालय भाण्डारेज, लवाण के वार्ड नं.15 का कार्यालय नगर पालिका लवाण, रामगढ़ पचवारा के वार्ड नं. 9 का कार्यालय नगर पालिका रामगढ़ पचवारा एवं मण्डावरी के वार्ड नं. 9 का कार्यालय नगर पालिका मण्डावरी में शिविर लगेंगे। अतिरिक्त जिला कलेक्टर रामस्वरूप चौहान ने बताया कि ग्रामीण सेवा शिविर अभियान के तहत 2 अक्टूबर, गुरूवार को हुडला व बालाहेडी (महवा), लाहडी का बास एवं छारेडा (नांगल राजावतान) में शिविर आयोजित किए जाएंगे।

स्कूल समय यथावत रखने की मांग

दौसा। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं शिक्षा मंत्री मदन दिलावर को पत्र लिखकर वर्तमान विद्यालय समय को 12 अक्टूबर तक बढाये जाने की मांग की है। जिला महामंत्री राजकुमार नेता वाला ने बताया कि 1 अक्टूबर से शिवरा पंचांग के अनुसार विद्यालय का समय परिवर्तन होने जा रहा है। गर्मी का प्रकोप अभी कम नहीं हुआ है ऐसे में 12 अक्टूबर तक समय परिवर्तन करना उचित नहीं रहेगा। 1 अक्टूबर से यदि विद्यालय का समय प्रात: 10 बजे से सायं 4 बजे तक किया जाता है तो शिक्षक और शिक्षार्थियों को कई परिस्थितियों परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। शिक्षकों व शिक्षार्थियों की परिस्थितियों का ध्यान में रखते हुए संगठन ने विद्यालय समय यथावत रखने की मांग की है।

संघ स्वयंसेवकों ने पद संचलन निकाला

चाकसू। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा अम्बेडकर बस्ती में संघ शताब्दी के उदघाटन सत्र विजयादशमी उत्सव में पथ संचलन निकाला। शस्त्र पूजन उत्सव के मुख्य अतिथि प्रभुनारायण बैरवा एवं नगर के संघचालक डॉ मुकेश दीक्षित ने किया। शस्त्र पूजन के बाद बस्ती के स्वयंसेवको ने शारीरिक प्रदर्शन किया इसके बाद महेश जिला कार्यवाह सांगानेर ने विजयादशमी उत्सव के उपलक्ष्य में बौद्धिक प्रदान किया जिसमें उन्होंने कहा की संघ इस विजयादशमी पर अपने 100 वर्ष पूर्ण करके शताब्दी वर्ष मना रहा है जिसमे इस पूरे वर्ष में संघ सात कार्यक्रम करने वाला है जिसमे समाज की सहभागिता बढ़ चढ़कर रहेगी इस शताब्दी वर्ष का प्रथम कार्यक्रम ये विजयादशमी उत्सव हैं और हिन्दू समाज मे पंच परिवर्तन से समाज परिवर्तन करने का समय है अत: सभी स्वयंसेवक इस वर्ष में पंच परिवर्तन स्व का जागरण स्वदेशी,पर्यावरण,कुटुम्ब प्रबोधन,सामाजिक समरसता,नागरिक शिष्टाचार ये पाँच बाते अपने व्यवहार में दिखनी अनिवार्य हैं हम हिन्दू समाज को संगठित और अनुशासित करके भारत को सभी प्रकार से सूखी सम्पन्न बनाना है परम् वैभव पर ले जाना है ये सब व्यवहार में प्रकट करना है।

'सहकार सदस्यता अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए टीम भावना से करें'

भरतपुर (निस)। जिले में चल रहे विकास कार्यों, केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं एवं आमजन से जुड़ी आवश्यक सेवाओं की प्रगति की समीक्षा हेतु सोमवार को जिला कलक्टर कमर चौधरी की अध्यक्षता में साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सड़क, बिजली, पेयजल, स्वास्थ्य, सहकारिता, स्वच्छता एवं जनकल्याण से जुड़ी योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की गई।

- भरतपुर जिला कलक्टर की अध्यक्षता में साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित
- स्वच्छता नारी शक्ति परिवार अभियान को गति देने और रक्तदान हेतु जनजागरूकता बढ़ाने पर बल दिया। नगर निगम आयुक्त को स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत कचरा केंद्रों की नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए

जिला कलक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनहित की समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए और सेवा शिविरों में मौके पर ही समाधान की व्यवस्था की जाए। उन्होंने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को नियमित निरीक्षण एवं मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभागीय अधिकारी अपने विभाग की संचालित विभिन्न योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग कर प्रगति लायें और राज्य स्तरीय रैंकिंग में जिले की स्थिति सुधारने के लिए समीक्षा बैठक आयोजित करें। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देश दिए कि बारिश से क्षितठास्त स्वास्थ्य केंद्रों एवं अन्य संपत्तियों के लंबित प्रस्तावों की सूची बीसीएमएचओ के माध्यम से सत्यापित कर भिजवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने स्वच्छता नारी शक्ति परिवार अभियान को गति देने और रक्तदान हेतु जनजागरूकता बढ़ाने पर बल दिया। नगर निगम आयुक्त को स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत कचरा केंद्रों की नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

जिला कलेक्टर ने राजकीय कार्यों की ई-फाइलिंग की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी अधिकारियों को पत्रावलियों की नियमित मॉनिटरिंग और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही पीएम किसान योजना के लंबित आवेदनों की ई-केवाईसी और आधार सीडिंग का कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने सीईओ को निर्देश दिए कि आगामी 2 से 15 अक्टूबर तक सहकार सदस्यता अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए सहकारिता विभाग एवं संबंधित उपखण्ड अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करें।

इसके तहत नवीन पैक्स गठन, सदस्यता राशि की स्वीकृति, नए सहकारिता कानून की जानकारी, युवाओं व महिलाओं के लिए विशेष सदस्यता अभियान तथा पीएम किसान योजना से संबंधित कार्य प्रमुख गतिविधियों के रूप में होंगे। साथ ही आवश्यकता अनुसार नए गोदामों के लिए भूमि चिह्नीकरण किया जाएगा। जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि ग्राम पंचायत स्तर पर ग्रामीण सेवा शिविरों में आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत जनजातीय समुदायों को सशक्त बनाने की गतिविधियां आयोजित की जाएं। सेवा शिविरों में अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य होगी और जन समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया जाएगा जिला कलक्टर ने पीएम स्वनिधि योजना, मुख्यमंत्री विश्वकर्मा योजना और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की प्रगति की समीक्षा की और अधिकारियों को बैंकरों के साथ समन्वय कर कार्य में गति लाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि नगर निगम आयुक्त एवं सीईओ पीएम स्वनिधि योजना में प्रगति लाने के लिए संबंधित बैंक अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित करें। उन्होंने खनन प्रभावित क्षेत्रों में सड़क, पानी, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी आधारभूत सुविधाओं को प्राथमिकता देने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर सीईओ मृदुल सिंह, निदेशक घना मानस सिंह, अतिरिक्त कलक्टर शहर राहुल सैनी, एसीईओ रेखा रानी, आयुक्त नगर निगम श्रवण विश्नोई, उपखण्ड अधिकारी भारती गुप्ता, सहायक निदेशक लोकसेवाएं भारती भारद्वाज, सीएमएचओ डॉ. गौरव कपूर सहित विभिन्न अधिकारी मौजूद रहे।

लक्ष्मण को आई मूर्छा, संजीवनी लाकर हनुमंत बने संकटमोचक

पावटा। आदर्श रामलीला मंडल पावटा की प्रसिद्ध रामलीला के प्रसंग लीला प्रेमियों के दिलों को छूने का काम करते हैं। सत्रहवें दिन, जब मेघनाद(अभिषेक) ने युद्ध में ब्रह्मशक्ति का प्रयोग करते हुए लक्ष्मण(शुभम) को मूर्छित कर दिया, तो राम(लक्की) की दुःखदायी भावना दर्शकों के चेहरों पर साफ नजर आई। इस क्षण ने सभी को भावुक कर दिया, विशेषकर प्रभु राम के भाई के प्रति संवेदनशील संवादों और पवनसुत हनुमान(रामशरण बोहरा) के संवादों ने उपस्थित दर्शकों को झकझोर दिया। सोमवार को रामलीला मैदान में चारों द्वार की लड़ाई का मंचन किया गया। इस दौरान लक्ष्मण शक्ति, हनुमान द्वारा संजीवनी बूटी लाने की लीला भी दिखाई गई। श्रीराम और वानर-भालू वीर लंका के चारों द्वार घेरने की योजना बनाते हैं। जामवंत(लक्ष्य), नील, अंगद और हनुमान को विभिन्न द्वारों पर तैनात किया जाता है। युद्ध की भयंकरता देखकर राक्षस डरकर भागने लगते हैं, लेकिन

- भालुओं व वानरों की गर्जना से सहमे राक्षस
- मेघनाद ने वानर वीरों को मारते हुए अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया, जिसके जवाब में हनुमान ने पहाड से उस पर हमला किया और उसका रथ नष्ट कर दिया

रावण(विकास पंचोली) की धमकी सुनकर वापस लौट आते हैं। मेघनाद ने वानर वीरों को मारते हुए अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया, जिसके जवाब में हनुमान ने पहाड से उस पर हमला किया और उसका रथ नष्ट कर दिया। इस बीच, मेघनाद प्रभु राम के पास जाकर अपमानजनक शब्द कहता है, जिसे राम अपने अग्नि बाण से काट देते हैं। क्रोधित लक्ष्मण मेघनाद से लड़ने आगे बढ़ते हैं, लेकिन वह ब्रह्मशक्ति का प्रयोग करके लक्ष्मण को मूर्छित कर देता है। इस दृश्य ने राम को विलाप करने पर मजबूर कर दिया। हनुमान, लक्ष्मण को बचाने के लिए सुषेन वैद्य(महेश पारीक) को बुलाते हैं और उसके निर्देशानुसार धौलगिरि पर्वत से संजीवनी बूटी लाते हैं। सुषेन वैद्य इस बूटी का उपयोग करके लक्ष्मण की मूर्छा समाप्त करते हैं, और प्रभु श्रीराम उन्हें गले लगाते हैं। इसी के साथ आरती के बाद लीला का समापन किया गया। इस दौरान आदर्श रामलीला मंडल पावटा व्यास व अध्यक्ष योगेश शर्मा, वीरेंद्र बंसल, वरिष्ठ कार्यकर्ता उमेश टांक, सुरेश शर्मा, अमरनाथ पटेल, महेश पारिक, सचिव चेतन जोशी, कोषाध्यक्ष विकास पंचोली, ललित शर्मा, उपाध्यक्ष नरेंद्र गौड, रामशरण बोहरा, सोनू अठावाल, सांवरमल बोहरा, दीपक पटेल, सहित रामलीला के समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने आए हुए गणमान्यों का दुपट्टा व फोटो से स्वागत किया।

नमोः युवा रन मैराथन का आयोजन

चाकसू। भाजपा की ओर से आयोजित सेवा पखवाडे के तहत भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा शिवदासपुरा में नमो युवा रन मैराथन का आयोजन हुआ। इस दौरान दौड़ में विजेता प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह एवं प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर भाजपा के जिला अध्यक्ष राजेश गुर्जर, प्रदेश मंत्री मिथिलेश गौतम, बस्सी विधायक प्रत्याशी चंद्रमोहन मीणा, जिला मंत्री एवं कार्यक्रम संयोजक देवव्रत सिंह चन्दलाई, अमित वाटिका, हेमंत मीणा,उपाध्यक्ष श्रवण गुर्जर, एडवोकेट अर्जुन सिंह राजावत हिंगोनिया (संयोजक भाजपा विधि प्रकोष्ठ जयपुर जिला देहात दक्षिण), पूर्व मण्डल अध्यक्ष हेम सिंह राठौड़, गिर्राज डूंगरी, शिवदासपुरा मंडल अध्यक्ष ज्ञानचंद मीणा, शिवदासपुरा युवा मोर्चा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह राठौड़, महामंत्री राजेंद्र सिंह बासडी, महिला अध्यक्ष सुमन कुमावत आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे। इस आयोजन का उद्देश्य युवा वर्ग को स्वास्थ्य, खेल-कूद और देशभक्ति की भावना से जोड़ना और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर समाज सेवा की महत्ता को बढ़ावा देना था।

शारदीय नवरात्रि में डांडिया महोत्सव ने मचाई धूम

फुलेरा। नवयुवक शक्ति शिष्ट मंडल के तत्वावधान में जोबनेर रोड स्थित जीवन संगीत मैरिज गार्डन में आयोजित डांडिया महोत्सव इन दिनों अपने परवान पर है। शारदीय नवरात्र के उपलक्ष में आयोजित इस नवरात्र महोत्सव में नगर के युवाओं और श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा है। मां जगदम्बे के

- नवरात्र महोत्सव में नगर के युवाओं और श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा है

दरबार में पूजा-अर्चना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, जिसमें दैनिक रेल यात्री संघ के एकीकृत अध्यक्ष अशोक वासुदेव, शिक्षाविद शक्ति सिंह, मनीष सचदेवा, बजरंग दल के दीपेश सैनी, सन्नी ओबेरॉय, धर्मेंद्र स्वामी और विनीत कुमावत सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। नवयुवक शक्ति शिष्ट मंडल अध्यक्ष लक्ष्य

फुलेरा में मां जगदम्बे के दरबार में पूजा-अर्चना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

कुमावत और पदाधिकारियों ने अतिथियों का दुपट्टा ओढ़ाकर स्वागत अभिनंदन किया। इसके बाद युवक-युवतियों ने पारंपरिक परिधानों में गरबा नृत्य प्रस्तुत किया और रंग-बिरंगे आयोजनों में आनंद लिया। पूरे वातावरण में नवरात्रि के भक्ति गीतों और ताल-लय की गूंज से भक्तिमय माहौल बन गया।

इस मौके पर दैनिक रेल यात्री संघ के एकीकृत अध्यक्ष अशोक वासुदेव ने कहा कि नवरात्रि जैसे सांस्कृतिक पर्व समाज में एकता और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। ऐसे आयोजनों से युवाओं को अपनी संस्कृति से जुड़ने का अवसर मिलता है और समाज में सौहार्द की भावना और मजबूत होती है।

भारतीय टीम ने साफ कर दिया था कि वे पीसीबी चीफ और एसीसी प्रमुख मोहसिन नकवी के हाथों से एशिया कप की ट्रॉफी नहीं लेंगे। लेकिन मोहसिन नकवी भी अपनी बात पर अड़े रहे।

- सूर्यकुमार यादव

भारतीय बल्लेबाज, एशिया कप की ट्रॉफी न लेने पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

तिलक वर्मा

पाकिस्तान के खिलाड़ी तिलक वर्मा को आउट करने के लिए उन्हें उकसा रहे थे। लेकिन तिलक ने पाकिस्तान के खिलाड़ियों को अपने बल्ले से जवाब दिया। जब तिलक बैटिंग के लिए क्रीज पर आए तो पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने उनके खिलाफ 'काफी टीका-टिप्पणी' की। जिसने इस भारतीय बल्लेबाज को उनके अब तक के करियर की सबसे शानदार पारियों में से एक खेलने के लिए प्रेरित किया। शुरुआती ओवरों में विकेट गिरने के कारण भारतीय टीम मुश्किल स्थिति में थी। दोनों टीमों के बीच तनाव वाले माहौल के बीच तिलक को बहुत कुछ कहा भी गया।

क्या आप जानते हैं ?... भारत एशिया कप की सबसे सफल टीम है। टीम इंडिया ने अब तक खेले गए 16 सीजन में 8 बार खिताब पर कब्जा जमाया है। अब भारत की नजर 9वें खिताब पर है।

भारतीय टीम ने नहीं ली मोहसिन नकवी से एशिया कप की ट्रॉफी

दुबई, 29 सितंबर। भारतीय क्रिकेट टीम ने रविवार को दुबई में पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल मैच में जीत के बाद, एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी से एशिया कप ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया। इस घटनाक्रम के कारण रिंकू सिंह द्वारा विजयी चौका जड़े जाने के डेढ़ घंटे से भी अधिक समय बाद पुरस्कार वितरण समारोह शुरू हुआ। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार भारतीय टीम ने नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया, जबकि नकवी विजेता टीम को ट्रॉफी सौंपने के लिए अपनी जगह से हटने को तैयार नहीं हुए। नकवी, जो कि पाकिस्तान के गृहमंत्री भी हैं, इस बात पर अड़े रहे कि वे अकेले ही ट्रॉफी देंगे। पुरस्कार वितरण का प्रसारण शुरू होने से पहले ही ट्रॉफी को मैदान से हटा लिया गया था। तिलक वर्मा, कुलदीप यादव और अभिषेक शर्मा ने प्रायोजकों से अपने-अपने पुरस्कार प्राप्त किए लेकिन भारतीय टीम को अपने विजेता पदक और ट्रॉफी नहीं मिल पायी। भारत को बिना ट्रॉफी के अपने ड्रेसिंग रूम में लौटना पड़ा। पाकिस्तान ने बीसीबी अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम से अपने उपविजेता पदक प्राप्त किए और उसके बाद सीधे अपने ड्रेसिंग रूम में चले गए, उनके साथ उनके मुख्य कोच माइक हेसन भी थे। मैच समाप्त होने के बाद पाकिस्तान की टीम और उसके सदस्य ड्रेसिंग रूम चले गये इसे बाद प्रेस कॉफ्रेंस को लेकर अनश्चिता का माहौल बन गया। पाकिस्तानी टीम आखिरकार एक घंटा अंदर बिताने के बाद, संभवतः तनावपूर्ण गतिरोध के खत्म होने का इंतजार करते हुए, ड्रेसिंग रूम से बाहर निकली और अपनी टीम को ट्रॉफी उठाते देखने के लिए उत्सुक अधिकतर भारतीय दर्शकों ने जोरदार हूटिंग की। फिर भी पुरस्कार वितरण समारोह में और देरी हुई और दोनों टीमों के खिलाड़ी मैदान पर ही बैठे रहे। ऐसा माना जा रहा है कि अमीरात क्रिकेट बोर्ड के उपाध्यक्ष खालिद अल ज़रूनी और बीसीबी के अमीनुल इस्लाम ने भारत को ट्रॉफी प्रदान करने की पेशकश की थी। यह एक ऐसी व्यवस्था थी जिसे भारत स्वीकार करने को तैयार था। हालांकि, नकवी इसके लिए तैयार नहीं थे और खुद ट्रॉफी देने पर अड़े रहे। अंततः, भारत को कोई ट्रॉफी नहीं दी गयी। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पुरस्कार वितरण समारोह में कुछ नहीं कहा, तिलक वर्मा को प्लेयर ऑफ द मैच, सलमान अली आगा (पाकिस्तानी कप्तान) और अभिषेक शर्मा (प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट) का साक्षात्कार लेने के बाद होस्ट साइमन डूल ने घोषणा की, "मुझे एशियाई क्रिकेट परिषद ने सूचित किया है कि भारतीय क्रिकेट टीम आज रात अपने पुरस्कार नहीं ले पाएगी। इसलिए मैच के बाद का पुरस्कार वितरण समारोह यहीं समाप्त होता है।" समारोह समाप्त होने और नकवी के जाने के बाद भारतीय टीम के खिलाड़ी फोटो खिंचवाने के लिए चैंपियंस का साइनबोर्ड थोड़ी देर के लिए बाहर लाया गया लेकिन उसे फिर से हटा दिया गया। खिलाड़ियों ने तुरंत तैयारी की: वे मंच पर बैठे, कैमरों के लिए पोज दिए और फिर उस पर चढ़ गए। सूर्यकुमार ने मुस्कुराते हुए एक काल्पनिक ट्रॉफी उठाने का अभिनय किया, जबकि उनके साथी खिलाड़ी उनके चारों ओर तालियां बजा रहे थे। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में सूर्यकुमार ने कहा कि शानदार प्रदर्शन के बाद भारत ट्रॉफी जीतने का हकदार था। सूर्यकुमार ने कहा, "जब से मैंने क्रिकेट खेलना और क्रिकेट देखना शुरू किया है, तब से मैंने कभी ऐसा नहीं देखा कि एक चैंपियन टीम को ट्रॉफी से वंचित कर दिया जाए। हमें ट्रॉफी हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत की। हम चार सितंबर से यहां है, लगातार दो अच्छे मैच खेले। मुझे लगता है कि हम इसके हकदार थे। मैं इससे ज़्यादा कुछ नहीं कह सकता, मुझे लगता है कि मैंने इसे बहुत अच्छी तरह से व्यक्त कर दिया है, मैं इसके बारे में और कुछ नहीं कह सकता।" भारत की पांच विकेट की जीत के तुरंत बाद, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए 21 करोड़ रुपये के इनाम की भी घोषणा की।

भरोसे का प्रतीक बन गए हैं तिलक वर्मा

नई दिल्ली, 29 सितंबर। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में रविवार को खेले गए एशिया कप फाइनल में भारत के माथे पर जीत का तिलक लगाने वाले तिलक वर्मा आज न केवल हर भारतीय की जुबान पर हैं, बल्कि भरोसे का प्रतीक भी बन गए हैं। आठ नवंबर 2002 को आंध्रप्रदेश के हैदराबाद में तेलगु परिवार में जन्में तिलक वर्मा ने 21 की उम्र पार करने से पहले ही अगस्त 2023 में भारत के लिए अपना पहला अंतरराष्ट्रीय टी-20 मैच खेला था। अपने इस पहले मैच में उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरी और तीसरी ही गेंद पर दो शानदार छक्के लगाकर साबित कर दिया कि वह क्रिकेट जगत में अपनी धाक जमाने के लिए आए हैं। एक वक्त था जब इस प्रतिभावान खिलाड़ी के पिता श्री नम्बूरी नागराजू के पास इतने पैसे नहीं थे कि वह निजी कोचिंग की व्यवस्था कर पाते, लेकिन तब तिलक के पहले कोच श्री सलाम बयाश ने न केवल उनके लिए मुफ्त कोचिंग की व्यवस्था की, बल्कि आवश्यक सामान भी जुटाए। तिलक ने उनके भरोसे पर खरे उतरते हुए 2018-19 में हैदराबाद की ओर से प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण किया। उन्हें जल्द ही, 2020 में दक्षिण अफ्रीका में खेले जाने वाले अंडर-19 विश्वकप के लिए चुन लिया गया, जहां उन्होंने तीन पारियों में महत्वपूर्ण 86 रन बनाए। तिलक घरेलू क्रिकेट में 2021 में हैदराबाद की ओर से खेलते हुए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया और सात पारियों में 147.26 के स्ट्राइक रेट से 215 रन बनाए। इस प्रदर्शन पर आईपीएल टीमों की नजर गई और 2022 के मेगा ऑक्शन में मुंबई इंडियन्स ने उन्हें 1.70 करोड़ में खरीद लिया। तिलक ने अपने पहले आईपीएल सीजन में सभी 14 मैच खेले और 36.09 की औसत एवं 131.02 की स्ट्राइक रेट से 397 रन बनाए। आईपीएल के इस शानदार प्रदर्शन ने भारतीय टीम में उनके चयन का मार्ग प्रशस्त कर दिया और उन्होंने 2023 में वेस्ट इंडीज के खिलाफ अपना पदार्पण किया। तिलक वर्मा ने अब तक के अपने क्रिकेट कैरियर में 32 अंतरराष्ट्रीय टी-20 मैचों में 30 पारियों में 149 की स्ट्राइक रेट से 962 रन बनाए हैं। अपने टी-20 करियर में उन्होंने दो शतक लगाए हैं और वह भी लगातार दो पारियों में, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। उनका एक पारी में सबसे अधिक स्कोर 120 नाबाद रन है। तिलक को हालांकि एक दिवसीय मैचों में बहुत मौका नहीं मिला है, लेकिन उन्होंने चार मैचों में एक अर्धशतक जड़ दिया है। उन्होंने प्रथम श्रेणी में 22 मैचों में 34 पारियां खेलते हुए अब तक 1562 रन बनाए है। उल्लेखनीय है कि बाएं हाथ का यह बल्लेबाज, बॉलिंग ऑल राउंडर है, जिसने अंतरराष्ट्रीय टी-20 में छह पारियों में गेंदबाजी करके तीन विकेट भी हासिल किये है। तिलक के पिता श्री नागराजू पेशे से एक इलेक्ट्रीशियन हैं और वह भी हर पिता की तरह चाहते थे कि उनका बेटा एक स्थायी आय वाले पेशे में जाए। वह चाहते थे कि उनका बेटा डॉक्टर बने, लेकिन फिर भी उन्होंने अपने आप को अपने बेटे पर नहीं थोपा। तिलक की मां एक गृहणी हैं और उनके छोटे भाई तरुण वर्मा भी एक खिलाड़ी हैं, वह राष्ट्रीय स्तर पर बैडमिंटन खेल चुके हैं।

स्ट्रोक से वर्ल्ड चैम्पियन तक, रोचक और प्रेरक है पोलैंड की मैग्दलेना की खेल यात्रा

नई दिल्ली, 29 सितंबर। जब मैग्दलेना एंड्रुस्जकिविच ने इंडियनऑयल नई दिल्ली विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में महिलाओं की टी72 400 मीटर फाइनल रेस का फिनिशलाइन छुआ तो, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम तालियों से गूंज उठा। दर्शकों के लिए यह एक दिव्यांग एथलीट की शानदार जीत थी, लेकिन मैग्दलेना के लिए यह सात वर्षों की संघर्षमय यात्रा, धैर्य और अडिग उम्मीद का प्रतीक था। इस 37 वर्षीय पोलिश एथलीट की कहानी असामान्य है। सात साल पहले, अचानक हुए मस्तिष्क स्ट्रोक ने उनके शरीर के एक हिस्से को निष्क्रिय कर दिया था। मैग्दलेना याद करती हैं, "एक पल में मेरी दुनिया बदल गई। जिंदगी जैसी मैं जानती थी, अचानक खत्म हो गई लग रही थी।" लेकिन यही क्षण उनके जीवन जीवन की एक नई और प्रेरणादायी यात्रा की शुरुआत बन गया। फिजिकल थेरेपी के दौरान फ्रेम साइकिल चलाते हुए उन्होंने धीरे-धीरे खेलों के प्रति लगाव महसूस किया। वह कहती हैं, "शुरुआत में यह केवल अपने पैरों पर खड़े होने की कोशिश थी। फिर यह मेरा जुनून बन गया, और अब यह मेरी ज़िंदगी है।" पांच साल पहले मैग्दलेना ने पैरा एथलेटिक्स को पूरी तरह अपनाया। जापान के कोबे में आयोजित विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के पिछले संस्करण में उन्होंने टी72 कटेगरी में विश्व रिकार्ड के साथ पहला वर्ल्ड चैंपियनशिप खिताब जीता। इससे पहले उन्होंने पेरिस में 2023 में आयोजित विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में टी72 400 मीटर स्पर्धा में रजत पदक जीता था। रविवार को नई दिल्ली में उन्होंने कोबे में जीते गए अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। उन्होंने एक मिनट 13 सेकंड में दौड़ पूरी की-जो उनके अपने विश्व रिकॉर्ड आधा सेकेंड अधिक था। मैग्दलेना के सपने केवल पदक तक सीमित नहीं हैं। 2028 में लॉस एंजेलेस पैरालिंपिक्स में 72 कटेगरी का डेब्यू होना है। इसे लेकर मैग्दलेना का लक्ष्य साफ है। आंखों में दृढ़ संकल्प के साथ वह मुस्कुराते हुए कहती हैं, "मेरा सपना सोना जीतना है।" भारत ने भी उन्हें खास अनुभव दिया। पहली बार यहां दौड़ते हुए वह दर्शकों की गर्मजोशी और ऊर्जा से प्रभावित हुईं। वह कहती हैं, "मुझे यहां बहुत अच्छा लग रहा है। लोग और माहौल सब कुछ अद्भुत है। भारत शानदार है। अद्भुत है।" स्ट्रोक से पहले मैग्दलेना नर्तकी थीं। यही अनुशासन बाद में उनके खेल जीवन का सहारा बना। उन्होंने कहा, "नृत्य ने मुझे संतुलन, लय और धैर्य सिखाया। इन सबका फायदा मेरी वापसी में हुआ।" मैग्दलेना नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में केवल जीत का जश्न नहीं मना रही थीं। वह साबित कर रही थीं कि चाहें कुछ भी हो जाए, नई शुरुआत की जा सकती है, जीवन फिर से जीया जा सकता है।

एशेज सीरीज से बाहर होने के बाद क्रिस वोक्स ने लिया संन्यास

लंदन, 29 सितंबर। इंग्लैंड के ऑलराउंडर क्रिस वोक्स ने एशेज सीरीज से बाहर होने के बाद सोमवार को सोशल मीडिया पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। वोक्स ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर अपने संन्यास लेने की घोषणा करते हुए कहा, वह क्षण आ गया है, और मैंने तय कर लिया है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का यही सही समय है उन्होंने लिखा, इंग्लैंड के लिए खेलना एक ऐसी चीज थी जिसका मैं बचपन से ही सपना देखता था और मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानता हूं कि मैंने उन सपनों को जीया।

पिछले 14 सालों में इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व करना, थ्री लायंस जर्सी पहनना और टीम के साथियों के साथ मैदान साझा करना, जिनमें से कई मेरे आजीवन दोस्त बन गए हैं, ऐसी चीजें हैं जिन्हें मैं बहुत गर्व के साथ याद करूंगा। उन्होंने कहा, मैं काउंटी क्रिकेट खेलना जारी रखने और निकट भविष्य में और भी फ्रैंचाइजी अवसरों की तलाश करने के लिए उत्सुक हूं। इस वर्ष जुलाई के आखिर में भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच में कंधे की हड्डी में चोट लगने के बाद फिटनेस हासिल करने की जद्दोजहद के बाद 36 वर्षीय वोक्स को पिछले हफ्ते इंग्लैंड की एशेज टीम से बाहर कर दिया गया था।

इंग्लैंड पुरुष टीम के प्रबंध निदेशक रॉब की ने बाद में कहा कि वोक्स हमारी योजनाओं में बिल्कुल भी नहीं हैं। वोक्स ने 62 टेस्ट, 122 एकदिवसीय और 33 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के बाद इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व किया। उनका आखिरी प्रदर्शन भारत के खिलाफ ओवल टेस्ट में 11वें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे थे। उन्होंने पांचवें दिन सीरीज जीतने में मदद करने की नाकाम कोशिश की थी।

खेल व खिलाड़ियों का करियर संवारने को सरकार प्रतिबद्ध : आर्या

अल्मोड़ा, 29 सितंबर। उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले के सोमेश्वर में सोमवार को दो दिवसीय ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए खेल मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि उनकी सरकार खेल और खिलाड़ियों के उत्थान के लिए पूरी ताकत से काम कर रही है। आर्य ने कहा कि खेल केवल मनोरंजन नहीं हैं बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। सरकार ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी उन्नयन योजना और खिलाड़ी प्रोत्साहन योजना शुरू की है। पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी देने का प्रावधान भी हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि खेल का मैदान जीवन की असली पाठशाला है। जो युवा अनुशासन और परिश्रम के साथ मैदान में उतरते हैं, वे केवल पदक ही नहीं जीतते बल्कि हजारों-लाखों लोगों के लिए आदर्श भी बनते हैं। आने वाले समय में यही खिलाड़ी उत्तराखंड का गौरव बढ़ाएंगे। खेल मंत्री ने कहा कि सरकार उनकी हरसंभव मदद के लिए तैयार है। अगर खिलाड़ी मेहनत करेंगे तो खेल ही आपके लिए करियर का रास्ता खोलेगा। प्रदेश सरकार आपके सपनों को पूरा करने के लिए आपके साथ खड़ी है। इस अवसर पर अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

फ्रिट्ज ने ब्रूक्सबी को हराकर टोक्यो फाइनल में प्रवेश किया

टोक्यो, 29 सितंबर। अमेरिका के स्टार टेनिस खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज सोमवार को जापान ओपन में अपने हमवतन जेनसन ब्रूक्सबी पर सीधे सेटों में जीत के साथ सीजन के अपने तीसरे एटीपी टूर फाइनल में पहुंच गए।

स्विस सुपरस्टार कैथरीन डेब्रुनर ने पदकों के अपने संग्रह में जोड़ा एक और स्वर्ण

नई दिल्ली, 29 सितंबर। स्विट्जरलैंड की दिग्गज पैरा एथलीट कैथरीन डेब्रुनर ने एक बार फिर साबित किया कि वह इस पीढ़ी की सबसे महान खिलाड़ियों में से एक हैं। उन्होंने रविवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में जारी इंडियनऑयल नई दिल्ली विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में महिलाओं की 5000 मीटर टी54 फाइनल में स्वर्ण पदक जीतकर अपने शानदार करियर में एक और उपलब्धि जोड़ ली। पिछले साल पेरिस पैरालंपिक खेलों में पांच स्वर्ण और एक रजत पदक जीतने वाली डेब्रुनर को स्वयं को पोडियम पर देखने की आदत हो चुकी है। नई दिल्ली में मिली जीत से पहले ही 30 वर्षीय यह खिलाड़ी विश्व चैंपियनशिप में पांच स्वर्ण और तीन रजत पदक अपने नाम कर चुकी थीं। रविवार को उन्होंने 12:18.29 मिनट समय के साथ फिनिश लाइन पार की और चीन की तियान याजुआन तथा अपनी हमवतन पेट्रीसिया ईचस को पछाड़कर पहला स्थान हासिल किया। भारत में अपने पहले अनुभव पर डेब्रुनर ने कहा, "यह मेरा भारत में पहला मौका है और मुझे कहना होगा कि यह बिल्कुल अलग संस्कृति और देश है, जिसकी मुझे आदत नहीं है। यह वाकई बहुत अलग अनुभव रहा।"

उन्होंने नए मोंडो ट्रैक और प्रतिष्ठित स्टेडियम पर भी अपनी राय दी। उन्होंने कहा, "नया बिछाया गया मोंडो ट्रैक तेज होने में थोड़ा समय लेता है। फिर भी यह अच्छा ट्रैक है। यह एक शानदार स्टेडियम है। हमें यहां स्वागत करने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।" डेब्रुनर ने महज आठ साल की उम्र में खेलों की दुनिया में कदम रखा था और आज वह पैरा स्पोर्ट्स की वैश्विक प्रतीक बन चुकी हैं। साल 2023 में उन्हें लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्सपर्सन ऑफ द ईयर विद ए डिसएबिलिटी अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया था।

अपने लंबे सफर को याद करते हुए उन्होंने कहा, "यह एक बहुत लंबी यात्रा रही है। मैं उन सभी अनुभवों के लिए आभारी हूं जो मुझे मिले। मैंने बहुत सारे अद्भुत लोगों और खिलाड़ियों से मुलाकात की है, जिनमें से कुछ को मैं बीस साल से जानती हूं। हम सबको सिर्फ खिलाड़ी ही नहीं बल्कि इंसान के तौर पर बढ़ते देखना अद्भुत रहा है। इस कम्युनिटी का हिस्सा बनकर मुझे खुशी है। यह मेरा जुनून है और हर दिन उसे जी पाना मेरे लिए सबसे बड़ी खुशी है।" एक और स्वर्ण पदक के साथ, डेब्रुनर ने फिर से साबित किया कि वह धैर्य, उत्कृष्टता और खेल के प्रति गहरी लगन की मिसाल हैं।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया अंडर-21 पर 1-0 से जीत दर्ज की

कैनबरा, 29 सितंबर। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने सोमवार को कैनबरा के नेशनल हॉकी सेंटर में अपने तीसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया अंडर-21 टीम पर 1-0 से जीत दर्ज की। कनिका सिवाच (32वें मिनट) ने भारत के लिए विजयी गोल दागा। आज यहां खेले गये मुकाबले में भारतीय महिला जूनियर टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। पहले हाफ में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर के बाद, भारत ने आखिरकार तीसरे क्वार्टर के शुरुआती मिनटों में कनिका सिवाच के महत्वपूर्ण मैदानी गोल की बदौलत गतिरोध तोड़कर अपनी टीम को जीत दिलाई। भारत इससे पहले ऑस्ट्रेलिया अंडर-21 टीम के खिलाफ लगातार दो मैच हार चुका था, लेकिन इस जीत के साथ, मेहमान टीम इस नई लय को बरकरार रखते हुए इस दौरे के बाकी मैचों में वापसी करने की उम्मीद करेगी। भारत अपने ऑस्ट्रेलिया दौरे के समापन के लिए 30 सितम्बर और दो अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख हॉकी वन लीग में खेलने वाले क्लब कैनबरा चिल के खिलाफ दो मैच खेलेगा।

आरसीए अंडर-23 चैलेंजर ट्रॉफी आगामी एक अक्टूबर से जयपुर में खेली जाएगी

जयपुर, 29 सितंबर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025-26 की अंडर 23 प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में आगामी 1 अक्टूबर 2025 से अंडर 23 चैलेंजर ट्रॉफी खेली जाएगी। चैलेंजर ट्रॉफी हेतु 4 टीमों का चयन राजस्थान सीनियर चयन कमेटी ने आरसीए द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय अंडर 23 प्रतियोगिता में खिलाडियों के प्रदर्शन के आधार पर किया।

टीम अ : राहुल गर्गोशनिक ग्रोवर, सोहन जयफयाश, शोभित मिश्रा, आयुष अमेरिका, पार्थ यादव, सलाउद्दीन, पुष्पेंद्र सिंह, चेतन शर्मा, शुभम खंडेलवाल, समरजीत सिंह, आर्यन जैनचंद्र पाल सिंह।

टीम बी : सौरभ कुमार गोदारा, मोल चेलानिम्, अरमान, प्रवीण चौधरी, महेंद्र चौधरी, गणेश हिंगरा, अनुभव गहलोत, तनकुश कुमार सर्वज्ञ, पनेरिया व्यांश सिंह, भगवान सिंह, शुभम सिंह, मेहुल पारीक।

टीम सी : सौरभ सिंह राजपूत, धर्मवीर सैनी, दर्शन जैन, मिनफ शेख, राहुल चौधरी, रामेश्वर, गैरी मोहम्मद हैं। सदगणेश सुथार वंश प्रताप, नकित कुमार रोहिल, संग्राम सिंह, देव यादव, सम्राट सिंह.

टीम डी : एनएमेजय सिंह भाटी, दिग्विजय सहारन, निलेष टंकादित्य, लूना पुखराज, कुमार जयंत गठर, विश्वजीत सिंह, मनीष आचार्य, पुलकित गुप्ता, भवानी सुथारन, साचिन लखेसर, सिद्धार्थ गौतम.

राजस्थान के बॉडी बिल्डर विशाल सिंह ने दक्षिण एशिया में जीता कांस्य पदक

जयपुर, 29 सितंबर। भूटान में आयोजित हुई साउथ एशिया में बॉडीबिल्डिंग एंड मैन फिजिक्स चैंपियनशिप में राजस्थान के विशाल सिंह रावत ने 75 किलोग्राम भार वर्ग में ब्रोंज मेडल जीता राजस्थान बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष नवीन यादव ने बताया कि अजमेर के विशाल सिंह पूर्व में भी राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीत चुके हैं। राज्य संघ के अध्यक्ष नवीन यादव सचिव अशोक औदिचय कोषाध्यक्ष राजेश यादव सहित संपूर्ण राजस्थान राज्य संघ के सभी पदाधिकारी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक प्राप्त करने पर विशाल सिंह रावत को बधाई दी।

अरावली क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 29 सितम्बर। अंडर 13 पिंकसिटी कप में वर्धमान क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 22 ओवर में 49 रन 10 विकेट के नुकसान पर बनाएं। अरावली क्रिकेट अकादमी की ओर से लखन ने 5 और रामनिवास ने 3 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी अरावली क्रिकेट अकादमी ने 6 ओवर में 50 रन 2 विकेट के नुकसान पर बनाकर जीत हासिल कर ली। वर्धमान क्रिकेट अकादमी की ओर से सिद्धार्थ ने दो विकेट लिया। मैन ऑफ द मैच लखन को चुना गया!

पीकेएल-12 : अपने डेब्यू मैच में जमकर दहाडे अंकित दहिया, यूपी योद्धाज को हराकर गुजरात जांयट्स ने लगातार पांच हार के बाद चखा पहली जीत का स्वाद

चेन्नई, 29 सितंबर। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) में अपना डेब्यू मैच खेलने उतरे रेडर अंकित दहिया ने डिफेंस में हाई फाइव लगाते हुए सोमवार को यहां एसडीएटी मल्टी परपज इनडोर स्टेडियम में खेले गए 12वें सीजन के 53वें मैच में गुजरात जायंट्स को यूपी योद्धाज के खिलाफ 33-27 से जीत दिला दी। गुजरात जायंट्स की इस सीजन में नौ मैचों में लगातार पांच हार के बाद यह पहली और इस सीजन की दूसरी जीत है। टीम के अब चार अंक हो गए हैं। वहीं, यूपी योद्धाज को नौ मैचों में पांचवीं हार झेलनी पड़ी है। विजेता गुजरात के लिए अंकित दहिया के आठ प्वाइंट के अलावा राकेश ने छह और शादलू ने आठ प्वाइंट लिए। यूपी के लिए भवानी राजपूत ने आठ और गगन गौड़ा ने छह अंक जुटाए। पीकेएल में अपना डेब्यू मैच खेलने उतरे अंकित दहिया ने शानदार शुरुआत की। लेकिन शुरुआत पांच मिनटों में दोनों टीमें 5-5 की बराबरी पर थी। गुजरात जायंट्स के लिए एचएस राकेश ने आठवें मिनट में डू ऑर डाई में सुपर रेड लगाकर अपनी टीम को तीन अंक और दिला दिए और इससे गुजरात 8-5 से आगे हो गई। इसी बीच, शादलू ने भी सुपर रेड लगाकर यूपी को ऑलआउट कर दिया। जायंट्स की टीम ने इसके साथ ही पहले 10 मिनट के खेल में 12-7 की लीड बना ली। मैच में गगन गौड़ा के पांच प्वाइंट के बावजूद 15वें मिनट तक यूपी योद्धाज की टीम चार अंक से पीछे चल रही थी। यूपी ने हालांकि फिर डू ऑर डाई में राकेश को टैकल करके डिफेंस में अपना अंक हासिल किया। इसके बाद भवानी राजपूत ने डू ऑर डाई में सुपर रेड लगाकर अपनी टीम को मुकाबले में बनाए रखा। उधर आज शादलू फॉर्म में लौट चुके थे और पहले हाफ में पांच प्वाइंट लेकर उन्होंने शुरुआती 20 मिनटों में गुजरात जायंट्स को 21-16 से आगे रखा। यूपी योद्धाज ने दूसरे हाफ में गुमान सिंह को मैट पर उतारा। लेकिन वो भी अपने लय में नहीं दिखे। जायंट्स के पास 25वें मिनट तक 23-19 की बढ़त बरकरार थी। इसी बीच, शादलू आउट होकर मैट से बाहर चले गए और इसके बाद भी 30वें मिनट तक टीम की चार अंकों की लीड कायम थी। पीकेएल में अपना डेब्यू मैच खेल रहे रेडर अंकित दहिया ने गुजरात के लिए डिफेंस में अपना हाई फाइव पूरा कर लिया। मैच के 35वें मिनट तक गुजरात जायंट्स 29-24 से आगे थी। जायंट्स की टीम ने अंतिम मिनटों में भी अपनी लीड को बरकरार रखते हुए 33-27 से मैच को अपने नाम कर लिया।

हॉकी इंडिया ने सीनियर पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए 33 सदस्यीय कोर ग्रुप की घोषणा की

बेंगलुरु, 29 सितंबर। हॉकी इंडिया ने मंगलवार से 18 अक्टूबर तक बेंगलुरु स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र में चलने वाले सीनियर पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए 33 सदस्यीय कोर संभावित समूह की घोषणा की। यह शिविर भारतीय टीम के लिए आगामी दो प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं 31वें सुल्तान अजलान शाह कप 2025, जो 22 से 29 नवंबर तक मलेशिया के इपोह में खेला जाएगा, आज यहां शिविर को लेकर भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, "एशिया कप जीतना और विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना हमारे लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि थी, लेकिन यह केवल शुरुआत है। खिलाड़ी नए जोश के साथ शिविर में वापस आए हैं, और अब हमारा ध्यान पूरी तरह से सुल्तान अजलान शाह टूर्नामेंट के लिए रणनीतिक तैयारी पर केंद्रित है। विश्व कप की तैयारी शुरू करने और अपने बड़े लक्ष्यों की ओर बढ़ने के लिए सीधे दक्षिण अफ्रीका जाने से पहले यह एक और महत्वपूर्ण परीक्षा होगी। सफलता केवल परिणामों के बारे में नहीं है - यह इस बारे में है कि हम एक टीम के रूप में कैसे सीखते हैं, अनुकूलन करते हैं और एक साथ बढ़ते हैं।"

सीनियर पुरुष शिविर के लिए 33 सदस्यीय सूची इस प्रकार है:-

गोलकीपर:- कृष्ण बी पाठक, सूरज करकेरा, पवन और मोहित होन्नेनाहल्ली शशिकुमार

डिफेंडर:- संजय, जुगराज सिंह, हरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, सुमित, नीलम संजीप , जरमनप्रीत सिंह, पूवन्ना चंदूरा बॉबी, यशदीप सिवाच, अमनदीप लाकड़ा और वरुण कुमार

मिडफील्डर:- राजिंदर सिंह, राज कुमार पाल, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, मनप्रीत सिंह, मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह, विष्णु कांत सिंह, नीलकंठ शर्मा, मोहम्मद राहील मौसीन और मनिंदर सिंह।

फारवर्ड: - अभिषेक, सुखजीत सिंह, सेल्वम कार्थी, शिलानंद लकड़ा, मनदीप सिंह, दिलप्रीत सिंह, अंगद बीर सिंह और आदित्य अर्जुन लालगे।

श्रीलंका के खिलाफ भारतीय महिला टीम विश्वकप में जीत के साथ शुरुआत करने उतरेगी

गुवाहाटी, 29 सितंबर। मजबूत रिकार्ड के साथ प्रबल दावेदार के रूप में भारतीय महिला क्रिकेटर मंगलवार को श्रीलंका के खिलाफ आईसीसी महिला विश्व कप 2025 के पहले मैच में जीत हासिल करने उतरेगी।

एकदिवसीय मुकाबलों की बात की जाये तो भारत ने श्रीलंका के खिलाफ खेले गए 35 मैचों में से 31 में जीत हासिल की है। मेहमान टीम को केवल तीन मैच जीते है और एक बेनतीजा रहा है। यह शानदार रिकॉर्ड भारत को गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले मुकाबले में मनोवैज्ञानिक बढ़त दिलाता है। इस साल शानदार फॉर्म में चल रही कप्तान हरमनप्रीत कौर और स्मृति मंधाना का बल्लेबाजी में दबदबा होगा। उन्होंने 14 मैचों में 66.28 की औसत से 928 रन बनाए हैं, जिसमें चार शतक और तीन अद्धर्शतक शामिल हैं। जेमिमाह रोड्रिग्स, हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा और प्रतीका रावल एक चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाने में सक्षम टीम बनाती है। भारतीय गेंदबाजी की बात की जाये तो स्नेह राणा 4.97 की इकॉनमी रेट से 21 विकेट लेकर शीर्ष पर हैं। रेणुका सिंह ठाकुर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़ और दीप्ति शर्मा, सभी श्रीलंकाई बल्लेबाजों को रोकने और महत्वपूर्ण मौकों पर विकेट झटकने में सक्षम है। वहीं चामरी अटापट्टू की अगुवाई में श्रीलंका इतिहास को फिर से लिखने की कोशिश करेगा। उनकी उम्मीदें भरोसेमंद हर्षिता समरविक्रमा पर टिकी हैं, जिन्होंने इस साल आठ मैचों में 48.00 की औसत से 336 रन बनाए हैं।

स्पिनर देवमी विहंगा उनकी बेहतरीन गेंदबाज रही हैं, उन्होंने चार मैचों में 11 विकेट लिए हैं। इन पर भारत के स्कोर को रोकने की जिम्मेदारी होगी। बरसापारा की पिच बल्लेबाजों के लिए अनुकूल मानी जाती है, इस पिच पर एकदिवसीय मैचों में पहली पारी का औसत स्कोर लगभग 300 रन होता है। बीच के ओवरों में स्पिनर को टर्न मिल सकता हैं। संभावित भारतीय महिला एकादश: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, प्रतीक रावल, जेमिमा रोड्रिग्स, हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, ऋचा घोष (विकेट कीपर), अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़ और रेणुका सिंह ठाकुर। संभावित श्रीलंका महिला एकादश: चामरी अटापट्टू (कप्तान), हर्षिता समाराविक्रमा, हासिनी परेरा, विशमी गुणरत्ने, नीलाक्षी डी सिल्वा, अनुष्का संजीवनी (विकेटकीपर), पिउमी बदलगे, देवमी विहंगा, सुगंडिका कुमारी, इनोका राणावीरा और मल्की मदारा।

भारत दौरे से पहले विंडीज को एक और झटका

जोसेफ के बाद एक और गेंदबाज चोट के कारण बाहर

नई दिल्ली, 29 सितंबर। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ पीठ के निचले हिस्से में चोट के कारण सोमवार को भारत के विरुद्ध टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए, जिससे टीम को एक और झटका लगा है। बारबाडोस के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जेडियाह ब्लेड्स को दो अक्टूबर से अहमदाबाद में शुरू होने वाली दो मैच की सीरीज के लिए जोसेफ की जगह टीम में शामिल किया गया है। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने कहा कि अल्जारी जोसेफ पीठ के निचले हिस्से में चोट के कारण भारत के विरुद्ध आगामी टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। असहजता की शिकायत के बाद स्कैन से पता चला कि पहले ठीक हो चुकी पीठ के निचले हिस्से की चोट फिर उभर आई है। बयान के अनुसार, नेपाल के विरुद्ध मौजूदा सीरीज के बाद होने वाले दो टेस्ट मैच के लिए कवर के तौर पर वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में खेल चुके जेडियाह ब्लेड्स को टीम में शामिल किया गया है। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने कहा कि अनुभवी ऑलराउंडर जेसन होल्डर ने पूर्व निर्धारित चिकित्सा प्रक्रिया से गुजरने के लिए भारत में टीम में शामिल होने के प्रस्ताव को ठुकरा दिया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को जयपुर में नारायण विहार, पत्रकार कॉलोनी और खोरा बीसल में तीन नए पुलिस थानों का वर्चुअल शुभारंभ किया। इस अवसर पर स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, सीएलजी सदस्य उपस्थित थे।

नये थानों से अपराध नियंत्रण व महिला सुरक्षा को गति मिलेगी -भजनलाल

मुख्यमंत्री ने जयपुर में नारायण विहार, पत्रकार कॉलोनी व खोरा बीसल में नये थानों का शुभारंभ किया

■ **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पुलिस का रैस्पॉन्स टाइम सुधारने के लिए 25 इन्टरसैप्टर वाहन, 250 मोटर साइकिलें और 500 मोबाइल यूनिट वाहन प्रदान किये गये हैं।**

जयपुर, 29 सितम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को जयपुर में नारायण विहार, पत्रकार कॉलोनी और खोरा बीसल में तीन नए पुलिस थानों का वर्चुअल शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य में कानून का राज स्थापित करना और अपराधियों पर कठोर कार्रवाई करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में पुलिस व्यवस्था को आधुनिक और सशक्त बनाने के लिए कई क्रांतिकारी कदम उठाए गए हैं। सरकार के कार्यकाल में अपराधों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स और पेपर लीक मामलों की जांच के लिए एसआईटी का गठन कर सख्त कार्रवाई की जा रही है।

राज्य सरकार द्वारा प्रभावी पुलिसिंग के लिए 22 नए पुलिस थानों का सृजन, 8 चौकियों का थानों में क्रमोन्नयन तथा 35 नई पुलिस चौकियों की स्वीकृति दी गई है। साथ ही, जयपुर में एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स के लिए एक नया थाना और 9 चौकियों की स्थापना हेतु 255 पद सृजित किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में 65 एंटी रोमियो स्क्वॉड का गठन किया गया है। इसके साथ ही, पद्मिनी, काली बाई और अमृता देवी नामक तीन नई महिला बटालियन गठित की गई हैं। इसके अतिरिक्त, 500 कालिका पेट्रोलिंग यूनिट तैनात की गई हैं और महिला हेल्पलाइन 1090 के माध्यम से त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इसके अलावा, गिरफ्तार व्यक्तियों और गुमशुदा लोगों की जानकारी अब पुलिस पोर्टल पर उपलब्ध है। पुलिस का रेस्पॉन्स टाइम सुधारने के लिए 25 इंटरसेप्टर वाहन, 750 मोटरसाइकिलें और 500 मोबाइल यूनिट वाहन प्रदान किए गए हैं। साथ ही, एफएसएल में 123 नए पद सृजित कर जांच की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित की जा रही है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नारायण विहार थाना परिसर का फीता काटकर उद्घाटन किया तथा अन्य थानों का वर्चुअली लोकार्पण किया। कार्यक्रम में स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, सीएलजी सदस्य और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

'राहुल को धमकी देने वाले पर कार्यवाही क्यों नहीं?

■ **कांग्रेस पार्टी ने यह सवाल उठाते हुए यह भी कहा कि यह धमकी आवेश में की गई टिप्पणी नहीं बल्कि सोची समझी रणनीति का हिस्सा है।**

नयी दिल्ली, 29 सितम्बर। कांग्रेस ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को जान से मारने की धमकी की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि यह हैरानी की बात है कि भाजपा गांधी को जान से मारने की धमकी देने वाले अपने प्रवक्ता के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रही है।

पार्टी ने सोमवार को कहा कि भाजपा प्रवक्ता की यह धमकी अतिश्योक्ति नहीं है, बल्कि सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है। गांधी को पहले भी विभिन्न अवसरों पर धमकियां दी जाती रही हैं, लेकिन भाजपा प्रवक्ता की लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी को लाइव टेलीविजन शो पर जान से मारने की यह धमकी उसकी मंशा पर गंभीर सवाल उठाती है।

कांग्रेस ने एक बयान में सवाल किया कि क्या गांधी के खिलाफ कोई बड़ी और भयावह साजिश हो रही है, इसलिए भाजपा जान से मारने की धमकियों की राजनीति का समर्थन करती है। अगर ऐसा नहीं है तो भाजपा को तत्काल अपने प्रवक्ता के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

कांगेस का कहना है कि यह अत्यंत गंभीर मामला है, इसलिए पार्टी नेता के सी वेणुगोपाल ने इस मुद्दे पर गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर प्रवक्ता के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

कैनडा ने लॉरैंस बिश्नोई गैंग को आतंकवादी संगठन घोषित किया

कैनडा सरकार ने दावा किया कि बिश्नोई गैंग देश में कई गैंग वॉर व हत्याओं में शामिल है

■ **कैनडा के कई राजनेताओं ने लॉरैंस बिश्नोई गैंग पर प्रतिबंध की माँग की थी। जून में ब्रिटिश कोलम्बिया में प्रधानमंत्री ने तथा जुलाई में अल्बर्टा के प्रधानमंत्री ने इस गैंग पर प्रतिबंध लगाने की मांग की थी।**

ओटावा, 29 सितंबर। कैनडा ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग को प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया है। इस गैंग पर प्रतिबंध लगाने की मांग बहुत पहले से की जा रही थी। कैनडा का दावा है कि बिश्नोई गैंग उनके देश में कई गैंगवार और हत्याओं में शामिल है। लॉरेंस बिश्नोई गुजरात के साबरमती सेंट्रल जेल में बंद है। कैनडा के सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री गैरी आनंदसांगरी ने घोषणा की कि कैनडा ने बिश्नोई गिरोह को देश की आपराधिक संहिता के तहत, आधिकारिक तौर पर आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध किया है। एक्स पर पोस्ट किए गए एक बयान में, आनंदसांगरी ने लिखा, ''आज हमारी सरकार ने बिश्नोई गिरोह को एक आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध किया है। कैनडा में हिंसा, आतंक और समुदायों को धमकाना कभी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।''

कैनडा के कई राजनेताओं ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग पर प्रतिबंध की मांग की थी। 17 जून को ब्रिटिश कोलंबिया के प्रधानमंत्री डेविड एबी ने कहा, ''आतंकवादी घोषित किए जाने से पुलिस को इस गतिविधि की जांच करने और उसे रोकने के लिए आवश्यक उपकरणों का उपयोग करने में मदद मिलती है। इससे पुलिस को महत्वपूर्ण जांच टूल्स मिलते हैं।'' जुलाई में, अल्बर्टा के प्रधानमंत्री डैनियल स्मिथ ने भी लॉरेंस बिश्नोई गैंग पर प्रतिबंध की मांग की थी।(कैनडा की अपराध निरोधक राज्य सचिव रूबी सहोता ने कहा कि अगर कोई समूह आतंकवादी समूह होने के पैरामीटर्स पर आधारित है तो उसे बिना कोई देरी किए सूचीबद्ध कर दिया जाएगा।

14 मई को कैनडा के टोरंटो में 51 वर्ष के हरजीत सिंह ढ ड्डा की उनके ऑफिस के पॉर्किंग में हत्या कर दी गई थी। हमलावरों ने हरजीत को गोलियों से छलनी कर दिया था। उनकी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई थी। बाद में बिश्नोई गैंग से जुड़े दो लोगों ने फेसबुक पोस्ट में हरजीत की हत्या की जिम्मेदारी ली थी।

घाटी में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कश्मीर संभाग में जिन सात टूरिस्ट स्पॉट को फिर से खोला गया, उनमें अरु घाटी, राफ्टिंग पॉइंट यान्नर, अक्कड़ पार्क, पादशाही पार्क और कमान पोस्ट शामिल हैं।

इसके अलावा, जम्मू संभाग में भी 5 पर्यटन स्थलों को खोला गया है, जिनमें डगन टॉप (रामबन), धग्गर (कठुआ), शिव गुफा (सालाल, रियासी) शामिल हैं। इससे पहले, जून महीने में प्रशासन ने 16 अन्य पर्यटन स्थलों को भी फिर से खोला था, जिनमें पहलगाम के कुछ हिस्से भी शामिल थे।

पाक अधिकृत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यूनाइटेड कश्मीर पीपुल्स नेशनल पार्टी ने पाकिस्तानी प्रशासन पर आरोप लगाया है कि वह जानबूझकर संचार व्यवस्था ठप कर रहा है, ताकि क्षेत्र को अलग-थलग किया जा सके और सूचना प्रवाह रोका जा सके।

पार्टी ने संयुक्त राष्ट्र, अमेरिका, यूरोपीय संघ और अन्य वैश्विक शक्तियों से अपील की है कि वे हस्तक्षेप करें और 13 मई 2024 जैसी एक और त्रासदी को रोकें, जब मुज़फ्फराबाद में पाकिस्तानी रेंजरों ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों पर गोली चलाई थी, जिसमें तीन नागरिकों की मौत हुई थी, यह मामला अब भी अनसुलझा है।

पार्टी का कहना है कि पाक अधिकृत कश्मीर और गिलगित-बाल्टिस्तान अभी भी राजनीतिक रूप से उपेक्षित क्षेत्र हैं, जहां नागरिकों को बोलने, चलने और स्व-शासन के अधिकार नहीं दिए जाते। यह एक ऐसा आरोप है, जो पाकिस्तान के कश्मीरी आत्मनिर्णय के झूठ को उजागर करता है। यह संकट चीन के रणनीतिक समीकरण को भी जटिल बना सकता है, क्योंकि चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर के कुछ हिस्से गिलगित-बाल्टिस्तान से होकर गुजरते हैं। यदि अस्थिरता बढ़ी, तो इससे निवेश प्रभावित होगा, पाकिस्तान की कमज़ोर अर्थव्यवस्था पर और दबाव पड़ेगा तथा बीजिंग-इस्लामाबाद संबंधों में खटास आ सकती है।

यह संकट महज़ कानून-व्यवस्था का मुद्दा नहीं है - यह पाकिस्तान के कब्ज़े वाले क्षेत्रों में विफल शासन का जनमत संग्रह है। दुनिया देख रही है, और इस्लामाबाद के पास अब सिर्फ दो विकल्प हैं सुधार और संवाद के रास्ते से आगे बढ़ना, या पाक अधिकृत कश्मीर को एक और सुरक्षा संकट में बदल देना।

भारत और वैश्विक समुदाय के लिए संदेश स्पष्ट है कि पाक अधिकृत कश्मीर के सुखी होने का भ्रम टूट चुका है।'' अब जो सामने आ रहा है, वह एक ऐसा क्षेत्र है जो अपने बुनियादी अधिकारों की माँग कर रहा है, और ऐसा करते हुए, वह दक्षिण एशिया के राजनीतिक भूगोल को नए सिरे से गढ़ रहा है।

क्रिकेट मैच के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अपने रुख के चलते, 1974 में रोडेशिया के खिलाफ डेविस कप टेनिस फाइनल खेलने से भी इनकार कर दिया था। वर्ष1971 में, जब भारत-पाकिस्तान युद्ध अपने चरम पर था, तब भी दोनों देशों के खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शेष विश्व 'रेस्ट ऑफ द वर्ल्ड' टीम का हिस्सा थे। कहा जाता है कि उस समय भारतीय और पाकिस्तानी खिलाड़ी एक ही कमरे में ठहरे थे।

कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा कि मैदान पर हुआ यह ड्रामा दुर्भाग्यपूर्ण था और मौजूदा रिश्तों को देखते हुए, भारत को पाकिस्तान के खिलाफ खेलने का फैसला नहीं करना चाहिए था।

भारतीय रेल नैटवर्क से जुड़ेगा भूटान

भारत सरकार ने 4 हज़ार करोड़ रूपए की परियोजना को मंजूरी दी

■ **रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ प्रैस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी और कहा, यह रेलें बिजली से चलेंगी, जिससे पर्यावरण को भी नुकसान नहीं होगा।**

नयी दिल्ली, 29 सितम्बर। भारत ने रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण पड़ोसी देश भूटान को अपने रेलवे नेटवर्क से जोड़ने के लिए सोमवार को कुल चार हजार करोड़ रुपये से अधिक की दो महत्वाकांक्षी रेल-मार्ग परियोजनाओं के निर्माण की घोषणा की।

इसका निर्माण पूरा होने पर भूटान के दो शहर गेलेफू और समत्से क्रमशः असम और पश्चिम बंगाल से सीधे रेलगार्म से जुड़ जायेंगे। इससे दोनों देशों के बीच यात्री और माल परिवहन में भारी सुधार होगा।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यहां विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि इनमें से पहली परियोजना असम के कोकराझार से भूटान के गेलेफू और दूसरी पश्चिम बंगाल के बनारहाट से समत्से के बीच रेल संपर्क के लिए तैयार की गयी है । उन्होंने बताया कि बनारहाट और भूटान के औद्योगिक शहर समत्से के बीच 16 किलोमीटर लम्बी रेलवे लाइन विकसित की जायेगी और यह लाइन भूटान को पहली बार रेल संपर्क से जोड़ेगी।

भूटान के महत्वपूर्ण शहर गेलेफू को कोकराझार से जोड़ने वाला रेल मार्ग करीब 70 किलोमीटर लंबा होगा। इस तरह इन परिजनाओं से भूटान में पहली बार करीब 90 किलोमीटर के रेल मार्ग उपलब्ध होंगे, जो भारतीय रेल-नेटवर्क से जुड़े होंगे।

रेल मंत्री ने कहा कि इन दोनों परियोजनाओं को चार साल में पूरा किया जाएगा और इन पर करीब 4033 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। भूटान के लिए विकसित किये जाने वाली रेलवे लाइनों को वंदेभारत रेल चलाने के अनुकूल बनाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि भूटान के लिए भारत सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और उसका बाहरी दुनिया के साथ अधिकांश व्यापार भारतीय बंदरगाहों और भारत के सड़क मार्गों के माध्यम से होता है। प्रस्तावित रेलवे नेटवर्क के तैयार होने के बाद भूटान की अर्थव्यवस्था को काफी फायदा होगा।

भूटान को जोड़ने वाली रेल लाइनें बिजली से संचालित होंगी है और इस तरह रेल परिचालन से पर्यावरण को कोई नुकसान नहीं होगा।

'गौतम-शिल्पी मर्डर केस में लिप्त थे सम्राट चौधरी'

पटना, 29 सितंबर। ''जन सुराज'' प्रमुख प्रशांत किशोर ने गौतम-शिल्पी मर्डर केस में बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी की संलिप्ता का आरोप लगाया है। प्रशांत किशोर ने सम्राट चौधरी का नाम लेकर कहा कि बेहतर होगा कि वे खुद इस मामले में अपनी संलिप्ता को लेकर जवाब दे दें। वे अगर ऐसा नहीं करते हैं तो हम लोग अपने अगले प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस मामले से जुड़े साक्ष्य को जारी कर पूरी कहानी बता देंगे। जनसुराज के प्रमुख प्रशांत किशोर ने उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि सीबीआई ने बिहार के सबसे चर्चित शिल्पी हत्याकांड में साधु यादव के अलावा, सम्राट चौधरी को भी अभियुक्त बनाया था। सीबीआई की टीम ने सम्राट चौधरी उर्फ राकेश कुमार से लंबी पूछताछ भी की थी। उनका सैंपल भी लिया गया था। लेकिन तत्कालीन लालू- राबड़ी सरकार ने साधु यादव को बचाने के लिए पूरे मामले को रफा दफा कर दिया था। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने आरोपों पर जवाब देते हुए कहा, 1997-1998 में ही मुझे कोर्ट ने बरी किया है। उनके आरोपों में दम नहीं है।

सहयोग पोर्टल पर सुप्रीम कोर्ट में अपील करेगा एक्स

एक्स ने कहा, कर्नाटक हाई कोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे, ताकि ''फ्री स्पीच'' की रक्षा हो सके

■ **सहयोग पोर्टल के जरिए देश भर के पुलिस अधिकारियों को अधिकार मिल गया है कि वे कोई भी ''कन्टैंट'' सोशल मीडिया से हटा सकते हैं।**

नई दिल्ली, 29 सितंबर। एलन मस्क का सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) भारत में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर एक बार फिर विवादों के केन्द्र में आ गया है। कंपनी ने सोमवार को कहा कि वह कर्नाटक हाईकोर्ट के उस फैसले के खिलाफ अपील करेगी, जिसमें सरकार के ''सहयोग पोर्टल'' को मंजूरी दी गई है। इस पोर्टल के जरिए, देशभर के करीब 20 लाख पुलिस अधिकारियों को कंटेंट हटाने का अधिकार मिल गया है।

एक्स ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, ''हम इस आदेश को चुनौती देंगे, ताकि फ्री स्पीच की रक्षा की जा सके।'' कंपनी का आरोप है कि सहयोग पोर्टल अधिकारियों को सिर्फ अवैधता के आरोप के आधार पर कंटेंट हटाने का आदेश देने का अधिकार देता है। इसमें न तो न्यायिक समीक्षा होती है और न ही प्रभावित यूज़र्स को कोई सुनवाई का मौका मिलता है। इसके अलावा प्लेटफॉर्म पर गैर-अनुपालन करने पर आपराधिक कार्रवाई का खतरा भी रहता है। एक्स और भारत सरकार के बीच कंटेंट हटाने को लेकर यह पहली लड़ाई नहीं है। पहले भी कंपनी कई बार सरकार के आदेशों को सेंसरशिप करार दे चुकी है। एलन मस्क खुद को फ्री स्पीच एब्सोल्यूटिस्ट बताते हैं और कई देशों की सरकारों के साथ कंटेंट मॉडरेशन को लेकर उनका टकराव रहा है।

यह पोर्टल अक्तूबर 2023 में शुरू किया गया था। इसके जरिए अधिकृत अधिकारी सीधे टैक कंपनियों तक कंटेंट हटाने का आदेश भेज सकते हैं। हाईकोर्ट ने हाल ही में इसे वैध करार दिया था, जिसके खिलाफ अब एक्स अपील करेगा।अब अदालतों में होने वाली सुनवाई यह तय करेगी कि भारत में डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर कंटेंट मॉडरेशन और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के बीच संतुलन कैसे बनाया जाएगा।

महाराष्ट्र में भारी बारिश, दो दिन में 10 की मौत

मुंबई, 29 सितंबर। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मुंबई और मुंबई उपनगरीय, रायगढ़ , ठाणे और पालघर सहित, चार अन्य जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जिनमें अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी गई है।

यह चेतावनी तटीय महाराष्ट्र में लगातार हो रही बारिश के बीच जारी की गई है, मुंबई में इस मानसून सीजन में 3,000 मिलीमीटर बारिश का आंकड़ा पार हो गया है।

अधिकारियों के अनुसार, 48 घंटों से अधिक समय में पूरे महाराष्ट्र में बारिश से संबंधित घटनाओं में कम से कम दस लोगों की जान चली गई, जबकि देर रात तक बाढ़ प्रभावित इलाकों से 11,800 से अधिक लोगों को बचाया गया है।

राज्य आपदा प्रबंधन विभाग ने बताया कि अकेले नासिक जिले में चार मौतें हुईं, धाराशिव और अहिल्यानगर में दो-दो मौतें हुईं, और जालना और यवतमाल जिलों में एक-एक मौत हुई।

चीन खुले दिल और मुक्त हाथों से डॉक्टर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शिक्षित वैज्ञानिक पहले से ही चीन लौट रहे थे और यह एक मजबूत और शायद ''अपरिवर्तनीय'' प्रवृत्ति थी।

स्वदेशी विज्ञान और प्रौद्योगिकी आधार विकसित करने की पहल कोई और नहीं बल्कि स्वयं चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा निरंतर की जा रही है। वे लंबे समय से चीनी वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं को प्रोत्साहित और सम्मानित करते आ रहे हैं। हाल ही में एक सैन्य प्रदर्शनी में चीन ने जिस अत्याधुनिक तकनीक और हाई-टेक रक्षा उत्पादों का प्रदर्शन किया, वह तो बस शुरुआत भर है।

असल में, चीन के पास ऐसे नतीजे पाने के दो बड़े कारण हैं। पहला, देश में उच्चतम स्तर पर स्वदेशी विज्ञान और प्रौद्योगिकी विकसित करने की राजनीतिक प्रतिबद्धता। कहा जाता है कि ''किसी राष्ट्र की तरक्की उसकी विज्ञान और प्रौद्योगिकी की प्रगति से होती है।''

ऐसे समय में, जबकि अमेरिका विदेशी प्रतिभाओं के प्रवेश पर रोक लगाने के लिए सख्त वीज़ा नियम लागू कर रहा है, तब चीन प्रमुख और युवा वैज्ञानिकों व तकनीकी विशेषज्ञों के लिए ''के'' वीज़ा नाम का नया वीज़ा प्रोग्राम ला रहा है।

दूसरा, चीन के पास इतना बड़ा कोष है कि वह विज्ञान और अनुसंधान को प्रोत्साहन देने के लिए ऐसे क्षेत्रों में भी निवेश कर सकता है जिनका तुरंत कोई उपयोग न हो, लेकिन भविष्य में बड़ा लाभ हो सकता है। चीनी संस्थान और शोध निकाय आर्टिफिशल इन्टैलिजैंस, रोबोटिक्स और नेटवर्क सुरक्षा जैसे क्षेत्रों के शीर्ष विशेषज्ञों को आमंत्रित कर रहे हैं और उन्हें लगभग पाँच लाख डॉलर तक के पैकेज दे रहे हैं। शीर्ष स्तर से मिले इन साफ निर्देशों के साथ चीन, ट्रम्प प्रशासन की सख्ती और एन्टी-इमिग्रेशन माहौल में फंसे प्रतिभाशाली लोगों को आकर्षक पद और सुविधाएं देकर लुभाने की कोशिश कर रहा है। एच-1बी वीज़ा पर ऊंची फीस लगाने की डॉनल्ड ट्रम्प की ''अदूरदर्शी'' नीति ने उच्च प्रतिभाओं, मुख्य रूप से वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और गणितज्ञों, में डर पैदा कर दिया है, जिन्हें अब प्रतिद्वंदी देश अपने यहां बुलाने की कोशिश कर रहे हैं।

ऐसे हालात में ट्रम्प प्रशासन की कार्रवाइयों पर सिर्फ शिकायत करने के बजाय भारत को युद्धस्तर पर पूरी स्थिति की समीक्षा करनी चाहिए और ऐसे प्रतिभाशाली लोगों को आकर्षित करने के लिए योजनाएं और धन उपलब्ध कराना चाहिए, अगर वे अमेरिका से बाहर आने का सोचते हैं। क्योंकि इस शीर्ष प्रतिभा को आकर्षित करने की होड़ बेहद प्रतिस्पर्धी और महंगी भी हो सकती है। पहले से ही अमेरिका का उत्तरी पड़ोसी देश कैनडा सक्रिय हो चुका है। कैनडा के नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने इस सप्ताह वॉशिंगटन में काउन्सिल ऑन फॉरेन रिलेशन्स के सामने कहा कि अमेरिका के वीज़ा नियमों में बदलाव पर उनकी नज़र है। उन्होंने कहा, ''शायद हम उनमें से कुछ को अपने यहां ला सकें।''

कार्नी, वीज़ा परिवर्तनों से प्रभावित लोगों के लिए कैनडा को एक स्वाभाविक विकल्प के रूप में पेश कर रहे हैं, जहाँ वे अपनी परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए नया कर व जगह पा सकते हैं। देश में अनेक विश्वस्तरीय संस्थान और शोध संगठन हैं जो ऐसे प्रतिभाशाली लोगों का स्वागत करने के लिए तैयार हैं।

जर्मनी भी ऐसा ही कर रहा है और उसे उम्मीद है कि अमेरिका से निकले शीर्ष प्रतिभाशाली लोग उसके देश को विकल्प के रूप में देखेंगे। भारत में जर्मन राजदूत विशेष रूप से इस बात की सराहना करते हैं कि भारतीयों ने सिलिकॉन वैली की कंपनियों और व्यापक रूप से शोध संस्थानों, विश्वविद्यालयों और अन्य जगहों के विकास में बड़ी भूमिका निभाई है।

जो देश अब शीर्ष प्रतिभाओं को पाने की होड़ में हैं, उनमें सबसे बड़ा आकर्षण बनकर जो देश उभर रहा है वो है चीन। इसकी वजह यह है कि चीन के पास पैसा है और पूरे देश में संस्थानों का ऐसा जाल है जो वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और एसटीईएम (स्टैम) क्षेत्र के लोगों को जगह दे सकता है।

चीन मुख्य रूप से प्रवासी चीनी नागरिकों को निशाना बना रहा है, लेकिन वह अन्य देशों के विशेषज्ञों का भी उतना ही स्वागत करता है। चीन, खासतौर पर रक्षा और सैन्य एप्लिकेशन्स में, अपने तकनीकी आधार को विकसित करने में अत्यधिक तेजी से आगे बढ़ रहा है।

तथापि, अगर भारत अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में एक खिलाड़ी, एक प्रमुख अर्थव्यवस्था और सबसे बढ़कर नवाचार और विकास के केन्द्र के रूप में बना रहना चाहता है, तो इसके अलावा कोई विकल्प नहीं है। चीन ने समझ लिया है कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी किसी भी देश की प्रगति की असली ताकत है और उसने शीर्ष प्रतिभाओं को आकर्षित करने और इसके लिए संस्थागत ढांचा तैयार करने की योजनाएं बना ली हैं।

सौभाग्य से भारत के पास उच्च विज्ञान संस्थानों की अच्छी श्रृंखला है। भारत के पास इस समय उच्च विज्ञान और इंजीनियरिंग के शोध प्रोजेक्ट्स को फंड करने के लिए पैसा भी है। इन्हें तकनीक और क्षमता के तेज विकास को बढ़ावा देने में इस्तेमाल किया जा सकता है। यह सच है कि पहले से मौजूद एक मजबूत ढांचे के साथ विदेश से आने वालों को समायोजित करना कठिन हो सकता है, लेकिन नए पदों पर इन्हें लाकर व्यवस्था में शामिल किया जा सकता है।

किसी भी हाल में, ट्रम्प की इस कठोर नीति से बाहर हुए प्रतिभाशाली लोगों को समाहित करने के लिए भारत को अब संरचनाएं विकसित करने की शुरुआत करनी ही चाहिए। कम से कम नए और युवा प्रतिभाशाली लोगों को तो यहीं रोकने की कोशिश की जा सकती है, ताकि वे सपनों की किसी दूसरी धरती की ओर भागने के बजाय अपने ही देश में बने रहें।

मोदी ने दिल्ली भाजपा कार्यालय का उद्घाटन किया

नयी दिल्ली, 29 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को दिल्ली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नये कार्यालय का उद्घाटन किया। इसके साथ ही, दिल्ली भाजपा को राजधानी के दीन दयाल उपाध्याय मार्ग पर स्थायी कार्यालय मिल गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर दिल्ली के 14 जिलों के भाजपा कार्यालयों का भी रिमोट दबाकर उद्घाटन किया। मोदी ने इस अवसर पर कार्यकर्ताओं से कहा कि भाजपा कार्यालय किसी मंदिर और देवालय से कम नहीं हैं।

उन्होंने इस अवसर पर कार्यकर्ताओं से आव्हान किया कि भाजपा कार्यालय जनता की आकांक्षाओं और उम्मीदों का केन्द्र बनें, इसके लिए आप सभी का यही प्रयास होना चाहिए कि यहां आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की समस्याओं का समाधान हो।

मोदी ने कहा कि दिल्ली भाजपा के नए कार्यालय की पहचान यहां की सुविधाओं से नहीं बल्कि जनसुनवाई और जन सेवा से होनी चाहिए, यह बात हम सभी को हमेशा याद रखनी होगी।

अडानी को प्रॉपर्टीज़ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आवेदन में कहा गया, ''24,030 करोड़ की कुल मूल राशि में से, सहारा समूह ने लगभग 16,000 करोड़ की राशि वसूल की है और इसे उपरोक्त खाते में जमा किया है।''

सेबी द्वारा सहारा समूह की संपत्तियों को बेचने में असफलता की ओर इशारा करते हुए, एसआईसीसीएल ने कहा कि रिफंड खाते में जमा की गई पूरी राशि केवल सहारा समूह के प्रयासों से ही एकत्र की गई। एसआईसीसीएल ने आगे बताया कि नवंबर 2023 में सहारा समूह के प्रमुख सुब्रत रॉय के निधन के बाद, समूह ने अपना एकमात्र निर्णय लेने वाला व्यक्ति खो दिया। परिवार के सदस्य अब दैनिक व्यावसायिक संचालन में शामिल नहीं हैं और वे निवेशकों के हितों की रक्षा करना चाहते हैं। याचिका में कहा गया कि यह निर्णय सभी हितधारकों के हित में लिया गया है, ताकि उनके दावे उचित रूप से संतुष्ट किए जा सकें और उन्हें अधिकतम मूल्य प्राप्त हो सके। हालांकि, बाजार की मौजूदा स्थिति और उपयुक्त खरीदारों की अनुपस्थिति के कारण प्रयासों को सफलता नहीं मिल पायी है। इन प्रयासों को उस समय और भी जटिल बना दिया गया, जब कई जांच एजेंसियों ने सुब्रत रॉय के परिवार के सदस्यों और समूह के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ जांच शुरू कर दी। 6 सितंबर की टर्म शीट के तहत 88 संपत्तियों की बिक्री को लेकर अदालत से अनुमति मांगते हुए समूह ने कहा कि प्रस्तावित सौदा एक महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाता है, जिससे समूह द्वारा अदालत के आदेशों के तहत निभाई जाने वाली वित्तीय जिम्मेदारियों का पालन सुनिश्चित हो सकेगा।

प्र.मंत्री मोदी ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

योगदान दिया है। रूपा पब्लिकेशन की ओर से प्रकाशित इस आत्मकथा का विमोचन सात अक्टूबर को किया जायेगा। इटली की प्रधानमंत्री ने इस आत्मकथा में अपनी कहानी अपने शब्दों में साझा करते हुए बताया है कि कैसे उन्होंने गारबेटेला में मजदूरों की बस्ती में अपना बचपन गुजारने से लेकर इटली की प्रधानमंत्री बनने तक का कठिन सफर तय किया है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908